हरिभूमि

समाचार ही नहीं, विचार भी

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

गूंजी नक्सलमुक्त बस्तर की गाथा

सरकार के प्रयासों और बस्तर के लोगों की सक्रिय भागीदारी से यह क्षेत्र अब विकास की नई राह पर

राष्ट्रपति बोलीं- बस्तर में हिंसा पीछे छूट रही, अब विकास की नई राह पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि सरकार के प्रयासों और बस्तर के लोगों की सक्रिय भागीदारी से यह क्षेत्र अब विकास की नई राह पर आगे बढ़ रहा है। हिंसा का माहौल पीछे छूट रहा है और लोग शिक्षा, रोजगार तथा विकास के नए अवसरों को अपना रहे हैं। यह बदलाव पूरे देश के लिए खुशी और गर्व का विषय है।

*राष्ट्रपति ने कहा कि **बस्तर पंडुम केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि बस्तर की समृद्ध परंपराओं और सांस्कृतिक पहचान का उत्सव है।** इसका उद्देश्य बस्तर की वास्तविक पहचान को राष्ट्रीय और* ▶▶| शेष पेज 8 पर

राष्ट्रपति भवन में पहली बार दिखा बस्तर की जनजातीय संस्कृति का ऐसा वैभव : गृहमंत्री अमित शाह

राष्ट्रपति भवन में बस्तर के मांझी-चालकी बने खास मेहमान, राष्ट्रपति ने खुद परोसा भोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

देश के सर्वोच्च संवैधानिक भवन 'राष्ट्रपति भवन' में आज एक नया इतिहास रचा गया। नई इबारत लिखी गई। पहली बार बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोक-परंपराओं और वेशभूषा का अप्रतिम वैभव नजर आया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में पहुँचे बस्तर के 209 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का न सिर्फ़ स्वयं स्वागत किया बल्कि जनजाति समुदाय को खुद अपने कर-कमलों से भोजन ▶▶| शेष पेज 8 पर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में पहुँचे 209 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल

बस्तर आने का आग्रह

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राष्ट्रपति से बस्तर के प्रतिनिधिमंडल की यह आत्मीय भेंट छत्तीसगढ़, विशेषकर बस्तर अंचल के लिए अत्यंत गौरव और सम्मान का अवसर है। बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और लोकजीवन को राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत करने का यह ऐतिहासिक अवसर रहा। आज बस्तर शांति, विकास और सांस्कृतिक ▶▶| शेष पेज 8 पर

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹108734/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹132800/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹144964/-
Live Rate आनंद ज्वेल्स के मोबाइल ऐप पर चेक करें।
*Conditions apply
aNAND Jewels
Pandri, Raipur

खबर संक्षेप

बैंकॉक से आए यात्री से नौ किलो गांजा जब्त

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने बैंकॉक से आए एक यात्री को गिरफ्तार किया। उसके पास से करीब नौ किलोग्राम संदिग्ध 'हाइड्रोपोनिक वीड' जब्त किया है। हाइड्रोपोनिक वीड गांजे की एक ऐसी किस्म है, जिसे मिट्टी के बजाय पोषक तत्वों से युक्त पानी में उगाया जाता है।

18 विदेशी नागरिकों को घुसपैठ से रोका

गुवाहाटी। असम में घुसपैठ के खिलाफ जारी अभियान के तहत 18 विदेशी नागरिकों को भारत में प्रवेश करने से रोका गया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, असम की सुरक्षा और पहचान को कमजोर करने के लिए घुसपैठ की अनुमति नहीं दी जाएगी। हमारी निरंतर कार्रवाई के तहत इन 18 घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए गए हैं। इन लोगों को किस स्थान से पकड़ा गया और वे किस देश के नागरिक हैं। हमारी कड़ी निगरानी और कार्रवाई चौबीसों घंटे जारी है।

5.8 करोड़ रुपए के मादक पदार्थ जब्त, दो गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम के कोकराझार जिले से 5.8 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए गए। इस मामले में दो संदिग्ध मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया गया। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यह जानकारी दी। शर्मा ने कहा, 'फर्जी 'ऑन ड्यूटी' स्टिकर असली मंशा नहीं छिपा सका। श्रीरामपुर नाका पर कोकराझार पुलिस ने एक वाहन को रोका।

ट्रक ने पिकअप वैन को टक्कर मारी, दो की मौत

धाराशिव। महाराष्ट्र के धाराशिव जिले में तेज एक रफ्तार ट्रक ने 'पिकअप वैन' को टक्कर मार दी, जिससे एक महिला समेत दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई जबकि 17 अन्य घायल हो गए। यह घटना बुधवार रात येदशी में अलानी चौक के निकट राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप वैन के दो टुकड़े हो गए। उमरगा तहसील के बोरी गांव निवासी छबू दुधभाते (40) और बाबूराव सूर्यवंशी (65) को गंभीर चोटें आईं और उन्हें अस्पताल ले जाया गया।

बारिश के चलते इंद्रावती नदी उफान पर

नदी का जलस्तर 15.600 मीटर दर्ज

खतरे के निशान से 3.10 मीटर ऊपर

बचाव दल

इंद्रावती, जगदलपुर

गरियाबंद सीमा पर पुल धड़ाम

महानदी उफनी, गांव बने टापू, ओडिशा तेलंगाना और महाराष्ट्र से संपर्क टूटा

उदंती नदी पर ओडिशा सरकार की ओर से बनाया जा रहा 9 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन पुल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर/ बीजापुर/ भोपालपट्नम/ मद्देड़/ मैनपुर/ धमतरी/ नगरी / राजिम / भिलाई

हरिभूमि लाइव

लगातार हो रही बारिश बरिश से गुरुवार को तीसरे दिन भी छत्तीसगढ़ का बड़ा हिस्सा प्रभावित रहा। महानदी सहित राज्य की कई नदियां उफान पर हैं। दर्जनों गांवों से संपर्क टूट गया है। बीजापुर जिले में भारी बारिश के चलते दो दिनों शुक्रवार और शनिवार को स्कूलों की छुट्टी घोषित कर दी गई है। राज्य के सीमावर्ती जिलों से ओडिशा, तेलंगाना, महाराष्ट्र राज्य का संपर्क भंग हो गया है। मैनपुर से लगे ओडिशा सीमा पर 9 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन पुल ध्वस्त हो गया। वहीं धमतरी के सिहावा में महानदी पर पुल का के ऊपर से पानी चलने से रेलिंग बह गया, जिससे ओडिशा से राज्य का संपर्क नहीं रहा। महानदी ▶▶| शेष पेज 8 पर

बारिश का कहर: 9 करोड़ का निर्माणाधीन पुल भरभरा कर गिरा

गरियाबंद जिले मैनपुर क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से उदंती नदी पर ओडिशा सरकार की ओर से बनाया जा रहा 9 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन पुल तेज बहाव और भारी बारिश के चलते भरभरा कर गिर गया। यह पुल छत्तीसगढ़ के मैनपुर विकासखण्ड और ओडिशा के बीच संपर्क का महत्वपूर्ण माध्यम बनने वाला था। पुल गिरने से छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच बनने वाला अहम संपर्क मार्ग प्रभावित हो गया है। माना जा रहा है कि लगातार हो रही बारिश और उदंती नदी के तेज बहाव के कारण निर्माणाधीन पुल का हिस्सा ▶▶| शेष पेज 8 पर

शिवरीनारायण में बोराई महानदी

लगातार बारिश से दुर्ग की शिवनाथ नदी साढ़े 8 फीट ऊपर

शिवनाथ नदी

लगातार बारिश और चार जलाशयों से शिवनाथ नदी में पानी छोड़े जाने की वजह से शिवनाथ नदी उफान पर आ गया है। नदी का महमरा एनीकट के ऊपर साढ़े 8 फीट पानी बह रहा है। जिसकी वजह से इस पुल से आवागमन बंद हो गया है। प्रशासन ने आसपास के 12 गावों में एलर्ट जारी किया है। चारों जलाशयों से 15 हजार ▶▶| शेष पेज 8 पर

नदी किनारे स्थित गांवों में खतरा

पिछले तीन-चार दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हो गया है। लगातार वर्षा से सड़क संपर्क बाधित हो गया है और कई ग्रामीण क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा बढ़ने लगा है। बारिश के कारण भोपालपटनम से तेलंगाना और महाराष्ट्र को जोड़ने वाले दोनों प्रमुख सड़क मार्ग ▶▶| शेष पेज 8 पर

सिहावा महानदी पुल पर 4 फीट पानी, रैलिंग टूटी, आवागमन ठप

लगातार बारिश के कारण सिहावा स्थित महानदी पुल पर लगभग 4 फीट पानी बह रहा है। पानी के तेज बहाव से पुल की रैलिंग भी टूट गई है। इससे बोराई-ओडिशा-केशकाल को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग पूरी तरह बाधित हो गया है। पुल के दोनों तरफ सैकड़ों वाहन और यात्री फंसे हुए हैं। दोपहिया, चारपहिया सहित एम्बुलेंस और मालवाहक वाहनों का आवागमन पूरी तरह बंद है। पुल पार करने की कोशिश करना जानलेवा हो ▶▶| शेष पेज8 पर

मद्देड़ की बालक बालिका विद्यालय हुआ जलमग्न

भोपालपटनम विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत मद्देड़ स्थित बालक, बालिका प्राथमिक शाला पूरी तरह से जलमग्न हो गया है। स्कूल की बाउंड्री वॉल का आधा हिस्सा पूरी तरह से पानी में डूब चुकी है।क्लासरूम और भवन के रूम में घुटने तक पानी है। स्कूल के किसी भी ▶▶| शेष पेज 8 पर

नकली पनीर बेचते मिले व्यावसायिक प्रतिष्ठान तो होगी कार्रवाई

छग में एनालॉग पनीर बैन बेचा तो अब मिलेगा दंड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि खास

छत्तीसगढ़ में एनालॉग पनीर बैन कर दिया गया है। गुरुवार को आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में स्वास्थ मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने यह घोषणा की। प्रदेश में एनालॉग पनीर के पूर्णतः बंद होने के बाद यदि कोई व्यक्ति अथवा व्यावसायिक प्रतिष्ठान इसकी बिक्री करते हुए पाया जाता है तो उस पर खाद्य विभाग कार्रवाई करेगा। इसमें लाइसेंस रद्द किए जाने से लेकर जुर्माने व अन्य तरह की कार्रवाई भी शामिल है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियमित रूप से जांच की जाएगी। एनालॉग पनीर को लेकर जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। थोक में सामने आ ▶▶| शेष पेज 8 पर

एक वर्ष में 5 हजार किलो एनालॉग पनीर जब्त

जिले में एनालॉग पनीर को लेकर बीते एक वर्ष में कई बड़ी कार्रवाई हुई है। भाठागांव और बिरगांव इसका प्रमुख अड्डा बन गए है। जुलाई 2025 में बिरगांव की काशी एग्रो फूड्स फैक्ट्री से करीब 2,500 किलो संदिग्ध पनीर जब्त किया गया था। इसके बाद यह फैक्ट्री सील कर दी गई थी। रायपुर के भाठागांव क्षेत्र में स्थित केएलपी फ्रेश एंड मिल्क प्रोडक्ट्स फैक्ट्री में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने छापामार कार्रवाई की थी। लगभग 1,060 किलो अमानक पनीर नष्ट किया गया और फैक्ट्री को सील किया गया। इसके अतिरिक्त कई अन्य स्थानों पर समय-समय पर थोक में गंदगी के बीच नकली पनीर निर्माण के मामले ▶▶| शेष पेज 8 पर

किडनी व लीवर को नुकसान, हार्ट अटैक का खतरा

एनालॉग पनीर सिंथेटिक पनीर है। यह दूध से नहीं बल्कि पॉम ऑयल, स्टॉर्च व अन्य पदार्थों से बनाया जाता है। इसके कैल्शियम व प्रोटीन के स्थान पर केवल शुगर होता है। पेट में दर्द की शिकायत इससे होती है। दीर्घकाल में यह किडनी व लीवर के खराब होने का कारण भी बनता है। एनालॉग पनीर बनाने में इस्तेमाल होने वाले सस्ते तेल में बैड कैस्ट्रॉल होता है। यह हार्ट अटैक का खतरा कई गुना बढ़ा देता है। स्वास्थ्यगत दृष्टिकोण से यह पूर्णतः हानिकारक है।

-डॉ.स्मित श्रीवास्तव, हृदय रोग विशेषज्ञ

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला

आरोपी की पत्नी को दस्तावेज पेश करने दिया एक सप्ताह

एजेंसी ▶▶| अयोध्या (उप्र)

अयोध्या विकास प्राधिकरण (एडीए) ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी के आरोपी लवकुश मिश्रा की पत्नी सुप्रिया मिश्रा को यहां सादतगंज क्षेत्र में निर्माणाधीन मकान के दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए बृहस्पतिवार को और एक सप्ताह का समय दिया। एडीए सचिव राजेश मिश्रा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि सुप्रिया मिश्रा को यह साबित करने के लिए कि उनका ▶▶| शेष पेज 8 पर

यह है मामला

उल्लेखनीय है कि राम मंदिर चढ़ावे के गबन का मामला जून के प्रथम सप्ताह में प्रकाश में आया जिसके बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने 13 जून को आरोपों की जांच के लिए एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित की। टीम को जांच के लिए शुरुआत में 15 दिनों का समय दिया गया।

मूणत की कथित मॉर्फ्ड सीडी मामले में ट्रायल पर लगी रोक

भूपेश को हाईकोर्ट से मिली अंतरिम राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को कथित राजेश मूणत मॉर्फ्ड सीडी प्रकरण में फिलहाल बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने सीबीआई की विशेष अदालत में उनके खिलाफ चल रही आगे की कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने यह आदेश उस याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया, जिसमें बघेल ने विशेष अदालत के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें उन्हें दोबारा आरोप तय करने की प्रक्रिया में शामिल करने का निर्देश दिया गया था। यह मामला वर्ष 2017 का है। आरोप है कि तत्कालीन मंत्री और भाजपा विधायक राजेश मूणत की कथित अश्लील मॉर्फ्ड सीडी तैयार कर उसे प्रसारित किया गया, ताकि उनकी सार्वजनिक छवि को नुकसान ▶▶| शेष पेज 8 पर

कोर्ट में दी गई ये दलील

भूपेश बघेल की ओर से कहा गया कि विशेष अदालत ने अपने अधिकार क्षेत्र से आगे बढ़कर आदेश पारित किया। उनका तर्क है कि पुनरीक्षण अदालत को केवल यह देखना था कि डिस्चार्ज आदेश सही था या नहीं। लेकिन उसने आरोपों की प्रकृति को प्रभावित करने वाला आदेश दे दिया। याचिका में यह भी कहा गया कि अभियोजन के रिकार्ड में ऐसा कोई ठोस आधार नहीं है जिससे उनके खिलाफ आरोप तय किए जा सकें। केवल सह-आरोपियों के साथ किसी होटल में ▶▶| शेष पेज 8 पर

200 से अधिक शिक्षाविदों ने जताई आपत्ति, वाड्रा को लिखा पत्र

'गौमूत्र ' टिप्पणी पर घिरीं प्रियंका, शिक्षाविद खफा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा को दो सौ से अधिक शिक्षाविदों ने एक खुला पत्र लिखकर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास के निदेशक वी. कामकोटि को निशाना बनाते हुए की गई उनकी 'गौ मूत्र विशेषज्ञ' वाली टिप्पणी पर आपत्ति जताई है। पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले 215 शिक्षाविदों के अनुसार किसी मुद्दे पर तर्कपूर्ण संवाद की जगह उपहास को नहीं अपनाया जा सकता। हस्ताक्षर करने वालों में कुलपति और पूर्व कुलपति भी शामिल हैं। पत्र में कहा गया, आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रोफेसर वी. कामकोटि को 'गौमूत्र विशेषज्ञ' बताए जाने संबंधी आपकी कथित टिप्पणी पर निराशा व्यक्त करने के लिए हम यह पत्र लिख रहे हैं। चाहे यह व्यंग्य के रूप में की गई हो या राजनीतिक बयानबाजी के तौर पर, इस तरह का वर्णन चिंताएं ▶▶| शेष पेज 8 पर

देश के शीर्ष तकनीकी विशेषज्ञों में प्रो. कामकोटि

पत्र में प्रो. कामकोटि की शैक्षणिक उपलब्धियों का भी जिक्र किया गया। इसमें कहा गया कि प्रो. कामकोटि देश के अग्रणी वैज्ञानिक और तकनीकी संस्थानों में से एक आईआईटी मद्रास के प्रमुख हैं। उन्होंने आईआईटी मद्रास से कंप्यूटर साइंस एंड ▶▶| शेष पेज 8 पर

परीक्षा सुधार कार्यबल के सदस्य

पद्म पुरस्कार से सम्मानित कामकोटि नीट प्रश्नपत्र लीक विवाद के बाद केंद्र सरकार की ओर से गठित छह सदस्यीय परीक्षा सुधार कार्यबल के सदस्य हैं। मंगलवार को लोकसभा में प्रियंका गांधी ने कहा था, उन्हें (प्रधानमंत्री को) यह समझने की जरूरत है कि केवल नयी समितियां गठित करने से काम नहीं चलेगा।"

वैज्ञानिक सोच और संविधान

- पत्र में कहा गया कि हर शिक्षाविद को अपने शोध, परिकल्पना और पारंपरिक ज्ञान पर चर्चा करने का अधिकार है।
- किसी विद्वान के तर्कों पर चर्चा करने के बजाय उसे किसी विशेष पहचान से जोड़कर खारिज करना संविधान में नागरिकों से अपेक्षित वैज्ञानिक सोच की भावना के विपरीत है।
- वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अर्थ केवल असामान्य विचारों पर संदेह करना नहीं, बल्कि किसी भी दावे को स्वीकार या अस्वीकार करने से पहले उसका निष्पक्ष मूल्यांकन करना भी है।
- पत्र में यह भी कहा गया कि इतिहास में कई ऐसे विचार रहे हैं, जिन्हें पहले असंभव माना गया, लेकिन बाद में वैज्ञानिक आधार मिला। वहीं कई स्थापित मान्यताएं समय के साथ गलत साबित हुईं।

नहीं बढ़े पैसे तो सामूहिक हड़ताल पर जाएंगे जूडो, दिल्ली में 1.5 लाख रुपए स्टाइपेंड, छग में आधा भी नहीं

काला रिबन बांधकर गुरुवार को किया प्रदर्शन, इंटर्न को मिलते हैं 15 हजार रुपए

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

प्रदेशभर में जूनियर डॉक्टर एक बार फिर हड़ताल में जाने की तैयारी में हैं। मामला स्टाइपेंड वृद्धि संबंधित है। गुरुवार को जूनियर डॉक्टर्स ने काला रिबन लगाकर कार्य किया। उन्होंने अपनी 17 सूत्रीय मांगें प्रशासन को सौंपी हैं। इनमें सबसे प्रमुख स्टाइपेंड वृद्धि है।

एमबीबीएस इंटर्न्स और पीजी डॉक्टर्स ने कहा है कि यदि एक सप्ताह में उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो वे प्रदेशभर में सामूहिक कार्य बहिष्कार करेंगे तथा हड़ताल पर चले जाएंगे। छत्तीसगढ़ के एमबीबीएस इंटर्न्स का स्टाइपेंड अन्य राज्यों के अनुरूप बढ़ाने के साथ समान कार्य के लिए समान स्टाइपेंड के सिद्धांत को लागू करने की मांग भी रखी गई है।

ना केवल राजधानी रायपुर बल्कि प्रदेशभर के शासकीय मेडिकल कॉलेजों के एमबीबीएस इंटर्न्स ने ब्लैक रिबन लगाकर सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने अपनी ड्यूटी भी पूरी की। उन्होंने कहा, उनका उद्देश्य चिकित्सा सेवाओं को बाधित करना नहीं, बल्कि अपनी न्यायोचित मांगों को शासन तक पहुंचाना है। प्रदर्शन के दौरान अस्पताल परिसर के बाहर इंटर्न्स ने बैनर एवं पोस्टर के साथ समूह फोटो लेकर अपनी एकजुटता प्रदर्शित की।

अधिकारियों के समक्ष रख चुके मांग

इंटर्न्स ने बताया कि वे पूर्व में भी कई बार माननीय मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री एवं संबंधित अधिकारियों के समक्ष अपनी मांग रख चुके हैं, किंतु अब तक इस संबंध में कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। यदि आगामी एक सप्ताह के भीतर इस संबंध में कोई ठोस एवं सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता है, तो प्रदेशभर के एमबीबीएस इंटर्न्स अपने आंदोलन के अगले चरण के तहत सामूहिक हड़ताल एवं कार्य बहिष्कार का मार्ग अपनाएंगे।

इंटर्न्स को मिल रहे 15,900 रुपए प्रतिमाह

वर्तमान में छत्तीसगढ़ के एमबीबीएस इंटर्न्स को मात्र 15,900 प्रतिमाह स्टाइपेंड दिया जाता है, जो देश के अनेक राज्यों की तुलना में काफी कम है। इंटर्न्स को कम से कम 35 हजार रुपए देने की मांग जूडो कर रहे हैं। वहीं पीजी डॉक्टर्स को प्रथम वर्ष में 67,500 रुपए, द्वितीय वर्ष में 71 हजार तथा तृतीय वर्ष में 74,300 रुपए मिल रहे हैं। दिल्ली में पीजी डॉक्टर्स को 1.5 लाख रुपए प्रदान किए जाते हैं। प्रदेश में कम से कम 1.20 लाख रुपए देने की मांग की जा रही है।

खबर संक्षेप

रेप के आरोपी की याचिका खारिज, जेल भेजने का आदेश

बिलासपुर। हाईकोर्ट में जस्टिस संजय एस अग्रवाल की सिंगल बेंच ने नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म के मामले में फैसला सुनाते हुए कहा है, यदि पीड़िता नाबालिग है, तो उसके साथ बनाए गए शारीरिक संबंधों में उसकी कथित आपसी सहमति का कोई कानूनी औचित्य नहीं रह जाता। कोर्ट ने बस्तर जगदलपुर के सत्र न्यायालय द्वारा आरोपी अर्जुन मेहरा को भारतीय दंड संहिता की धारा 376(1) के तहत दोषी ठहराते हुए सुनाई गई 7 वर्ष के सश्रम कारावास और 500 रुपए जुर्माने की सजा को सही ठहराया है। कोर्ट ने निचली अदालत के फैसले के खिलाफ आरोपी द्वारा दायर दोनों अपीलों को खारिज कर दिया है और जमानत पर रिहा दुष्कर्म के आरोपी का बेल बॉन्ड रद्द कर हिरासत में लेकर जेल भेजने का आदेश कोर्ट ने दिया है।

हाईकोर्ट ने जैजैपुर विधायक को राहत देने से इनकार किया

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू को राहत देने से इनकार करते हुए उनकी चुनाव याचिका खारिज करने की मांग वाली रिव्यू पिटीशन को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने विधायक के खिलाफ दायर दोनों चुनाव याचिकाओं को अगली सुनवाई के लिए 19 अगस्त को रखने का निर्देश दिया है। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में जैजैपुर सीट से निर्वाचित विधायक बालेश्वर साहू के निर्वाचन को चुनौती देते हुए सरोज कुमार चंद्रा और दिगंबर साहू ने अलग-अलग चुनाव याचिकाएं दायर की हैं। याचिकाओं में विधायक पर आपराधिक रिकॉर्ड का सोशल मीडिया में प्रसार नहीं करने और चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए निर्वाचन निरस्त करने की मांग की गई है। विधायक की ओर से याचिकाओं को 45 दिन की वैधानिक अवधि के बाद दायर किए जाने का तर्क देते हुए उन्हें खारिज करने का आवेदन पेश किया गया था, जिसे हाईकोर्ट पहले ही खारिज कर चुका था। इसके बाद रिव्यू पिटीशन दाखिल कर कहा गया कि चुनाव परिणाम 3 दिसंबर 2023 को घोषित हुआ था और याचिकाएं निर्धारित अवधि में वैध रूप से दाखिल नहीं हुईं। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता टीके झा ने इसका विरोध करते हुए कहा कि रिव्यू के लिए रिकॉर्ड पर कोई ऐसी त्रुटि नहीं है, जो समीक्षा का आधार बन सके। जस्टिस नरेश कुमार चंद्रवंशी ने सुनवाई के बाद कहा कि चुनाव याचिकाओं के साथ निर्वाचित प्रत्याशी के आपराधिक रिकॉर्ड के सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों में प्रकाशन से संबंधित रिटर्निंग ऑफिसर की जानकारी तथा आरटीआई के माध्यम से प्राप्त नामांकन फॉर्म की प्रमाणित प्रति जैसे आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किए गए हैं। कोर्ट ने रिव्यू पिटीशन में कोई आधार नहीं पाते हुए उसे खारिज कर दिया और दोनों चुनाव याचिकाओं को 19 अगस्त को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है।

एम्स अस्पताल को मिली 15 आधुनिक मरीज ट्राली

रायपुर। मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के अंतर्गत अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को 15 आधुनिक मरीज ट्रॉलियां प्रदान की हैं। इन ट्रॉलियों का उपयोग एम्स रायपुर के ट्रॉमा एवं आपातकालीन विभाग में मरीजों को बेहतर एवं त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए किया जाएगा। इस मौके पर एम्स रायपुर के निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अशोक कुमार जिंदल ने एमडीएल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सहयोग आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि आधुनिक मरीज ट्रॉलियों की उपलब्धता से गंभीर मरीजों के सुरक्षित एवं शीघ्र परिवहन में सुविधा होगी, जिससे उपचार की गुणवत्ता एवं दक्षता में वृद्धि होगी।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री पाटिल की पहल पर छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच नई दिल्ली में बैठक

सीएम ने कहा- महानदी विवाद नहीं, छत्तीसगढ़ ओडिशा की साझा समृद्धि का आधार बने

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

महानदी जल बंटवारे से जुड़े विषयों के सौहार्द्रपूर्ण एवं स्थायी समाधान की दिशा में गुरुवार को नई दिल्ली स्थित श्रमशक्ति भवन में महत्वपूर्ण पहल हुई। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच महानदी जल विवाद के संबंध में बैठक आयोजित हुई। बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, महानदी छत्तीसगढ़ और ओडिशा दोनों राज्यों की साझा जीवनरेखा है। इसका जल किसानों की आजीविका, पेयजल व्यवस्था, औद्योगिक विकास, पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा हुआ है।

श्री साय ने कहा, छत्तीसगढ़ सरकार इस बैठक को किसी विवाद की निरंतरता नहीं, बल्कि समाधान की नई शुरुआत के रूप में देखती है। दोनों राज्यों के बीच संवाद और सहयोग का जो वातावरण बना है, वह भविष्य में स्थायी एवं व्यावहारिक समाधान का मजबूत आधार बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा, छत्तीसगढ़ सरकार ओडिशा की सिंचाई, पेयजल तथा हीराकुंड परियोजना से जुड़ी आवश्यकताओं का पूरा सम्मान करती है। उसी प्रकार छत्तीसगढ़ के किसानों, आदिवासी अंचलों, सूखा प्रभावित क्षेत्रों तथा राज्य की भविष्य की विकास आवश्यकताओं को भी समान संवेदनशीलता के साथ देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, दोनों राज्यों के हित एक-दूसरे के विरोध में नहीं, बल्कि परस्पर पूरक हैं और समाधान भी ऐसा होना चाहिए जिससे किसी भी पक्ष के हित प्रभावित न हों।

छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच महानदी जल विवाद सुलझाने आपसी सहमति के प्रयास

तकनीकी निष्कर्षों के आधार पर व्यवस्था विकसित करें

मुख्यमंत्री ने कहा, दोनों राज्यों के विशेषज्ञ उपलब्ध जल की मात्रा तथा उससे जुड़े विभिन्न तकनीकी पहलुओं का वैज्ञानिक अध्ययन कर चुके हैं। अब आवश्यकता इस बात की है कि इन तकनीकी निष्कर्षों के आधार पर भविष्य उन्मुख एवं व्यवहारिक व्यवस्था विकसित की जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि कम वर्षा वाले सालों के लिए साझा जल प्रबंधन प्रणाली तैयार की जाए, जिससे किसी भी राज्य को कठिनाई का सामना न करना पड़े।

दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री और अधिकारी थे मौजूद

बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू सहित दोनों राज्यों के वरिष्ठ प्रशासनिक एवं तकनीकी अधिकारियों ने भाग लिया। छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव विकासशील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, जल संसाधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा ओडिशा सरकार के मुख्य सचिव एवं जल संसाधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

दोनों राज्यों की सहमति का प्रारूप तैयार करें

मुख्यमंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि प्रशासनिक एवं तकनीकी स्तर पर अधिकतम विषयों का समाधान आपसी समन्वय से किया जाए तथा केवल नीतिगत महत्व के विषयों को ही मंत्रिस्तरीय स्तर पर विचार के लिए लाया जाए। उन्होंने कहा, इससे निर्णय प्रक्रिया अधिक प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध बनेगी। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल तथा केंद्रीय जल आयोग से अनुरोध किया कि वे निष्पक्ष तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराने, समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करने तथा दोनों राज्यों के बीच दीर्घकालिक सहमति आधारित समझौते का प्रारूप तैयार कराने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

छत्तीसगढ़ में विकसित होंगे चार नए औद्योगिक पार्क

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समिति ने दी स्वीकृति

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

छत्तीसगढ़ में औद्योगिक विकास और रोजगार के नए अवसरों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने चार नए औद्योगिक पार्क विकसित करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में आयोजित उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अंतर्गत औद्योगिक विकास योजना की राज्य स्तरीय समिति की बैठक में इस प्रस्ताव को औपचारिक मंजूरी प्रदान की गई।

समिति की दूसरी बैठक के दौरान प्रदेश के चार जिलों में औद्योगिक पार्क स्थापित करने के प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई और उन्हें स्वीकृति दी गई। राजनांदगांव जिले में स्पेशल मैन्यूफैक्चरिंग क्लस्टर, पटेवा, धमतरी जिले में मल्टी सेक्टर मैन्यूफैक्चरिंग क्लस्टर, धूम्रपाली, जांजगीर-चांपा जिले में मल्टी सेक्टर मैन्यूफैक्चरिंग क्लस्टर, सलखान और बस्तर जिले में मल्टी सेक्टर मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर, नियानार में औद्योगिक पार्क स्थापित करने के प्रस्तावों पर स्वीकृति दी गई।

केंद्र और राज्य सरकार की संयुक्त पहल

भारत औद्योगिक योजना केंद्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसे छत्तीसगढ़ सरकार ने अपनी औद्योगिक विकास नीति के तहत प्रभावी रूप से लागू किया है। राज्य में इस योजना के सुचारू संचालन और विभिन्न परियोजनाओं को समयबद्ध मंजूरी देने के लिए राज्य स्तरीय समिति का गठन किया गया है। बैठक में राज्य के प्रमुख विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया, जिनमें वित्त सचिव डॉ. रोहित यादव, सचिव, आवास एवं पर्यावरण अंकित आनंद, सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग रजत कुमार, सचिव, ऊर्जा डॉ. सारांश मित्तर, विशेष सचिव, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन इफ्फत आरा सहित अन्य संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी शामिल थे।

वीएसके ऐप में तकनीकी त्रुटियों का होगा शीघ्र समाधान

तकनीकी समस्या के कारण किसी शिक्षक का वेतन नहीं कटेगा: शिक्षामंत्री यादव

लगभग डेढ़ लाख शिक्षक नियमित रूप से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कर निभा रहे हैं अपनी जिम्मेदारी, शिक्षा मंत्री ने जताया आभार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बिलासपुर

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा है कि शिक्षक संगठनों एवं शिक्षकों द्वारा वीएसके ऐप में आ रही तकनीकी त्रुटियों एवं एरर संबंधी शिकायतों को राज्य सरकार ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वीएसके ऐप में आने वाली तकनीकी समस्याओं के कारण किसी भी शिक्षक का वेतन नहीं काटा जाएगा। शिक्षकों को किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।श्री यादव ने बताया कि संबंधित अधिकारियों एवं तकनीकी टीम को वीएसके ऐप में आ रही सभी समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं।

लक्ष्य निर्धारित किया गया है कि 15 अगस्त तक ऐप में आ रही तकनीकी खामियों का समाधान कर इसे पूरी तरह सुचारु बनाया जाए, ताकि शिक्षकों को बिना किसी परेशानी के अपनी ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने की सुविधा मिल सके।शिक्षा मंत्री ने प्रदेश के शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य के लगभग 1 लाख 75 हजार शिक्षकों में से लगभग डेढ़ लाख शिक्षक लगभग 85 प्रतिशत शिक्षक प्रतिदिन वीएसके ऐप के माध्यम से अपनी ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं। यह दर्शाता है कि प्रदेश के शिक्षक नई तकनीक को अपनाते हुए शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह एवं आधुनिक बनाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के शिक्षक केवल शिक्षण कार्य ही नहीं, बल्कि डिजिटल व्यवस्था को सफल बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। सरकार उनके इस सहयोग, अनुशासन और समर्पण का सम्मान करती है। शिक्षकों के सुझावों और अनुभवों के आधार पर वीएसके ऐप को और अधिक सरल, उपयोगी एवं प्रभावी बनाया जाएगा।श्री गजेंद्र यादव ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षकों के सम्मान, सुविधा और हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यदि किसी शिक्षक को तकनीकी कारणों से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने में कठिनाई आती है, तो उसके हितों की पूरी सुरक्षा की जाएगी। किसी भी शिक्षक को तकनीकी खामी का खामियाजा नहीं भुगतना पड़ेगा।उन्होंने सभी शिक्षकों से अपील की कि वे पूर्व की भांति वीएसके ऐप का उपयोग करते रहें तथा यदि किसी प्रकार की तकनीकी समस्या या सुझाव हो तो उसे संबंधित अधिकारियों तक अवश्य पहुँचाएँ। सरकार प्रत्येक सुझाव का सकारात्मक परीक्षण कर आवश्यक सुधार करेगी, ताकि प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था और अधिक प्रभावी एवं तकनीक-सक्षम बन सके

85 प्रतिशत शिक्षक रोज लगाते है ऑनलाइन अटेंडेंस

संयुक्त खातेदार किसानों के एग्री स्टैक पंजीयन कराने में आ रही तकनीकी दिक्कत

हरिभूमि न्यूजः रायपुर।

संयुक्त खातेदार किसानों के एग्री स्टैक पंजीयन कराने में तकनीकी समस्या आ रही है, जिसके कारण जिले में अब तक सिर्फ 35 प्रतिशत किसान ही एग्री स्टैक पंजीयन करा पाए हैं, वहीं 65 प्रतिशत किसानों ने अब तक पंजीयन नहीं कराया है। एग्री स्टैक पंजीयन कराने की अंतिम तारीख 31 जुलाई निर्धारित की गई है। ऐसे में कई किसान पंजीयन कराने से छूट जाएंगे। इसे देखते हुए अब जिला पंचायत के सदस्य भी पंजीयन की तारीख आगे बढ़ाने से लेकर पंजीयन प्रक्रिया को सरलीकरण किए जाने की मांग कर रहे हैं।

65 प्रतिशत किसानों का एग्री स्टैक पंजीयन अब तक नहीं

जिला पंचायत सदस्य वतन चंद्राकर ने बताया कि अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं तहसीलदार से मिली जानकारी के अनुसार वर्तमान में संयुक्त खातेदार किसानों में लगभग 35 प्रतिशत का ही एग्री स्टैक पंजीयन हो पाया है, जबकि करीब 65 प्रतिशत किसान अब भी पंजीयन से वंचित हैं। उन्होंने बताया कि अधिकतर संयुक्त खातेदारों की ऋण पुस्तिका (बी-1) में नाम क्रमांक (सीरियल) में दर्ज न होकर केवल डेस में अंकित है। इस तकनीकी कारण से संबंधित किसानों के मोबाइल पर ओटीपी प्राप्त नहीं हो रहा, जिससे उनका एग्री स्टैक पंजीयन पूरा नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि पंजीयन कराने की अंतिम तारीख 31 जुलाई है। ऐसे में छूटे हुए किसान पंजीयन कराने से वंचित हो जाएग, इसलिए इसकी तारीख बढ़ाई जानी चाहिए। इस संबंध में उन्होंने कलेक्टर के नाम अपर कलेक्टर कीर्तिमान राठौर को ज्ञापन सौंपा है।

सरलीकरण की जाए पंजीयन की प्रक्रिया

जिला पंचायत उपाध्यक्ष संदीप यदु ने बताया कि पंजीयन की प्रक्रिया को सरलीकरण किया जाना चाहिए। वर्तमान में एग्री स्टैक पंजीयन कराने में सबसे ज्यादा दिक्कत संयुक्त खातेदार किसानों को रही है। तकनीकी दिक्कत के कारण बड़ी संख्या में अभी तक किसान अपना पंजीयन नहीं करा पाए है। उन्होंने कहा कि अगर पंजीयन की तारीख आगे बढ़ाई नहीं गई तो कई किसान पंजीयन से वंचित रह जाएंगे।

सहकारी समिति-चॉइस सेंटरों के चक्कर काट रहे किसान

जिला पंचायत सदस्य ने कहा कि संयुक्त खातेदार किसानों के एग्री स्टैक पंजीयन कराने में आ रही दिक्कत के कारण वे बार-बार किसान सहकारी समितियों एवं चॉइस सेंटरों के चक्कर काट रहे है, जिसके कारण वे मानसिक रूप से परेशान भी हो रहे है। सदस्य ने चिंता जताई है कि पंजीयन नहीं होने से किसान आगामी धान खरीदी में अपनी उपज बेचने से वंचित भी हो सकते हैं, साथ ही विभिन्न कृषि योजनाओं से भी उन्हें वंचित होना पड़ सकता है।

छत्तीसगढ़ से हज-2027 के लिए 787 का चयन

रायपुर। हज 2027 के लिए आवेदकों का ऑनलाइन डिजिटल रेंडम चयन किया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के चेयरमैन मिर्ज़ा एजाज़ बेग ने बताया कि, हज कमेटी ऑफ़ इंडिया द्वारा हज 2027 के लिए आवेदन करने वाले हज यात्रियों का, हज हाउस मुंबई में सेंट्रलाइज्ड मोड पर ऑनलाइन डिजिटल रेंडम सिलेक्शन 30 जुलाई को किया गया है। हज 2027 के लिए चयनित आवेदकों की सूची एवं प्रतीक्षा सूची हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने बताया कि, हज-2027 के लिए राज्य से कुल 1028 हज आवेदकों के आवेदन प्राप्त हुए। हज-2027 के लिए राज्य से 787 कंफर्म एवं 241 प्रतीक्षा सूची के हज यात्रियों का चयन हज कमेटी ऑफ़ इंडिया द्वारा किया गया।

महिला सरपंचों ने अनुभव किए साझा

नल-जल परियोजनाएं पूरी होने के बाद पंचायतों को सौंपी जाएंगी- साव

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा है कि जल आपूर्ति के लिए उपयोग हो रहे जल स्त्रोतों की देखभाल और सावधानीपूर्वक उपयोग जरूरी है। इसके टिकाऊपन पर ही योजना की दीर्घकालीन सफलता निर्भर है। उन्होंने कहा कि नल जल योजनाओं के काम पूर्ण होने तथा पंचायतों को इसके हस्तांतरण के बाद इसका संचालन व संधारण ग्राम पंचायतों को करना है। जल जीवन मिशन हमारे घर और हमारे गांव के लिए योजना है। ग्राम पंचायतों को गांव वालों के साथ मिलकर जल आपूर्ति की व्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाना है।

श्री साव ने यह बात जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर जल प्रमाणित गांवों की महिला सरपंचों के लिए ग्रामीण पाइपलाइन जल आपूर्ति योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव पर राज्य स्तरीय कार्यशाला में कही। उन्होंने नवा रायपुर स्थित राजीव गांधी राष्ट्रीय भूमि जल प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान में आयोजित कार्यशाला में महिला सरपंचों को संबोधित किया।

श्री साव ने जल स्तर बनाए रखने तथा भू-जल स्त्रोतों को रिचार्ज करने स्टॉपडैम बनाने और बारिश के पानी को संग्रहित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बारिश के पानी के प्राकृतिक बहाव के अवरोधों व अतिक्रमणों को हटाकर तालाबों को अच्छे से भरने की व्यवस्था सभी गांवों को करना चाहिए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा यूनिसेफ और एसीई संस्था के सहयोग से इस एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इसमें करीब 100 महिला सरपंच शामिल हुईं।

कार्यशाला में हर घर जल प्रमाणित गांवों में नल जल योजनाओं के संचालन, संधारण और मरम्मत पर व्यापक विचार-विमर्श और बेस्ट प्रेक्टिसेस पर गहन चर्चा की गई। महिला सरपंचों ने इस दौरान जल जीवन मिशन के तहत अपनी-अपनी पंचायतों में जल आपूर्ति की व्यवस्था तथा नल जल योजना के संचालन-संधारण के अनुभव साझा किए। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने महिला सरपंचों को नल जल योजनाओं के सफल, निर्बाध और दीर्घकालीन संचालन के गुर बताए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव मोहम्मद कैसर अब्दुल हक, राजीव गांधी राष्ट्रीय भूमि जल प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान की निदेशक रूबी मुखर्जी और यूनिसेफ की जल एवं स्वच्छता विशेषज्ञ श्वेता पटनायक ने भी कार्यशाला को संबोधित किया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख अभियंता केके मरकाम और अधीक्षण अभियंता समीर गौड़ भी कार्यशाला में मौजूद थे।

गांव-गांव, घर-घर चलेगा स्मार्ट मीटर हटाओ जनआवेदन अभियान

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण की मासिक बैठक गुरुवार को गांधी मैदान स्थित कांग्रेस भवन में जिला अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में स्मार्ट मीटर हटाओ–जनआवेदन अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए व्यापक रणनीति तैयार की गई। बैठक में रायपुर ग्रामीण के सभी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों एवं मंडल कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों से अभियान की वर्तमान स्थिति की विस्तृत जानकारी ली गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि अब अभियान को गांव-गांव एवं घर-घर तक पहुंचाया जाएगा। कांग्रेस कार्यकर्ता आम जनता से स्मार्ट मीटर हटाने एवं पुराने बिजली मीटर पुनः लगाए जाने के संबंध में जनआवेदन प्राप्त करेंगे तथा उन्हें संबंधित सीएसईबी कार्यालय में जमा करेंगे। जिला कांग्रेस कमेटी के जिला पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ नेताओं को विभिन्न मंडलों का प्रभारी नियुक्त किया गया है, जो संबंधित क्षेत्रों में जाकर अभियान का संचालन करेंगे, आवेदन संग्रह की निगरानी करेंगे तथा अभियान की नियमित समीक्षा करेंगे। पूर्व मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने कहा, स्मार्ट मीटर हटाओ–जनआवेदन अभियान को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाना कांग्रेस कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, कार्यकर्ता जनता से सीधे संवाद करें, आवेदन भरवाएं और संबंधित सीएसईबी कार्यालयों में जमा कराएं, ताकि आम लोगों की आवाज़ शासन तक पहुंचे।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

कॉमनवेल्थ गेम्स में दिलीप महादु का जलवा

भावुक होकर कहा-मेरे लिए कठिन समय

एजेंसी ▶▶। मुंबई

आस्ट्रेलिया में 2020-21 दौरे पर सिताराहीन भारतीय टीम को टेस्ट श्रृंखला में अपनी कप्तानी में ऐतिहासिक जीत दिलाने वाले भारत के सीनियर बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को यह कहकर अलविदा कह दिया कि आगे बढ़ने का सही समय आ गया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर वीडियो संदेश में भावुक होकर कहा-मेरे लिए कठिन समय है। इस दौरान उनकी आंखों से आंसू छलक आए। भारत के लिए 2013 में पदार्पण करने ▶▶।शेष पेज 8 पर

इमोशनल पोस्ट शेयर किया, नहीं खेलेंगे आईपीएल

सबसे बड़ी उपलब्धि

रहाणे के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि 2021 का आस्ट्रेलिया दौरा थी, जब नियमित कप्तान विराट कोहली की गैर मौजूदगी में उन्होंने सितारों के बिना खेल रही भारतीय टीम की अगुवाई की। तमाम कयासों को धता बताते हुए आस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में 2.1 से हराया। एडीलेड में पहला टेस्ट बुरी तरह हारने के बाद कोहली पितृत्व अवकाश पर भारत लौट आये थे।

भारत को तीसरा गोल्ड, अब तक 15 मेडल

एजेंसी ▶▶। ग्लासगो

ग्लासगो में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के 7वें दिन भारत ने एक गोल्ड और दो सिल्वर मेडल अपने नाम किया। इन तीन पदक के दम पर भारत के मेडल की कुल संख्या 15 हो गई और अब भारत 9वें से 8वें स्थान पर आ गया। दिलीप महादु गावित ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में सातवें दिन भारत को तीसरा गोल्ड मेडल दिलाया। उन्होंने पुरुषों की पैरा टी47 कैटेगरी में100 मीटर रेस में 10.71 सेकेंड का समय लेकर पहला स्थान हासिल किया। भारत के ही मोहम्मद बासिल ▶▶।शेष पेज 8 पर

पैरा 100मीटर रेस में गावित पहले, बासिल दूसरे, लॉन्ग जंप में मुरली को सिल्वर

मीराबाई चानू

शर्मिला धनखड़

भारत की स्वर्णिम सफलता

ग्लास्गो खेलों में यह भारत का तीसरा स्वर्ण पदक है। इससे पहले भारोत्तोलक मीराबाई चानू (48 किग्रा) और पैरा शॉट पुटर शर्मिला धनखड़ ने देश को 'गोल्ड' दिलाया था। इन दो नए पदकों के साथ भारत कुल 3 स्वर्ण, 9 रजत और 3 कांस्य पदक जीतकर तालिका में 8वें स्थान पर पहुंच गया है। स्पर्धा का कांस्य इंग्लैंड के केविन सैंटोस (10.85 सेकंड) को मिला।

धान खरीदी में बड़ा बदलाव

अब मंदिर, ट्रस्ट के लिए भी एग्री-स्टैक पंजीयन अनिवार्य

पिछले वर्ष संस्थाओं को मिली छूट खत्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रायपुर

खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की प्रक्रिया में छत्तीसगढ़ सरकार ने बड़ा बदलाव किया है। इस बार विभिन्न संस्थाओं, न्यासों, लोक न्यास मंदिर समितियों, अन्य सोसाइटियों तथा संस्थागत किसानों को भी एग्री-स्टैक पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। पिछले साल इन संस्थाओं को एग्री-स्टैक पंजीयन से छूट दी गई थी, लेकिन नई व्यवस्था में यह छूट समाप्त कर दी गई है। इसके साथ ही वन पट्टाधारी, डूबान क्षेत्र के किसान, शासकीय पट्टेदार, कोटवार तथा अधिया, रेगहा, बटाई और लीज पर खेती करने वाले किसानों को भी एग्री-स्टैक आधारित व्यवस्था में शामिल किया गया है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, जिन संस्थाओं को पिछले वर्ष एग्री-स्टैक ▶▶।शेष पेज 8 पर

खास खबर

संस्थागत किसानों के लिए अलग व्यवस्था

आदेश में संस्थागत पंजीयन की विस्तृत प्रक्रिया भी निर्धारित की गई है। संस्था के प्रतिनिधि का नाम, मोबाइल नंबर, आधार संख्या और पंजीयन संबंधी जानकारी विभागीय पोर्टल पर दर्ज कर एग्री-स्टैक आईडी बनाई जाएगी। इसके बाद संस्था अपने यूजर आईडी और पासवर्ड के माध्यम से एग्री-स्टैक के ऑथराइजेशन मॉड्यूल का उपयोग कर धान विक्रय की प्रक्रिया पूरी कर सकेगी। नवीन संस्थागत पंजीयन के लिए भी यही प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

पिछले साल पंजीकृत किसानों को दोबारा पंजीयन की जरूरत नहीं

सरकार ने खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के लिए यह स्पष्ट किया है कि जिन किसानों का पिछले खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में एग्री-स्टैक (फार्मर आईडी) के माध्यम से पंजीयन हो चुका है और जिनके पास फार्मर आईडी तथा किसान कोड उपलब्ध है, उन्हें इस वर्ष नया पंजीयन कराने की आवश्यकता नहीं होगी। ऐसे किसानों का पंजीयन स्वतः मान्य रहेगा।

सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री ने जारी किया वीडियो संदेश

संसद में बिल पर मुहर, प्रधानमंत्री मोदी बोले-पेपरलीक गैंग को बख्शा नहीं जाएगा

लोकसभा के बाद राज्यसभा ने लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 को मंजूरी दे दी। इस बीच, प्रधानमंत्री ने रात को सोशल मीडिया पर एक वीडियो संदेश जारी किया। अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि पेपर माफिया, पेपर लीक करने वाला गैंग देश के बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाली गैंग को बख्शा नहीं जाएगा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोक परीक्षा (संशोधन) विधेयक को संसद से मंजूरी मिलने के बाद देशवासियों के नाम एक वीडियो संदेश जारी किया। उन्होंने कहा कि सरकार भरोसेमंद और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस दिशा में एक के बाद एक कई कदम उठाए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस कानून को तैयार करते समय राज्यों के सुझावों का भी पूरा ध्यान रखा गया, क्योंकि पिछले कई वर्षों से लगभग सभी राज्य और केंद्र सरकार पेपर लीक जैसी समस्या से जूझ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पेपर माफिया, परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक करने वाले गिरोह और देश के बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे अपराधों पर रोक लगाने के लिए सख्त ▶▶।शेष पेज 8 पर

लोकसभा के बाद राज्यसभा में पारित हुआ लोक परीक्षा बिल

पेपर माफिया पर पीएम का सख्त संदेश

प्रधानमंत्री ने साफ कहा कि पेपर माफिया, पेपर लीक कराने वाले गिरोह और छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों पर कार्रवाई के लिए कठोर कानून की जरूरत थी। इसी उद्देश्य से सरकार संसद में संशोधन विधेयक लेकर आई। उन्होंने याद दिलाया कि उन्होंने देश से जो वादा किया था, उसे पूरा करते हुए संसद के दोनों सदनों ने इस सख्त प्रावधानों वाले विधेयक को पारित कर दिया है।

राज्यसभा में बिल को मंजूरी

राज्यसभा ने गुरुवार को 'लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026' को मंजूरी दे दी। इसके साथ ही विधेयक को संसद की मंजूरी मिल गई, जिसमें प्रश्न पत्र लीक करने के अपराध में दस साल तक की सजा तथा 50 लाख रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान है। राष्ट्रपति के हस्ताक्षर करने के बाद नोटिफिकेशन जारी होते ही यह कानून बन जाएगा।

देशवासियों से की अपील

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश के अंत में कहा कि देश ऐसी परिस्थितियों को लंबे समय तक चलने नहीं देगा, जिनसे छात्रों का भविष्य प्रभावित हो। उन्होंने सभी देशवासियों से विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए मिलकर काम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी लोग कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ें, ताकि देश की शिक्षा व्यवस्था और अधिक मजबूत और भरोसेमंद बन सके।

इधर, लोकसभा में पारित हुआ वंदे मातरम बिल

लोकसभा में विपक्ष के शोरशराबे के बीच गुरुवार को राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के अपमान को कानूनी अपराध बनाने वाला 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक 2026' पारित हो गया है। संसद के उच्च-सदन यानी राज्यसभा द्वारा पहले ही इस विधेयक को हरीझंडी प्रदान की जा चुकी है। जिसके बाद इसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा और फिर यह कानून का रूप ले लेगा। यहां बता दें कि विधेयक को संसद की मंजूरी मिलने के बाद अब राष्ट्रीय गीत के गाए जाने के दौरान (संपूर्ण 6 छंदों के साथ) उसमें बाधा डालना या किसी को वंदे मातरम गाने से रोकना भी अपराध माना जाएगा और उसके लिए 3 साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। अब तक राष्ट्रगान के अपमान पर इस तरह की सजा होती है। पूर्व में वंदे मातरम के केवल दो छंद गाने की ही सरकारी अनुमति मिली हुई थी।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

अमरनाथ यात्रा के लिए 1,795 श्रद्धालु रवाना

जम्मू। अमरनाथ गुफा मंदिर के लिए 1,700 से अधिक श्रद्धालुओं का एक नया जत्था जम्मू आधार शिविर से रवाना हुआ। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अब तक 4.40 लाख से अधिक श्रद्धालु पवित्र गुफा में भगवान शिव के हिमलिंगम के दर्शन कर चुके हैं। 23वें जत्थे में 1,406 पुरुष और 389 महिलाएं सहित कुल 1,795 श्रद्धालु शामिल हैं। यह जत्था 82 वाहनों में सवार होकर तड़के 2.50 बजे भगवती नगर आधार शिविर से बालटाल के लिए रवाना हुआ।

दंपती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

खरगोन। मध्यप्रदेश के खरगोन जिले में एक दंपती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई, जिसके बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। यह घटना जिले के बलकवाड़ा थाना अंतर्गत खलटांका पुलिस चौकी क्षेत्र के सालिमपुरा गांव में बुधवार दोपहर में हुई। सालिमपुरा निवासी 31 वर्षीय प्रवीण और उनकी 27 वर्षीय पत्नी शीला बाई दोपहर अपने घर में मृत अवस्था में मिले जिसके बाद परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची

सारनाथ के साथ ईरान का आलमूत महल भी

एजेंसी ▶▶। नई दिल्ली

भारत के प्राचीन बौद्ध स्थल सारनाथ, ईरान के आलमूत महल और संबंधित किला तथा जॉर्डन के अकाबा समुद्री संरक्षित क्षेत्र सहित 25 स्थलों को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया है। इन 25 स्थलों को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल करने का फैसला दक्षिण कोरिया के बुसान में 19 से 29 जुलाई तक आयोजित विश्व धरोहर समिति के 48वें सत्र के दौरान लिया गया। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित सारनाथ को 25 जुलाई को इस सूची में शामिल किया गया।

सूची में अब 1273 स्थल

यूनेस्को ने 28 जुलाई को जारी बयान में कहा कि इन 25 नयी प्रविष्टियों के साथ अब विश्व धरोहर सूची में शामिल स्थलों की संख्या 1,273 हो गई है जो 173 देशों में अवस्थित हैं। सूची में शामिल इन स्थलों को अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सर्वोच्च मान्यता और संरक्षण का लाभ मिलेगा।

सीजेपी प्रोटेस्ट में दिल्ली सरकार ने दी बड़ी राहत

प्रदर्शनकारियों पर एक्शन नहीं क्रिमिनल रिकॉर्ड वाले नपेंगे!

एजेंसी ▶▶। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने काकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन में शामिल लोगों को बड़ी राहत देते हुए फैसला किया है कि उनके खिलाफ कोई प्रतिकूल कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस मामले को यहीं समाप्त माना जाएगा और भविष्य में इस आधार पर कोई नई कार्रवाई नहीं की जाएगी। हालांकि, सरकार ने यह भी साफ किया है कि यह राहत उन लोगों पर लागू नहीं होगी जिनका आपराधिक रिकॉर्ड है। ऐसे मामलों में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार कार्रवाई होगी।

सरकार ने यह भी कहा है कि अगर प्रदर्शन के दौरान किसी व्यक्ति को गिरफ्तार या हिरासत में लिया गया है, तो उसके मामले की समीक्षा की जाएगी और पात्र पाए जाने पर उनकी रिहाई की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। दिल्ली सरकार के मुताबिक, प्रदर्शन में शामिल लोगों के खिलाफ अब कोई आगे की प्रतिकूल कार्रवाई करने का इरादा नहीं है और इस पूरे मामले को बंद माना जाएगा।

सुप्रीम आदेश के बाद लिया गया फैसला

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) दिल्ली सरकार के गृह विभाग ने गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी की है। यह फैसला 28 जुलाई 2026 को सुप्रीम कोर्ट में शैलेंद्र मणि त्रिपाठी बनाम भारत संघ एवं अन्य मामले में दिए गए आदेश के बाद लिया गया है। गृह विभाग के अनुसार, 29 जुलाई 2026 की शाम 6 बजे तक नीट-यूजी परीक्षा में गड़बड़ियों के विरोध में हुए प्रदर्शनों से जुड़े कुल 13 मामले दिल्ली पुलिस की ओर से दर्ज किए गए थे।

बिहार, बंगाल में भी हुआ था ऐलान

इससे पहले पश्चिम बंगाल और बिहार सरकार ने भी एक्शन न लेने ऐलान किया था। बंगाल सरकार ने कहा था कि 26 जुलाई 2026 को शाम 6 बजे तक नीट पेपर लीक से जुड़े विरोध-प्रदर्शन से जुड़े मामलों में शामिल छात्रों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होगी।

बस्तर से सरगुजा तक रेल संपर्क मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम

कटघोरा से डोंगरगढ़ रेल लाइन, कई और परियोजनाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरुवार को दिल्ली में रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की, जिसमें छत्तीसगढ़ की रेल परियोजनाओं पर अहम मंथन हुआ। खास बात यह रही कि बैठक में कटघोरा-डोंगरगढ़ नई रेलवे लाइन परियोजना पर विशेष रूप से चर्चा हुई। बताया गया कि लगभग 295 किलोमीटर लंबी इस महत्वाकांक्षी रेल परियोजना का विकास रेल मंत्रालय और छत्तीसगढ़ शासन के संयुक्त ▶▶।शेष पेज 8 पर

खास खबर

मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ में प्रमुख रेल परियोजनाओं को गति देने रेल मंत्री से की चर्चा

उत्तर छत्तीसगढ़ की रेल परियोजनाओं की स्वीकृति का अनुरोध

मुख्यमंत्री ने प्रदेश की तीन अन्य महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं सरडेगा-पत्थलगांव-अंबिकापुर (244 किलोमीटर), धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा (301 किलोमीटर) तथा अंबिकापुर-बरवाडीह (200 किलोमीटर)- को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से उत्तर छत्तीसगढ़ सहित सीमावर्ती क्षेत्रों की रेल संपर्क व्यवस्था सुदृढ़ होगी तथा व्यापार, पर्यटन, खनिज परिवहन और स्थानीय रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इस पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इन परियोजनाओं को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने की दिशा में सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया।

नई रेललाइन प्रगति के नए द्वार खोलेगी

डोंगरगढ़—कटघोरा रेल लाइन की यह बहुप्रतीक्षित स्वीकृति हमारे उस संकल्प की सिद्धि है। यह नई रेल लाइन केवल दूरी कम नहीं करेगी, बल्कि छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए रोजगार और उद्योगों के लिए प्रगति के नए द्वार खोलेगी। जनता जनार्दन के इस सपने को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का कोटि-कोटि धन्यवाद। - **तोखन साहू**, केंद्रीय राज्य मंत्री एवं सांसद बिलासपुर

अधिसूचित जिले: बस्तर, बेमेतरा, बीजापुर, कोरिया, सारंगगढ़-बिलाईगढ़, गरियाबंद, जांजगीर-चांपा, कबीरधाम, कांकेर, सक्ती, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी

खरीफ 2026 मौसम हेतु अधिसूचित फसलें धान सिंचित, धान असिंचित, मक्का, उड़द, अरहर, मूँग, मूँगफली, सोयाबीन, कोदो, कुटकी, रागी

योजना के मुख्य बिंदु :

- कृषक द्वारा देय प्रीमियम बीमित राशि का अधिकतम 2 प्रतिशत
- शेष प्रीमियम राशि का भुगतान भारत सरकार एवं राज्य शासन द्वारा किया जावेगा
- ओलावृष्टि, जलभराव, बादल फटने, आकाशीय बिजली से नुकसान होने पर स्थानीय आपदा अंतर्गत दावा भुगतान
- स्थानीय आपदा की स्थिति में-धान फसल में जलप्लावन से होने वाली क्षति इस घटक मे शामिल नही है
- फसल कटाई के उपरांत आगामी 14 दिनों तक खेत में सुखाने हेतु बंडलो में रखी फसल को चक्रवात, बेमौसम/चक्रवाती वर्षा से नुकसान होने पर दावा भुगतान
- कम वर्षा या विपरीत मौसम अवस्थाओं के कारण फसल बुवाई विफलता पर दावा भुगतान
- फसल उत्पादन के आधार पर व्यापक क्षति की स्थिति में, राज्य शासन एवं योजना के प्रावधानों के अनुसार फसल क्षति का मूल्यांकन एवं निर्धारण किया जाएगा।
- अनावरी के आंकड़े इस योजना अतंर्गत दावा भुगतान के लिए मान्य नही होंगे

योजनांतर्गत शामिल होने वाले कृषक :

- ऋणी कृषकों का बीमा ऋण दायी संस्था द्वारा नियमानुसार किया जायेगा।
- गैर-ऋणी कृषक अपना बीमा बैंक शाखा/कॉपरेटिव सोसाइटी/लोक सेवा केंद्र (CSC)/पोस्ट ऑफिस/AIDE-एजेंट/फसल बीमा ऐप एवं पोर्टल के माध्यम से निर्धारित तिथि के अंदर फसल का बीमा करा सकते है।
- गैर-ऋणी कृषकों हेतु आवश्यक दस्तावेज-नवीनतम आधार कार्ड, बैंक पासबुक, भूमि एवं फसल बुवाई संबंधित दस्तावेज।
  ऋणी कृषक: ऋणी कृषक जो योजना में शामिल नहीं होना चाहते, उन्हें भारत सरकार द्वारा जारी चयन (Opt-out) प्रपत्रानुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र बीमा आवेदन की अंतिम तिथि के 7 दिन पूर्व तक संबंधित वित्तीय संस्थान में अनिवार्य रूप से जमा करना होगा।
- योजना से बाहर होने (Opt-Out) का निर्णय पूरी तरह किसान की इच्छा पर आधारित है। किसी भी किसान को बैंक शाखा द्वारा (Opt-Out) के लिये बाध्य नहीं किया जाएगा।
- ऑप्ट-आउट की कार्यवाही केवल एक मौसम-वर्ष के लिए ही लागू होगी; जिसके लिए किसान द्वारा ऑप्ट-आउट घोषणा दी गई है।
- बैंक शाखाएं किसानों द्वारा प्रस्तुत योजना से बाहर होने (Opt-out) की प्रपत्रानुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र को निरीक्षण/सत्यापन हेतु सुरक्षित रखेंगी।
  अऋणी कृषक: अधिसूचित इकाई में अधिसूचित फसल लगाने वाले सभी गैर ऋणी कृषक ऐच्छिक तौर पर योजना का लाभ लेने हेतु पात्र होंगें।

योजना सम्बंधित अधिक जानकारी एवं अपनी शिकायत दर्ज करने हेतु कृषि रक्षक पोर्टल हेल्पलाइन नंबर 14447 पर संपर्क करे या व्हाट्सएप चैटबॉट नंबर 70655-14447 का उपयोग करे या www.pmfby.gov.in पर जाएँ या क्रॉप इंश्योरेंस मोबाइल एप का प्रयोग करें या अपने निकटतम कृषि कार्यालय, बैंक शाखा, CSC सेंटर या बीमा कंपनी से संपर्क करें।

स्थानीय आपदाओं से बीमित फसल में नुकसान होने पर 72 घंटे के भीतर फसल नुकसान की सूचना देना आवश्यक है।

PMFBY अंतर्गत दावा भुगतान सफल बनाने हेतु कृपया अपने संबंधित बैंक शाखा से PFMS पोर्टल से खाता संख्या को सत्यापित करवाये अथवा आधार नंबर को सही बैंक खाता से लिंक कराये।

योजना संबंधित अधिक जानकारी के लिए फार्ममित्र ऐप डाउनलोड करें

GET IT ON Google Play | FARMITRA

बजाज जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड ... बजाज इंश्योरेंस हाउस, एयरपोर्ट रोड, येरवडा, पुणे - 411006 । आईआरडीएआई पंजीकरण संख्या: 113 • सीआईएन: U66010PN2000PLC015329 • यूआईएन: IRDAN113CP0001V02201617 (पीएमएफबीवाय) • www.bajajgeneralinsurance.com • टोल फ्री नंबर: सेल्स - 1800 209 0144 / सर्विस - 1800 209 5858 • ... BGI-D-1092/08-07-2026

चिंतन

विद्वानों पर टिप्पणी करने से बचें राजनेता

विद्वान और शिक्षाविद देश की अमूल्य धरोहर होते हैं। वे किसी भी दल, धर्म, जाति या दल से ऊपर होते हैं। ऐसे में राजनेताओं को विद्वानों पर किसी भी प्रकार की टिप्पणी करने से बचना चाहिए। हाल ही में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के नवगठित शिक्षा सुधार समिति के एक सदस्य आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रोफेसर वी. कामकोटि को गोमूत्र विशेषज्ञ कहे जाने पर लोकसभा में हंगामा हो गया। प्रोफेसर कामकोटि गोमूत्र के कथित औषधीय गुणों पर अपनी राय के कारण पहले भी चर्चा में रहे हैं। इस मामले को लेकर 215 वर्तमान और पूर्व कुलपतियों तथा शिक्षाविदों ने प्रियंका गांधी को खुला पत्र लिखकर इसी चिंता को सामने रखा है। पत्र में कहा गया है कि किसी शिक्षाविद् से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, उनके विचारों और शोध पर सवाल भी उठाए जा सकते हैं, लेकिन सार्वजनिक मंच पर उनका मजाक उड़ाना उचित नहीं है। प्रो. कामकोटि को पारंपरिक ज्ञान या किसी वैज्ञानिक परिकल्पना पर अपनी राय रखने का अधिकार है। यदि उनके किसी दावे या विचार से असहमति है तो उसके प्रमाणों और वैज्ञानिक आधार को चुनौती दी जानी चाहिए। वैज्ञानिक विमर्श की यही स्वस्थ परंपरा है। प्रो. वी. कामकोटि कंप्यूटर वैज्ञानिक और शिक्षाविद् हैं तथा आईआईटी मद्रास के निदेशक हैं। उन्होंने इसी संस्थान से कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग में उच्च शिक्षा और पीएचडी हासिल की। उनके नेतृत्व में उस टीम ने भारत के स्वदेशी माइक्रोप्रोसेसर 'शक्ति' के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसे देश की तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धि माना जाता है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया जा चुका है। वे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण दायित्वों में भी भूमिका निभा चुके हैं। ऐसे व्यक्ति की किसी एक राय को आधार बनाकर उसकी पूरी विद्वत्ता को एक उपहासपूर्ण संबोधन में सीमित कर देना निश्चित रूप से स्वस्थ बहस का तरीका नहीं हो सकता। यदि गोमूत्र के औषधीय गुणों को लेकर कोई दावा वैज्ञानिक कसौटी पर खरा नहीं उतरता, तो वैज्ञानिक समुदाय और राजनेताओं को उसके प्रमाण मांगने चाहिए। शोध को शोध से चुनौती दी जानी चाहिए, व्यक्ति का उपहास नहीं करना चाहिए। यह भी ध्यान रखना होगा कि शिक्षा और परीक्षा सुधार जैसे गंभीर विषयों पर बनी समितियों में अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है। पेपर लीक जैसी समस्या केवल शिक्षा विभाग की समस्या नहीं है। इसमें तकनीक, साइबर सुरक्षा, प्रशासन, खुफिया तंत्र और परीक्षा संचालन से जुड़े विशेषज्ञों की भी भूमिका हो सकती है। राजनीतिक दलों के बीच तीखी बहस लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रक्रिया है। सरकार की नीतियों पर सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार और जिम्मेदारी है, लेकिन व्यक्तिगत कटाक्ष और उपहास से बहस का स्तर गिरता है। सत्ता पक्ष के नेताओं पर भी यही कसौटी लागू होनी चाहिए। किसी वैज्ञानिक, शिक्षक, न्यायविद् या अन्य विद्वान की राजनीतिक विचारधारा से असहमति हो सकती है, लेकिन उसकी शैक्षणिक उपलब्धियों का सम्मान बना रहना चाहिए। शिक्षाविदों की आपत्ति को इसी व्यापक संदर्भ में देखा जाना चाहिए। उनका संदेश स्पष्ट है कि विचारों पर कठोर बहस कीजिए, प्रमाण मांगिए, गलत दावों को तथ्यों से खारिज कीजिए, लेकिन विद्वानों का उपहास मत उड़ाइए। भारत को आज ऐसी ही संवाद संस्कृति की जरूरत है, जिसमें राजनीतिक असहमति के बावजूद ज्ञान और विद्वता के प्रति सम्मान बना रहे।

मुद्दा
रोहित कौशिक

फर्जी शिक्षण संस्थानों पर नकेल जरूरी

देश में उच्च शिक्षा के लिए नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने वाला है। सत्र से पहले विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी ने छात्रों और अभिभावकों को चेताया है कि वे प्रवेश लेने से पहले उच्च शिक्षण संस्थानों की मान्यता, संबंधित कोर्स और डिग्री की मंजूरी के बारे में सही तरीके से जांच कर लें। यूजीसी ने सभी राज्यों व विश्वविद्यालयों को पत्र भी लिखा है। इस पत्र में कहा गया है कि डीम्ड-टू-बी यूनिवर्सिटी और निजी विश्वविद्यालयों से संबद्ध कॉलेजों की डिग्री मान्य नहीं होगी। दरअसल, हर साल देश के अनेक युवा फर्जी शिक्षण संस्थानों के चक्कर में फंस जाते हैं। बाद में उन्हें पछताना पड़ता है। इन दिनों देश में कई संदिग्ध शिक्षण संस्थान अनेक तरह की फर्जी डिग्रियां प्रदान कर रहे हैं। ऐसे अनेक मामले प्रकाश में आते भी रहते हैं। ऐसे संस्थानों के संदिग्ध क्रियाकलापों का खुलासा होने पर कार्रवाई भी होती है, लेकिन कुछ दिनों बाद फिर ऐसे संस्थान फिर शुरू हो जाते हैं।

पिछले दिनों राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से आयोजित पीटीआई भर्ती में फर्जी बीपीएड डिग्रियां बांटने वाले उत्तर प्रदेश के एक विश्वविद्यालय पर कार्रवाई भी की गई थी। कुछ समय पहले उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स ने एक निजी विश्वविद्यालय में चल रहे फर्जी डिग्री घोटाले का भंडाफोड़ कर बड़ी कार्रवाई की थी। एसटीएफ ने छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में फर्जी डिग्रियां, प्रोविजनल और माइग्रेशन सर्टिफिकेट समेत अन्य कई तरह की सामग्री बरामद की थीं। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि एक तरफ फर्जी डिग्रियों के माध्यम से शिक्षा का मजाक बनाया जा रहा है तो दूसरी तरफ फर्जी विश्वविद्यालय छात्रों को ठग रहे हैं। कुछ समय पहले यूजीसी ने देश भर में खुले कई फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची जारी की थी। इन विश्वविद्यालयों को किसी भी तरह की डिग्री देने का अधिकार नहीं है। शर्मनाक यह है कि ये विश्वविद्यालय हाल ही में पैदा नहीं हुए हैं, बल्कि कई वर्षों से चल रहे हैं। सही जानकारी के अभाव में हजारों छात्र इन फर्जी विश्वविद्यालयों के भंवर में फंस जाते हैं। सवाल यह है कि कई वर्षों से चल रहे इन फर्जी विश्वविद्यालयों पर कार्रवाई क्यों नहीं की जाती है? अगर इन पर पहले ही कार्रवाई हो जाती तो हजारों छात्रों के भविष्य पर मंडराते खतरे को दूर किया जा सकता था। दरअसल, ऐसे मामलों में हर कोई अपनी जिम्मेदारी से मुक्त होना चाहता है। यूजीसी समय-समय पर विद्यार्थियों को जानकारी देने के लिए फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची अपनी वेबसाइट पर उपलब्ध कराता रहता है। सवाल यह है कि जब यूजीसी और सरकार को फर्जी विश्वविद्यालयों की जानकारी है तो उनके संचालकों की धरपकड़ कर इन अवैध विश्वविद्यालयों को बन्द क्यों नहीं कराया जाता? फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची प्रकाशित कर देने मात्र से ही यूजीसी और सरकार अपनी जिम्मेदारी से बरी नहीं हो जाते। यह विडम्बना ही है कि आज गली-गली में निजी शिक्षा संस्थानों की बाढ़ आ गई है। इनमें से कुछ शिक्षा संस्थानों के क्रियाकलाप संदिग्ध हैं। सवाल यह है कि शिक्षा को व्यापार बनाने के लिए जिम्मेदार कौन है ? नब्बे के दशक में शुरू हुई उदारीकरण की आंधी ने अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र को भी अपनी गिरफ्त में ले लिया। हालांकि इससे पहले भी कुछ राज्यों में उच्च शिक्षा निजी हाथों में जा चुकी थी, लेकिन नब्बे के दशक में

व्यापक रूप से पूरे देश में शिक्षा को निजी हाथों में सौंपने का काम किया गया। सरकार ने खुद खाओ, खुद कमाओ की नीति के तहत शिक्षा का निजीकरण करते हुए गर्व का अनुभव किया। सरकार की इस नीति से अनेक औद्योगिक घराने अपना पारम्परिक व्यापार त्याग कर शिक्षा के क्षेत्र में कूद पड़े। उनके लिए यह उपक्रम सिर्फ एक व्यापार को त्याग कर दूसरे व्यापार को अपनाना भर था। इनकी देखा देखी छोटे व्यापारी भी इस क्षेत्र की तरफ भागने लगे। हमारे देश में प्रारम्भ से ही शिक्षा प्रदान करने का प्रायोजन धर्मार्थ माना गया है। इसलिए सरकार की नई नीति के तहत शिक्षा प्रदान करते हुए इन सभी व्यापारियों को धर्म एवं समाज सेवा का आवरण अपने आप मिल गया। धर्म एवं समाजसेवा के आवरण में मुनाफा कमाने का इससे अच्छा साधन और कोई नहीं हो सकता था। इसलिए शिक्षा के निजीकरण ने एक नए किस्म के व्यापार को जन्म दिया, जिसमें मुनाफा तो पूरा था, लेकिन व्यापारी की छवि मुनाफा कमाने वाले की नहीं बल्कि उपकार करने वाले की थी। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि एक के बाद एक सरकारें इसी नीति पर चलती रहीं। सभी सरकारों द्वारा धड़ल्ले से निजी एवं डीम्ड विश्वविद्यालयों को मान्यता दी जाती रही। सरकारें बार-बार ये बताती रहीं कि हमारे देश के हालात को देखते हुए अभी और विश्वविद्यालय खोले जाने की जरूरत है। इस हड़बड़ी में शिक्षा की गुणवत्ता की तरफ किसी का ध्यान नहीं गया। कई बार जानबूझकर इन विसंगतियों को नजरअन्दाज किया जाता है। इस पूरी प्रक्रिया में शिक्षा जगत से जुड़े अधिकारियों की भूमिका भी संदिग्ध रहती है। अपना मुंह बन्द रखने और अवैध रूप से मान्यता देने के लिए शिक्षण संस्थाओं द्वारा इन अधिकारियों को मोटी रकम दी जाती है। स्पष्ट है कि शिक्षा जगत में फैले भ्रष्टाचार को बढ़ाने में इस क्षेत्र से जुड़े अधिकारी और विभिन्न समितियों में स्थान प्राप्त प्रोफेसर्स भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। दरअसल, निजी शिक्षण संस्थानों के मालिक विभिन्न राजनेता और अन्य प्रभावशाली लोग होते हैं इसलिए इस मामले में जानबूझकर चुप्पी साध ली जाती है। ऐसे मामलों में जितने दोषी विश्वविद्यालयों के संचालक हैं, उतनी ही दोषी सरकार और उससे जुड़े अधिकारी भी हैं।

आजादी के बाद कुछ हद तक शिक्षा नीति की कमजोरी को दूर करने के प्रयास किए गए, लेकिन ये प्रयास पर्याप्त सिद्ध नहीं हुए। एक बार फिर शिक्षा नीति में परिवर्तन की कोशिशें हो रही हैं। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि हमारे नीति-निर्माता शिक्षा नीति में परिवर्तन करने की हड़बड़ाहट में अपना विवेक खोकर कुछ ऐसे निर्णय ले रहे हैं जो शिक्षा के वास्तविक उद्देश्य को ठेस पहुंचा रहे हैं। सवाल यह है कि क्या हमारा मुख्य उद्देश्य शिक्षा नीति में परिवर्तन करना है या फिर इस परिवर्तन के माध्यम से शिक्षा की कमजोरियों को दूर करना है? हमारे नीति-निर्माताओं की नीतियों एवं क्रियाकलापों को देखकर तो ऐसा लगता है कि उनका मुख्य उद्देश्य केवल शिक्षा नीति में परिवर्तन करना भर है। इस दौर में उच्च शिक्षा की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। कहने को तो शिक्षा नीति में काफी बदलाव हुए हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि हम अभी भी लीक ही पीट रहे हैं। शिक्षा जगत में मौजूद इन विसंगतियों के बीच नई शिक्षा नीति में भी एक बार फिर निजी शिक्षण संस्थानों को अनेक तौर-तरीकों से पनपने का मौका दिया गया है। सवाल यह है कि क्या ये संस्थान शिक्षा के मूल उद्देश्य को पूरा करने की तरफ ध्यान देंगे? अब समय आ गया है कि सरकार निजीकरण की आड़ में पनपे संदिग्ध विश्वविद्यालयों और अन्य शिक्षण संस्थानों के क्रियाकलापों पर गम्भीरता से ध्यान दें ताकि हजारों विद्यार्थियों के भविष्य को अंधकारमय होने से बचाया जा सके।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

देश में उच्च शिक्षा के लिए नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने वाला है। सत्र से पहले विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी ने छात्रों और अभिभावकों को चेताया है कि वे प्रवेश लेने से पहले उच्च शिक्षण संस्थानों की मान्यता, संबंधित कोर्स और डिग्री की मंजूरी के बारे में सही तरीके से जांच कर लें। यूजीसी ने सभी राज्यों व विश्वविद्यालयों को पत्र भी लिखा है। इस पत्र में कहा गया है कि डीम्ड-टू-बी यूनिवर्सिटी और निजी विश्वविद्यालयों से संबद्ध कॉलेजों की डिग्री मान्य नहीं होगी। दरअसल, हर साल देश के अनेक युवा फर्जी शिक्षण संस्थानों के चक्कर में फंस जाते हैं। बाद में उन्हें पछताना पड़ता है। इन दिनों देश में कई संदिग्ध शिक्षण संस्थान अनेक तरह की फर्जी डिग्रियां प्रदान कर रहे हैं।

जयंती विशेष
बाल मुकुन्द ओझा

आम आदमी की बोली के रचनाकार थे मुंशी प्रेमचंद

आज उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती है। ग्रामीण जन जीवन के चितेरे लेखक मुंशी प्रेमचंद की रचनाएं आज भी न केवल प्रासंगिक हैं अपितु हिंदी साहित्य की अमर अजय रचनाएं हैं। प्रेमचंद ने कहानी और उपन्यास विधा में एक नई और जीवंत परंपरा की शुरुआत की। उनकी प्रत्येक रचना सच्चाई के इर्दगिर्द घूमती है। उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से आम आदमी की समस्याओं और पीड़ाओं को यथार्थ रूप से चित्रित किया। यही कारण है कि वे साहित्य के अमर अजर रचनाकार के रूप में ख्यात हैं। उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद का जन्म 31 जुलाई 1880 को बनारस के पास लमही नामक गांव में हुआ था। उनका असली नाम धनपतराय था। प्रेमचंद ने 1901 में उपन्यास लिखना शुरू किया। कहानी 1907 से लिखने लगे। उर्दू में नवाबराय नाम से लिखते थे। स्वतंत्रता संग्राम के दिनों लिखी गई उनकी कहानी सोजेवतन 1910 में जब्त की गई। उसके बाद अंग्रेजों के उत्पीड़न के कारण वे प्रेमचंद नाम से लिखने लगे। 1923 में उन्होंने सरस्वती प्रेस की स्थापना की। 1930 में हंस का प्रकाशन शुरु किया। इन्होंने मर्यादा, हंस, जागरण तथा माधुरी जैसी प्रतिष्ठित पत्रिकाओं का संपादन किया। ये आधुनिक कथा साहित्य के जन्मदाता कहलाए। उन्हें कथा सम्राट की उपाधि प्रदान की गई। उन्होंने 300 से अधिक कहानियां लिखी हैं। इन कहानियों में आम आदमी

की घुटन, चुभन व कसक को अपनी कहानियों में उन्होंने प्रतिबिम्बित किया। उनकी कहानियों में रूढ़ियों, अंधविश्वासों, अंधपरंपराओं पर कड़ा प्रहार किया गया है वहीं दूसरी ओर मानवीय संवेदनाओं को भी उभारा गया है। ईदगाह, पूस की रात, शतरंज के खिलाड़ी, नमक का दारोगा, दो बैलों की आत्म कथा जैसी कहानियां कालजयी हैं। तभी तो उन्हें कलम का सिपाही, कथा सम्राट, उपन्यास सम्राट आदि अनेक नामों से पुकारा जाता है। प्रेमचंद के साहित्य में समस्याओं को न केवल उठाया गया है, बल्कि उनका समाधान भी प्रस्तुत किया गया है। सेवा सदन में वेश्यावृत्ति की समस्या, गबन में नारी के आभूषण प्रेम की समस्या, कर्म भूमि में जमीदारों के अत्याचारों का पूंजीपतियों की हठधर्मिता की समस्या, निर्मला में अनमेल विवाह की समस्या आदि का चित्रण किया गया है। इस प्रकार प्रेमचंद अपने साहित्य में इन समस्याओं को उनके दुष्प्रभावों से परिचित कराते हैं तथा उन्हें दूर करने के लिए प्रेरित भी करते हैं। प्रेमचंद का साहित्य ग्रामीण जीवन की संपूर्ण झांकी को प्रस्तुत करता है। गोदान उपन्यास तो ग्रामीण जीवन का महाकाव्य कहलाता है। बड़े घर की बेटी, पंच परमेश्वर, दो बैलों की कथा आदि कहानियां भी ग्रामीण पृष्ठभूमि में लिखी गई हैं। इन रचनाओं में उन्होंने ग्रामीणों के प्रति एक नवीन व स्वस्थ दृष्टिकोण अपनाकर उनकी समस्याओं को प्रभावशाली ढंग से उठाया है। मुंशी प्रेमचंद एक महान कथाकार के साथ-साथ एक अच्छे समाज सुधारक भी रहे हैं, उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम सामाज में फैली कुरीतियों का विरोध किया है। मुंशी प्रेमचंद देश के ऐसे पहले रचनाकार थे जिन्होंने उपन्यास साहित्य को तिलस्मी और ऐयारी से बाहर निकाल कर जमीनी हकीकत से परिचय कराया। उन्होंने अपनी रचनाओं में आम लोगों विशेषकर मेहनतकश वर्ग की भावनाओं और सच्चाइयों को वर्णित किया। उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से देश की वास्तविक और जमीनी समस्याओं से देशवासियों को अवगत कराया। प्रेमचंद ने साहित्य को सच्चाई के धरातल पर उतारा। वह आम भारतीय के रचनाकार थे। उनकी रचनाओं में ऐसे नायक हुए,जिसे भारतीय समाज अछूत और घृणित समझता था। उन्होंने सरल,सहज और जनसाधारण की बोल-चाल की भाषा का उपयोग किया और अपने प्रगतिशील विचारों को दृढ़ता से समाज के सामने प्रस्तुत किया। प्रेमचंद हिन्दी साहित्य के युग प्रवर्तक माने गए। उनकी रचनाओं में समाज का पूरा 'परिवेश' उसकी 'कुरूपता' और 'असमानता', 'छुआछूत', 'शोषण' की विभीषिका कमजोर वर्ग और स्त्रियों का दमन आदि वास्तविकता प्रकट हुई है। उन्होंने सामान्य आदमी का जीवन अत्यंत निकट से देखा था तथा खुद उस जिंदगी को भोगा भी था। उपन्यास के क्षेत्र में उनके योगदान को देखकर बंगाल के विख्यात उपन्यासकार शरतचंद्र चट्टोपाध्याय ने उन्हें उपन्यास सम्राट कहकर संबोधित किया था। प्रेमचंद ने हिन्दी कहानी और उपन्यास की एक ऐसी परंपरा का विकास किया, जिसने पूरी सदी के साहित्य का मार्गदर्शन किया। प्रेमचंद ने अपनी रचनाओं में सामाजिक कुरीतियों जमकर विरोध किया और आम आदमी की कहानी उनकी बोलचाल की भाषा में चित्रित की।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

कथनी और करनी में न हो कोई अंतर

संकलित
दर्शन

सभी के हित का ध्यान रखते हुए मनसा, वाचा, कर्मणा अपने दायित्वों का सम्यक रूप से निर्वाह करना कर्त्तव्य है। कर्त्तव्य का पालन यदि समुचित रूप से किया जाता है तो जीवन पूर्णतः गौरवान्वित बनता है। जो कर्त्तव्यनिष्ठ है। वह अपने करणीय कर्म के प्रति पूरी तरह से समर्पित होता है। वह परमार्थ पोषक एवं प्रामाणिक होता है। वह जैसा रहता है, वैसा ही करता भी है। ऐसी कथनी-करनी की एकरूपता से वह समाज में श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत करता है और प्रत्येक उससे प्रेरणाएँ ग्रहण करता है। कर्त्तव्य परिपालन की बात करना और कर्त्तव्य परिपालन के नाम पर शोर-शराबा मचाना अलग बात है और कर्त्तव्यों के क्षेत्र में बिना किसी शोर-शराबे के समर्पित हो जाना अलग बात है। आज हम देखते हैं कि कर्त्तव्यों के परिपालन के लिए अक्सर लम्बे-चौड़े उपदेश दिये जाते हैं, पर जब कर्तव्य निर्वाह का अवसर आता है तो व्यक्ति दायें-बायें देखने लगता है। कटु सत्य तो यह है कि आज कर्त्तव्यों की चर्चा करने वाले लाखों हैं, पर कर्त्तव्यों के पावन पथ पर गतिशील होने वाले विरले ही हैं। कई बार मुझे चिंतन के क्षणों में लगता है कि आज व्यक्ति कर्त्तव्यों से विमुख हो गया है। इस विमुखता के कारण प्रत्येक क्षेत्र में अराजकता और अशांति का विस्तार हुआ है। कर्त्तव्यों के पावन क्षेत्र से भटककर कोई व्यक्ति कभी भी शांति का अहसास नहीं कर सकता। जीवन का गौरव और उसकी सार्थकता कर्त्तव्य पालन में ही है।

संतान गुस्सा हो तो उसे शांत करने की कोशिश जरूर करें

संकलित
प्रेरणा

पुराने समय में एक दिन शिव जी और पार्वती जी ने विचार किया कि अब गणेश और कार्तिकेय का विवाह कर देना चाहिए। ये विचार करने के बाद उन्होंने कार्तिकेय स्वामी और गणेश जी को बुलाया और दोनों से कहा कि आप दोनों में से जो इस संसार की परिक्रमा करके पहले आएगा, हम उसका विवाह पहले कराएंगे। कार्तिकेय स्वामी तो अपने वाहन मोर पर बैठकर तुरंत उड़ गए, लेकिन गणेश जी अपने वाहन चूहे पर बैठे हुए थे। गणेश जी ने ने तुरंत ही माता-पिता की परिक्रमा कर ली और कह दिया कि आप दोनों ही मेरे लिए संसार हैं। दूसरी ओर, कार्तिकेय स्वामी को संसार की परिक्रमा करके लौटने में थोड़ा समय लग गया। जब कार्तिकेय स्वामी परिक्रमा करके लौटे तो उन्होंने देखा कि गणेश का विवाह हो गया है। गणेश जी को विवाहित देखकर कार्तिकेय स्वामी नाराज हो गए। उन्होंने शिव-पार्वती से कहा कि आपने ये सही नहीं किया है। क्रोधित होकर कार्तिकेय स्वामी क्रौंच पर्वत पर चले गए। ये क्रौंच पर्वत आज दक्षिण भारत में कृष्णा जिले में कृष्णा नदी के तट पर स्थित है। इसे श्रीपर्वत भी कहते हैं। शिव जी और देवी पार्वती ने कार्तिकेय स्वामी को समझाने की बहुत कोशिशें कीं, लेकिन कार्तिकेय शांत नहीं हुए। शिव-पार्वती समझ गए कि कार्तिकेय बहुत ज्यादा गुस्से में है और ये वापस भी नहीं आएगा। तब दोनों ने तय कि वे ही कार्तिकेय से मिलने जाते रहेंगे।

अंतर्मन

आज की पाती

क्या इस्तीफे लेने-देने से भ्रष्टाचार रुक जाएगा?

पेपर लीक के मामलों और अन्य गड़बड़ घोटालों के लिए शत-प्रतिशत भ्रष्टाचार जिम्मेदार है और हमारे देश में भ्रष्टाचार की जड़ें बहुत गहरी हो चुकी हैं। जब तक भ्रष्टाचार की जड़ों को काटने के लिए काम नहीं किया जाएगा, तब तक देश में कोई भी गलत काम नहीं रुकेगा। सरकारों में चेहरे बदलने से भ्रष्टाचार नहीं रुकेगा, बल्कि सरकारों को धरातल पर काम करना होगा। अफसरों और अन्य सभी भ्रष्ट लोगों पर सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, जिसके लिए सरकारें ढुलमुल रवैया अपनाए हुए हैं।

- सुरेश वर्मा, बिलासपुर

करंट अफेयर

सेवानिवृत्त से एक दिन पहले रिश्वत लेते पकड़ाया अभियंता

पुलिस ने बृहस्पतिवार को ग्वालियर नगर निगम के एक कार्यकारी अभियंता (ईई) को लंबित बिलों के भुगतान के लिए एक ठेकेदार से कथित तौर पर रिश्वत लेते हुए पकड़ा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। लोकायुक्त के पुलिस अधीक्षक निरंजन शर्मा ने बताया कि आरोपी सुशील कटारे (62) 31 जुलाई को सेवानिवृत्त होने वाले थे। उन्होंने बताया कि ठेकेदार सचिन पचौरी ने दो दिन पहले भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी से संपर्क किया था और आरोप लगाया था कि कटारे ने पचौरी द्वारा किए गए सिविल कार्यों के लिए लगभग 36 लाख रुपये के बिल को मंजूर करने के लिए एक प्रतिशत कमीशन या 36,000 रुपये की मांग की थी। शिकायतकर्ता ने लोकायुक्त पुलिस को बताया कि वह पहले ही आरोपी अभियंता को 30,000 रुपये का भुगतान कर चुका है। शर्मा ने बताया, ''नगर निगम कार्यालय में जाल बिछाया गया। जैसे ही ठेकेदार ने 6,000 रुपये की शेष राशि कार्यकारी अभियंता को सौंपी, हमारी टीम ने उसे पकड़ लिया।'' उन्होंने बताया कि कटारे के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है।

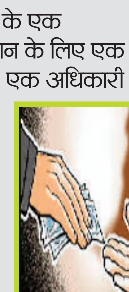

ऑफ बीट

प्रति दिन मांस खाने से कोलोरेक्टल कैंसर

प्रति दिन 50 ग्राम प्रसंस्कृत मांस के सेवन के प्रभाव पर विश्व कैंसर अनुसंधान कोष द्वारा 500 पेज के अध्ययन के सैकड़ों परिणामों में से केवल एक के बारे में खबर दी। अखबार ने पाठकों को बताया कि

हर दिन एक बेकन सैंडविच खाने से 'कोलोरेक्टल कैंसर' का खतरा 20 प्रतिशत बढ़ सकता है। यदि यह सापेक्ष जोखिम अनुपात एक से ऊपर है, तो संपर्क में आए व्यक्ति में बिना जोखिम के किसी व्यक्ति की तुलना में रोग विकसित होने की संभावना अधिक होती है। यदि यह एक से नीचे हो तो जोखिम कम हो जाता है। पूर्ण जोखिम किसी विशेष उपचार या जोखिम कारक (उदाहरण के लिए, बेकन सैंडविच खाने या न खाने) के संपर्क में आने या न आने वाले लोगों का अनुपात है, जिनसे किसी दिए गए परिणाम (उदाहरण के लिए, कैंसर) के विकसित होने की आशंका होती है। प्रति दिन 50 ग्राम प्रसंस्कृत मांस खाने से 'कोलोरेक्टल कैंसर' विकसित होने का पूर्ण जीवनकालिक जोखिम पांच से छह प्रतिशत तक बढ़ जाता है। तो यह सच है कि प्रतिदिन 50 ग्राम प्रसंस्कृत मांस खाने वालों के लिए सापेक्ष जोखिम 20 प्रतिशत बढ़ जाता है, लेकिन पूर्ण जोखिम केवल एक प्रतिशत बढ़ता है।

ट्रेंड

विपक्ष की भूमिका

संसद में विपक्ष की भूमिका पूरी तरह से नकारात्मक और गैर-जिम्मेदाराना रही है। सत्र शुरू होने के बाद से ही उनका एकमात्र मकसद सदन की कार्यवाही में बाधा डालना रहा है। विपक्ष के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं है।
- **जगत प्रकाश नड्डा,** केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

टेलीकॉम सेक्टर

टेलीकॉम सेक्टर को लेकर भारत सरकार और मध्य प्रदेश सरकार के बीच होने वाला एमओयू ग्वालियर के लिए एक बड़ी सौगात है... इस समझौते के ज़रिए देश की कई टेलीकॉम कंपनियाँ मध्य प्रदेश में निवेश करेंगी, जिससे युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोज़गार के अवसर पैदा होंगे।
- **डॉ. मोहन यादव,** सीएम, मध्यप्रदेश

युवा आंदोलन

युवा आंदोलन से बड़े मीडिया घरानों के लिए भी एक अहम सबक मिलता है: मुख्यधारा की मीडिया को 'मेन स्ट्रीट मीडिया' बनना होगा। आज संकट सिर्फ़'राष्ट्रीय सरकार' के लिए ही नहीं, बल्कि तथाकथित 'राष्ट्रीय मीडिया' के लिए भी उतना ही बड़ा है।
- **अखिलेश यादव,** सांसद, सपा

फास्ट-ट्रैक कोर्ट

आज सरकार फास्ट-ट्रैक कोर्ट की बात तो करती है, लेकिन 2024 के नीट पेपर लीक मामले के मुख्य आरोपी संजीव मुखिया को क्लीन चिट दे दी गई है। हालात ऐसे हैं कि पिछले 10 सालों में 152 बार पेपर लीक हुए हैं।
- **मल्लिकार्जुन खड़गे,** अध्यक्ष, कांग्रेस

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

कमर्शियल सैटेलाइट तस्वीरों से खुलासा भारत के खिलाफ रची जा रही नई साजिश!

चीन ने भारतीय सीमा के पास तैनात किए 12 एडवांस फाइटर जेट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कमर्शियल सैटेलाइट तस्वीरों से भारत के खिलाफ चीन के खतरनाक इरादों का पता चला है। सैटेलाइट की तस्वीरों से पता चला है कि चीन ने भारतीय सीमा के पास दो एयरबेस पर अपने कम से कम 12 सबसे एडवांस्ड जे-20 स्टील्थ फाइटर जेट तैनात किए हैं। हाल के वर्षों में लाइन ऑफ़ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) के पास पांचवीं पीढ़ी के इन लड़ाकू विमानों की यह अब तक की सबसे बड़ी तैनाती मानी जा रही है। कमर्शियल सैटेलाइट कंपनी 'वैंटोर' द्वारा ली गई इन तस्वीरों में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी एयर फ़ोर्स (पीएलएएएफ) को शिनजियांग के होटन एयरबेस और तिब्बत के डैम्सुंग एयरबेस पर इन विमानों को तैनात करते हुए देखा जा सकता है।

होटन एयरबेस पर आए नजर : तस्वीरों के मुताबिक 9 जुलाई को होटन एयरबेस पर आठ जे-20 'माइटी ड्रैगन' स्टील्थ फाइटर जेट खड़े देखे गए। चीन के शिनजियांग उइगुर ऑटोनॉमस रीजन में स्थित होटन, एक सिविल-मिलिट्री इस्तेमाल वाला बेस है। यह उत्तरी लद्दाख में भारतीय वायु सेना के दौलत बेग ओल्डी फॉरवर्ड एयरबेस से लगभग 245 किलोमीटर और लेह से करीब 389 किलोमीटर दूर है।

यह है चीन की रणनीति : रक्षा सूत्रों का कहना है कि भारत के सामने ऊंचाई वाले एयरबेस पर बार-बार जे-20 विमानों का दिखना यह बताता है कि ऐसी तैनाती अब चीन की सीमा पर सैन्य रणनीति का एक आम हिस्सा बनती जा रही है, न कि किसी खास घटना से जुड़ा कोई अस्थायी कदम। चीन के इस कदम को पीएलएएफ को आधुनिक बनाने और शिनजियांग और तिब्बत में अपने सैन्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की चीन की व्यापक कोशिश के हिस्से के तौर पर देखा जा रहा है।

भारतीय वायुसेना के पास कम हैं फाइटर स्क्वाड्रन : यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब भारतीय वायु सेना फाइटर स्क्वाड्रन की घटती संख्या की समस्या से जूझ रही है। स्वदेशी एलसीए तेजस एमके1ए प्रोग्राम में दो साल से ज़्यादा की देरी हो चुकी है, जबकि 114 मल्टी-रोल फाइटर एयरक्राफ्ट (जिनमें और राफेल जेट भी शामिल हैं) की प्रस्तावित खरीद की प्रक्रिया अभी भी चल रही है।

एलएसी से 245 किमी दूर ड्रैगन खेल रहा खतरनाक खेल

दुनिया के सबसे उन्नत लड़ाकू विमान

चीन का जे-20 'माइटी ड्रैगन' दुनिया के सबसे उन्नत पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ लड़ाकू विमानों में गिना जाता है। इसे चेंगडू एयरक्राफ्ट कारपोरेशन ने बनाया है। यह रडार से बचने वाली स्टील्थ तकनीक, लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइलों और अत्याधुनिक सेंसरों से लैस है। जे-20 का मुख्य उद्देश्य दुश्मन के लड़ाकू विमानों और हाई वैल्यू वाले सैन्य ठिकानों को निशाना बनाना है।

ल्हासा इलाके में चार विमान तैनात

25 जून की सैटेलाइट तस्वीरों के एक अलग सेट में तिब्बत के ल्हासा इलाके में डैक्सुंग एयरबेस पर चार और जे-20 विमान तैनात दिखे। ये विमान सुरक्षात्मक कवर के नीचे खड़े किए गए थे। डैक्सुंग अरुणाचल प्रदेश के तवांग से लगभग 344 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित है। दोनों जगहों को मिलाकर लगभग दो हफ़्तों के अंदर कम से कम 12 जे-20 स्टील्थ फाइटर विमानों की तस्वीरें ली गईं हैं। हाल के सालों में भारत के सामने मौजूद चीनी एयरबेस पर देखी गई यह ऐसी सबसे बड़ी तैनाती में से एक है।

कांवर यात्रा के दौरान डीजे बजाने को लेकर हुआ था विवाद

नेपाल में सांप्रदायिक हिंसा भड़की, छह से ज्यादा शहरों में कर्फ्यू, 3 की मौत

नेपाल के सुनसरी में भड़की सांप्रदायिक हिंसा अब नेपाल के कई शहरों तक फैल चुकी है। पिछले चार दिनों में देश के अलग-अलग हिस्सों में हिंसा, आगजनी, तोड़फोड़, पथराव और पुलिस से झड़प की खबरें हैं। छह से ज्यादा शहरों में कर्फ्यू लगा दिया गया है। जारी हिंसा में अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि दर्जनों लोग गोली लगने सहित विभिन्न घटनाओं में घायल हुए हैं।

एजेंसी ▶▶| काठमांडू

नेपाल के सुनसरी जिले में रविवार रात कांवर यात्रा के दौरान तेज आवाज में डीजे बजाने को लेकर शुरू हुआ विवाद दो समुदायों के बीच कहासुनी तक सीमित था, लेकिन अब यह बड़े सांप्रदायिक तनाव में बदल गया है। देखते ही देखते कई शहरों में हिंसा फैल गई और पुलिस को हालात काबू करने के लिए गोली चलानी पड़ी है। हालात ऐसे बन गए हैं कि स्थानीय प्रशासन को इनरवा, जनकपुर, सिरहा, गोलबाजार, लहान सहित कई शहरों में कर्फ्यू लागू करना पड़ा है। सेना को सड़कों से लेकर संवेदनशील इलाकों की निगरानी के लिए हेलिकॉप्टरों के साथ मोर्चा संभालना पड़ा है। घायलों में प्रदर्शनकारी, स्थानीय नागरिक और सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं। कई स्थानों पर सरकारी और निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया है व दर्जनों वाहनों और दुकानों में आग लगा दी गई। इस तरह की घटनाओं ने पड़ोसी राज्य में कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दर्जनों वाहनों और दुकानों में लगाई गई आग, सरकारी संपत्तियों को भी नुकसान

विवाद की वजह

बता दें, प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय लोगों के अनुसार देवानगंज में बोलबम यात्रा के दौरान हिंदू श्रद्धालुओं और स्थानीय मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों के बीच डीजे बजाने को लेकर विवाद हुआ था। स्थानीय स्तर पर यह भी आरोप लगाया गया कि मंदिर की सार्वजनिक भूमि पर मुहर्रम के अवसर पर लगाया गया झंडा हटाने को लेकर पहले से विवाद चल रहा था और कई बार अनुरोध किए जाने के बावजूद झंडा नहीं हटाया गया। इसी मुद्दे को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। बताया जा रहा है कि रविवार की रात को जब कांवड़ यात्रा (बोलबम) की शुरुआत उसी मैदान से हो रही थी, तब अचानक ही कांवड़ियों पर हमला कर दिया गया। इसके बाद विवाद लगातार बढ़ता ही चला गया।

आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित

चार दिनों से जारी अशांति ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। बाजार बंद हैं, सार्वजनिक परिवहन प्रभावित है, शैक्षणिक संस्थान बंद किए गए हैं और हजारों लोग भय के माहौल में अपने घरों में रहने को मजबूर हैं। व्यापारिक गतिविधियां भी ठप पड़ गई हैं, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था पर असर पड़ रहा है।

सुरक्षा एजेंसियों ने चेताया था सरकार को

नेपाल के मधेश और तराई क्षेत्र में बढ़ते सांप्रदायिक तनाव को लेकर सुरक्षा एजेंसियों ने सरकार को तीन साल पहले ही चेतावनी दे दी थी, लेकिन उस पर कोई खास कार्रवाई नहीं हुई। अब सुनसरी और मधेश में हुई हालिया हिंसा के बाद यह रिपोर्ट फिर चर्चा में है। कांतिपुर की रिपोर्ट के मुताबिक, नेपाल की सीमा सुरक्षा और दंगा नियंत्रण बल आर्म्ड पुलिस फोर्स (एपीएफ) ने तीन साल पहले सरकार को एक सीक्रेट रिपोर्ट सौंपी थी। इसमें कहा गया था कि तराई क्षेत्र में धर्म और जातीय आधार पर लोगों को बांटने की संगठित कोशिशें हो रही हैं।

सबसे कम संपत्ति वाले दूसरे सीएम शुभेंदु

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी देश के मुख्यमंत्रियों में ऐसे दूसरे मुख्यमंत्री हैं जिनके पास सबसे कम संपत्ति है। उनके द्वारा घोषित संपत्ति 85.87 लाख रुपए है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और नेशनल इलेक्शन वॉच द्वारा जारी चुनावी हलफनामों के विश्लेषण में यह जानकारी सामने आई है। इक्कतीस राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों द्वारा दिए गए स्वघोषित चुनावी हलफनामों के आधार पर किए गए इस विश्लेषण में पाया गया कि जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के पास सबसे कम संपत्ति है।

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग
सार्वजनिक सूचना
दिव्यांगजन सशक्तिकरण हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार – 2026
आवेदन/नामांकन की अंतिम तिथि बढ़ाए जाने के संबंध में

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा दिव्यांगजन सशक्तिकरण हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार 2026 के लिए आवेदन/नामांकन 15 मई, 2026 से आमंत्रित किए गए थे तथा आवेदन/नामांकन प्राप्त करने की अंतिम तिथि **31 जुलाई, 2026** निर्धारित की गई थी।

2. सभी इच्छुक व्यक्तियों, संस्थाओं एवं आमजन को सूचित किया जाता है कि **राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल (Rashtriya Puraskar Portal) पर ऑनलाइन आवेदन/नामांकन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि अब बढ़ाकर 15 अगस्त, 2026 कर दी गई है।**
3. सभी संबंधितों से अनुरोध है कि आवेदन/नामांकन **केवल ऑनलाइन माध्यम से राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल https://awards.gov.in पर ही प्रस्तुत करें। डाक कूरियर, ई-मेल अथवा किसी अन्य माध्यम से प्राप्त आवेदन/नामांकन पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।**
4. पुरस्कारों से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश, पात्रता मानदंड तथा अन्य आवश्यक जानकारी निम्नलिखित वेबसाइटों पर उपलब्ध है:

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग:
https://depwd.gov.in
राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल:
https://awards.gov.in

cbc 38117/11/0006/2627

तीन राज्यों में उपचुनाव संपन्न

दतिया में सबसे ज्यादा 72 प्रतिशत वोटिंग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मध्य प्रदेश के दतिया, बिहार के बांकीपुर और गुजरात के मंजलपुर में हुए उपचुनाव की वोटिंग खत्म हो गई है। दतिया में सबसे ज्यादा 72% वोटिंग हुई, मंजलपुर में 37.50% वोटिंग हुई और सबसे कम वोटिंग बांकीपुर में 34 प्रतिशत हुई। मतगणना तीन अगस्त को होगी। मध्यप्रदेश की दतिया विधानसभा सीट पर उपचुनाव के तहत बृहस्पतिवार को शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न हो गया और शाम छह बजे तक करीब 72 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी और दतिया के जिलाधिकारी स्वप्निल वानखड़े ने बताया, ''मतदान पूर्णतः शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। 71.40 प्रतिशत लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। यह संख्या अभी बढ़ सकती है।'' साल 2023 के विधानसभा चुनाव में यहां अब तक का सर्वाधिक 80.20 प्रतिशत मतदान हुआ था।

नितिन नबीन के कारण चर्चित है बांकीपुर

बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में बृहस्पतिवार को शाम पांच बजे तक करीब 33.57 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के इस्तीफे के कारण खाली हुई इस सीट पर हो रहे उपचुनाव में भाजपा, जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर और कांग्रेस समर्थित राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की रेखा गुप्ता के बीच मुकाबला माना जा रहा है। इधर मंजलपुर, गुजरात में 37.50% वोटिंग हुई। मंजलपुर में यह उपचुनाव भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री योगेश पटेल के निधन के बाद हो रहा है। यहां भाजपा के सतीश गोविंदभाई पटेल और कांग्रेस के भिखाभाई रबारी के बीच सीधा मुकाबला है। यहां करीब 2.19 लाख वोटर हैं।

कश्मीर : 5 आतंकियों की जमीन कुर्क

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात ने पाकिस्तान से आतंकी गतिविधियां संचालित कर रहे रियासी जिले के पांच आतंकवादियों की 1.7 हेक्टेयर जमीन कुर्क करने का आदेश दिया है। 'डीजीपी नलिन प्रभात ने पाकिस्तान से गतिविधियों को अंजाम दे रहे पांच कुख्यात आतंकवादियों की संपत्तियां कुर्क करने का आदेश दिया है।' उन्होंने बताया कि पुलिस ने पाकिस्तान से गतिविधियां चला रहे लश्कर-ए-तैयबा के शीर्ष आतंकी मोहम्मद कासिम के खिलाफ भगोड़ा घोषित करने की कार्यवाही शुरू कर दी है।

-: नियुक्ति :-

जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास हेतु युवाओं के लिए स्वर्णिम अवसर
सेवावर्धिनी वन-जन विकास फेलोशिप -2026

छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जनजातीय क्षेत्रों में **PESA**, वनाधिकार अधिनियम (**FRA**) के प्रभावी क्रियान्वयन तथा ग्राम सभा को सशक्त बनाने हेतु जिला फेलो एवं फेलोशिप समन्वयक के पदों पर आवेदन आमंत्रित हैं।

कार्यक्षेत्र: सुकमा, कबीरधाम एवं नारायणपुर	**अवधि:** 12 माह
मानदेय: जिला फेलो-₹27,000 प्रतिमाह (यात्रा एवं संचार सहायता सहित)	
फेलोशिप समन्वयक- ₹30,000 प्रतिमाह तथा स्वीकृत आधिकारिक यात्रा व्यय	
न्यूनतम योग्यता: जिला फेलो/सामाजिक कार्य/ग्रामीण विकास/समाजशास्त्र/जनजातीय अध्ययन/वानिकी/विधि आदि में स्नातक।	
फेलोशिप समन्वयक- संबंधित विषय में स्नातकोत्तर तथा न्यूनतम 3 वर्ष का अनुभव।	
विशेष वरीयता: PESA, FRA, ग्राम सभा, परियोजना प्रबंधन एवं सामुदायिक विकास का अनुभव रखने वाले अभ्यर्थियों को।	

आवेदन की अंतिम तिथि: विज्ञापन प्रकाशन से 15 दिवस के भीतर आवेदन भेंजे
सेवावर्धिनी छत्तीसगढ़- शबरी कन्या आश्रम परिसर, द्वारा वनवासी विकास समिति,कल्याण आश्रम, रोहिणीपुरम, रायपुर- 492010
विस्तृत जानकारी एवं आवेदन प्रारूप हेतु:
E-mail:sevavardhini3612@ gmail.com
अथवा मो. न.9425567769, 9826184197, 9893961200 पर संपर्क करें

सीएम विजय की 'जन नायकन' का प्रदर्शन रोका

मांड्या (कर्नाटक)। कर्नाटक के अधिकारों की पैरोकारी करने वाले कार्यकर्ताओं ने बृहस्पतिवार को मांड्या में कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) के उस आदेश के खिलाफ अपना विरोध-प्रदर्शन तेज कर दिया, जिसमें राज्य को तमिलनाडु के लिए 15 दिनों तक कावेरी नदी का 3,500 क्यूसेक (घन फुट प्रति सेकंड) पानी प्रतिदिन छोड़ने का निर्देश दिया गया है। विरोध-प्रदर्शन के चलते तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की फिल्म 'जन नायकन' का प्रदर्शन 'गुरुश्री सिनेमा' में रोकना पड़ा। कार्यकर्ताओं ने 'गुरुश्री सिनेमा' का घेराव किया, जहां 'जन नायकन' का प्रदर्शन किया जा रहा था। उन्होंने प्रबंधन से बातचीत की और फिल्म का प्रदर्शन रोकने की मांग की।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण
(सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार)
कार्यालय परियोजना निदेशक, परियोजना कार्यान्वयन ईकाई, बिलासपुर
डी.-61, एच.आई.जी.-1, अभिलाषा परिसर, नया बस स्टैण्ड के पीछे तिफरा, बिलासपुर (छ.ग.)

शुद्धिपत्र जनसूचना

लहपात्रा कि.मी. 205.200 टोल प्लाजा पर दिनांक 28/07/2026 से 31/03/2027 तक लागू उपयोगकर्ता शुल्क (टोल) दर हेतु जारी सूचना

आम जनता को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि दिनांक 28.07.2026 को हरिभूमि में प्रकाशित टोल संग्रहण की जनसूचना के स्थान पर आज जारी **शुद्धिपत्र जनसूचना** भा.रा.रा.प्रा. की क्षेत्रीय अधिकारी, रायपुर द्वारा उपयोगकर्ता शुल्क दरों के अनुमोदन के अनुसरण मे छत्तीसगढ राज्य में शिवनगर-अंबिकापुर खण्ड के रा.रा. 111 (नया रा.रा. 130) के कि.मी. 163.400 से कि.मी. 215.800 तक के वर्ष 2026-27 शुल्क संग्रहण के संबंध में अनुमोदित उपयोगकर्ता शुल्क दरें निम्नानुसार है :- (रुपये में)

वाहन का प्रकार	तकतरफा यात्रा शुल्क	एक दिवस में वापसी यात्रा शुल्क	मासिक पास एकतरफा 50 यात्राओं के लिये	एकतरफा यात्रा के लिये जिले में पंजीकृत स्थानीय वाणिज्यिक वाहन के लिए शुल्क
कार, जीप, वैन या हल्के मोटर वाहन	50	75	1705	25
हल्के वाणिज्यिक वाहन, हल्के माल वाहक वाहन अथवा मिनी बस	85	125	2755	40
बस या ट्रक	175	260	5770	85
तीन धुरी वाले वाणिज्यिक वाहन	190	285	6295	95
एच.सी.एम./ई.एम.ई./एम.ए.वी./(चार से छः धुरी वाले)	270	405	9045	135
बडे आकार वाले वाहन (सात या अधिक धुरी वाले)	330	495	11015	165

टोल प्लाजा से 20 कि.मी. के अंदर स्थानीय रहवासियों के लिये गैर वाणिज्यिक वाहनों के लिये वर्ष 2026-27 के लिये मासिक पास की दर रू. 360/- रहेगी। सभी निजी वाहनों जैसे कार, जीप और वैन (गैर-वाणिज्यिक) के लिए सालाना पास की दर, जो 01 साल या 200 प्लाजा क्रॉसिंग के लिए वैध हो, जो भी पहले हो, सिर्फ रू. 3075/- रहेगी।

महत्वपूर्ण सूचना :- दिनांक 15/02/2021 से उपयोगकर्ता शुल्क का भुगतान केवल FasTAG के माध्यम से करना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त, 15/11/2025 से जिन वाहनों पर वैध एवं कार्यशील FASTag उपलब्ध नहीं होगा, उन्हें UPI के माध्यम से भुगतान करने की स्थिति में लागू टोल शुल्क का 1.25 गुना उपयोगकर्ता शुल्क देय होगा। साथ ही, वापसी यात्रा रियायत एवं स्थानीय यात्रा रियायत केवल FASTag द्वारा किए गए भुगतान पर ही लागू होगी।

सड़के ही नहीं, राष्ट्र का निर्माण भी

MANAPPURAM FINANCE LTD.
CIN: L65910KL1992PLC006623,
Registered Office : W - 4/638A, Manappuram House, P.O. Valapad. Thrissur - 680 567, Kerala, India

निलामी सूचना

विशेषकर गिरवीकर्ताओं और सामान्य रूप में जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अकाउंट्स में रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी निम्नलिखित शाखाओं पर दिनांक 17/08/2026 को सुबह 10.00 बजे से किया जाएगा. हम ऐसे डिफॉल्टर ग्राहकों के सोने के आभूषणों की नीलामी करने जा रहे हैं जिन्होंने रजिस्टर्ड पत्र द्वारा सूचित किए जाने के बावजूद अपने लोन की रकम नहीं चुकाई है. जिन आयटम्स की नीलामी नहीं हो पाएगी, उनकी नीलामी किसी अन्य दिन बिना पुन: सूचना दिए की जाएगी. नीलामी के स्थान व तिथि (अगर कोई हो) में परिवर्तनों की कोई सूचना नीलामी केन्द्र या वेबसाइट पर लगाई जाएगी तथा इस बारे में कोई अन्य सूचना नहीं दी जाएगी.

गिरवियों की सूची :
बिलासपुर, बस स्टैंड बिलासपुर, 0117040700024350, 4894, 4947, 5392, 5521, 5730, 5999, 6048, 6173, 6239, 6259, 6311, 6461, 6882, 6910, 6923, 6955, 0117040730048041, 8479, 9363, 0497, 0645, 7236, 7243, 7249, 7254, 7268, 7269, 7275, 7277, 0053, लिंक रोड बिलासपुर, 0131560700015793, 6039, 6060, 6241, 6402, 6466, 6585, 6958, 7078, 7134, 7180, 7251, 7297, 7466, 7490, 7537, 7578, 7601, 7621, 7836, 7845, 7861, 7871, 0131560730019261, 1020, 1946, 2253, 2594, 3213, 8801, 8819, 8823, 8826, 8827, 8828, महाराणा प्रताप चौक, 0124630700019782, 0424, 0525, 0567, 1576, 1608, 1628, 1721, 1760, 1839, 1999, 2122, 2139, 2186, 2279, 2424, 2445, 2481, 2490, 2500, 2502, 4039, 0124630730020346, 0601, 0961, 1479, 2567, 4584, 4677, 5519, 6070, 6110, 6219, 6309, 3448, 3449, 3453, 3454, 3457, 3459, 3460, 3461, 3463, 3464, मंगला चौक बिलासपुर, 0122000700023555, 3589, 3830, 4508, 4984, 4989, 5072, 5249, 5407, 5680, 5700, 5729, 5733, 6207, 6224, 6278, 6352, 6404, 6550, 6626, 6632, 6683, 6703, 6728, 6748, 6809, 6871, 6926, 6932, 6946, 7007, 7024, 7035, 7043, 7060, 7069, 7070, 7118, 7161, 7174, 7193, 7207, 7297, 7303, 7306, 7320, 7400, 7515, 7640, 7749, 7753, 7811, 7823, 7825, 7867, 7878, 7927, 7931, 7965, 7977, 8005, 8007, 8025, 8037, 8040, 9854, 9856, [illegible]
0379, 0744, 0757, 0773, 0897, 1043, 1233, 1329, 1506, 1538, 1626, 1651, 1758, 1897, 1982, 1985, 2042, 2044, 2120, 2404, 2430, 2452, 2466, 2509, 2534, 2560, 2601, 2631, 2651, 2759, 2779, 2798, 2859, 2878, 3034, 3174, 3222, 3227, 3245, 3304, 3308, 3384, 3385, 3389, 3397, 3467, 3468, 3476, 3615, 3669, 3671, 3691, 3709, 3740, 3757, 3758, 3780, 0131880730029343, 9949, 0051, 0521, 1051, 2048, 2700, 2819, 3055, 4008, 4232, 4239, 4276, 4291, 4341, 4713, 4949, 5038, 5159, 5160, 5523, 5527, 5659, 5730, 5932, 5987, 6032, 6122, 6140, 6197, 6209, 6354, 6370, 6465, 6548, 6550, 6638, 6871, 6874, 6895, 6923, 6924, 7123, 7202, 7346, 7421, 7844, 8807, 8808, 8875, 8919, 9581, 9641, 9931, 9941, 0254, 0426, 0500, 0623, 0625, 0635, 0647, 0128, 0129, 0130, 0132, 0134, 0136, 0137, 0141, 0146, 0148, ब्रह्म रोड अंबिकापुर, 0131900700011530, 2125, 2211, 2473, 2792, 2865, 2951, 3433, 3436, 3663, 3726, 3748, 4013, 4018, 4024, 4088, 4180, 4243, 4286, 4379, 4453, 4459, 4537, 4649, 4736, 4743, 4860, 4861, 4886, 4922, 4940, 4951, 4973, 4974, 5021, 5027, 5030, 5053, 5078, 5098, 5101, 5107, 6442, 6444, 6665, 0131900730017108, 7109, 7777, 7977, 8617, 8767, 9285, 9339, 9904, 9905, 9992, 0485, 0831, 1577, 2018, 8338, 8339, 8340, 8341, 8342, 8343, 8344, 8345, 8348, 8349, 8354, 8357, 8359, खरसिया रोड अंबिकापुर, 0131960700013889, 4045, 4073, 4505, 4777, 4928, 5081, 5128, 5432, 5485, 5494, 5599, 5603, 5713, 5746, 5769, 5851, 5859, 5883, 5945, 6051, 6084, 6143, 6156, 6174, 6233, 6252, 6374, 6694, 6824, 6937, 6951, 6979, 7120, 7150, 7250, 7398, 7450, 7489, 7498, 7501, 7544, 7562, 7692, 7702, 7703, 7716, 7772, 7799, 7809, 7833, 7841, 7889, 7918, 7925, 7948, 7994, 8018, 8028, 8042, 8073, 8095, 8123, 8145, 8151, 0131960730017019, 8420, 8421, 8422, 8704, 8706, 9036, 0117, 1014, 1094, 1137, 1138, 1225, 1231, 1374, 1462, 1463, 1464, 1619, 1976, 1978, 2719, 2720, 3024, 3345, 3356, 3391, 3405, 8384, 8386, 8387, 8391, 8394,

ऊपर बताई गई नीलामी में हिस्सा लेने के इच्छुक व्यक्तियों को नीचे दी गई बातों का पालन करना होगा: इच्छुक बोली लगाने वालों को नीलामी के दिन ही एनईएफटी/आरटीजीएस के ज़रिए 10,000/- रुपये ईएमडी (जो बोली हारने वालों को वापस कर दिया जाएगा) जमा करना होगा। बोली लगाने वालों के पास वैध आईडी कार्ड/पैन कार्ड होना चाहिए। ज्यादा जानकारी के लिए कृपया 9072607147 पर संपर्क करें।

अधिकृत अधिकारी
मणप्पुरम फायनेंस लि. हेतु.

रक्षाबंधन पर घर जाना होगा मुश्किल, एक माह पहले ही दिल्ली, मुंबई यूपी और बिहार रूट की ट्रेनों में खत्म होने लगे कन्फर्म टिकट

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

रक्षाबंधन पर्व में अभी करीब एक माह का समय बाकी है, लेकिन रायपुर से देश के प्रमुख शहरों के लिए जाने वाली ट्रेनों में अभी से कन्फर्म टिकट मिलना मुश्किल होने लगा है। त्योहार पर घर लौटने वाले यात्रियों ने समय रहते टिकट बुक कराना शुरू कर दिया है, जिसके कारण दिल्ली, मुंबई, उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्यप्रदेश जाने वाली कई प्रमुख ट्रेनों में वेटिंग लगातार बढ़ रही है। स्लीपर कोच में कई ट्रेनों की वेटिंग 40 से 50 के पार पहुंच चुकी है। रेलवे के नियमों के अनुसार वेटिंग तय सीमा तक पहुंचने पर टिकट बुकिंग भी बंद हो जाती है। रेलवे के आरक्षण आंकड़ों के अनुसार रक्षाबंधन से एक-दो दिन पहले यानी 26 और 27 अगस्त की ट्रेनों में सबसे अधिक बुकिंग हुई है। दिल्ली, मुंबई, उत्तर प्रदेश और बिहार जाने वाली कई ट्रेनों में कन्फर्म सीटें तेजी से भर रही हैं। यात्रियों का कहना है कि यदि जल्द ही अतिरिक्त ट्रेनों की घोषणा नहीं हुई, तो त्योहार पर घर पहुंचना मुश्किल हो सकता है। पटना और प्रयागराज जाने वाली सारनाथ एक्सप्रेस में भी दबाव बढ़ गया है। इस ट्रेन के स्लीपर कोच में वेटिंग 30 से अधिक, थर्ड एसी में 21 और सेकेंड एसी में 4 तक पहुंच गई है। हर साल रक्षाबंधन के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे स्पेशल ट्रेनें चलाता है, लेकिन इस बार अब तक ऐसी कोई घोषणा नहीं हुई है। यात्रियों को उम्मीद है कि जल्द ही प्रमुख रूटों पर स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। मुंबई जाने वाली एलटीटी एक्सप्रेस, मुंबई-हावड़ा मेल, समता एक्सप्रेस और कुर्ला एक्सप्रेस में भी रक्षाबंधन से पहले की तारीखों पर वेटिंग शुरू हो गई है। खासकर 26 और 27 अगस्त की ट्रेनों में सबसे अधिक टिकट बुक हुए हैं।

नीट मामले में युवाओं की हितैषी बनने का प्रयास कर रही कांग्रेस

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता गौरीशंकर श्रीवास ने सीजीपीएससी घोटाले और राज्य में पिछली सरकार के दौरान विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में हुई अनियमितताओं को लेकर कांग्रेस की भूपेश सरकार पर जमकर हमला बोला है। एकात्म परिसर में संवाददाताओं से उन्होंने कहा, पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में सीजी-पीएससी घोटाला केवल भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि राज्य के युवाओं के साथ हुआ एक बड़ा षड्यंत्र था।

उन्होंने कहा, केंद्र और राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के कारण सीबीआई व ईडी इसकी जांच कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भूपेश सरकार के समय जब युवाओं ने सबूत दिए थे, तब भी इसे स्वीकार नहीं किया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या कांग्रेस नेता इस घोटाले को स्वीकार करते हैं?

CGHB
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, वृत्त-बिलासपुर

तृतीय निविदा आमंत्रण सूचना वि.क्र.-40

छत्तीसगढ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल वृत्त विलासपुर अन्तर्गत संभाग कोरबा में निक्षेप कार्य के तहत (1) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द उतरदा, ब्लॉक पाली, जिला कोरबा में आवासीय भवन का शेष निर्माण कार्य (2) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रंजना, ब्लॉक कटघोरा, जिला कोरबा में आवासीय भवन का शेष निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पजीकृत सक्षम श्रेणी ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधित विस्तृत विवरण मण्डल वेवसाईट http://cghb.gov.in में उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु कार्यपालन अभियंता, संभाग कोरबा के मो.नं. 9907285405 पर संपर्क करें।

संवाद-48599 उपायुक्त

पवित्र माटी और जल के कलश की आज राम मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा संत शिरोमणि रविदास की 650वीं जयंती के अवसर पर आयोजित समरसता संकल्प अभियान के तहत वाराणसी से पवित्र माटी एवं जल लेकर निकला भाजपा का प्रतिनिधिमण्डल शुक्रवार को राजधानी पहुंचेगा। वाराणसी से लाई गई पवित्र माटी और जल के कलश की राम मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना होगी। भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं संत रविदास जयंती कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक अखिलेश सोनी ने बताया, संत रविदास के समरस समाज के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए यह पवित्र कलश अगले चरण में प्रदेश के सभी जिलों में जाएगा। श्री सोनी ने बताया, शुक्रवार को 12 बजे कलश बंजारी माता मंदिर रायपुर पहुंचेगा एवं शहर की प्रमुख स्थानों से होते हुए दोपहर 1 बजे यह यात्रा राजधानी रायपुर स्थित श्री राम मंदिर पहुंचेगी जहां साधु-संतों की उपस्थिति में पवित्र कलश, वाराणसी की माटी का विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन किया जाएगा।

शहीद हेमू कालाणी समिति ने अधिकारियों से की मुलाकात

रायपुर। अमर शहीद हेमू कालाणी समिति के प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को जोन क्रमांक-2 नगर निगम के कमिश्नर संतोष पाण्डेय एवं कार्यपालन अभियंता पीडी घृतलहरे से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने इन अधिकारियों से अमर शहीद हेमू कालाणी चौक पर सौदर्यीकरण एवं आदमकद मूर्ति लगाने में विलंब होने के कारणों के संबंध में चर्चा की, जिस पर जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय ने आए हुए प्रतिनिधिमंडल को कार्य कर रहे ठेकेदार से चर्चा करने के बाद आश्वस्त किया एवं पूरा भरोसा दिलाया कि 1 या 2 दिन के भीतर ही कार्य ठेकेदार द्वारा शुरू किया जाएगा।

OFFICE OF MUNICIPAL CORPORATION KORBA

e-Procurement Tender Notice Main

Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

NIT No:346,351,358/2026 Korba Dated 27.07.2026

Sr. No.	System Tender No.	Name of Work/Description of Work	Probable Amount of Contract (In Lacs)
1	196100 (1st Call)	Construction of R.C.C. Drain from beside MIG Jaiswal shop to MIG I/100 at ward No 26 PT. RSS nagar (15th Finance)	16.00
2	196102 (1st Call)	Construction of R.C.C. Drain near Mehndipur Balaji hanuman mandir situated at kuanbhattha basti Ward No 28 PT. RSS Nagar (15th Finance)	15.00
3	196106 (1st Call)	Construction of R.C.C. Drain and C.C. paving work near Jeevan Patel House to Swai Uncle House Purani Basti DadarKhurd under ward No. 34 (15th Finance)	22.30

The details can be viewed directly from the Government of Chhattisgarh http://eproc.cgstate.gov.in from 27.07.2026 at 15:00 Hours. (IST) onwards.

Executive Engineer
Municipal Corporation
Korba (C.G.)

OFFICE OF MUNICIPAL CORPORATION KORBA

e-Procurement Tender Notice Main

Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

NIT No:21,22,23,25,26/2026 Korba Dated 27.07.2026

Sr No.	System Tender No.	Name of Work/Description of Work	Probable Amount of Contract (In Lacs)
1	196196 (1st Call)	Construction of CC Road in front of Tuli house Ramsagar para at ward no-01 (15th Finance)	20.00
2	196203 (1st Call)	Construction of rcc nallah around ramsagar talab basti at ward no-01. (15th Finance)	15.00
3	196205 (1st Call)	Construction of rcc drain from geeta jwelrs to swarn bhoomi gate at ward no-01 (15th Finance)	38.18
4	196206 (1st Call)	Construction of nallah from lovely care school to kadam chouk & at ward no-05 (15th Finance)	10.00
5	196245 (1st Call)	Construction of RCC Drain & CC Paving from Gurudwara to kunal singh house at ward no-06 (15th Finance)	20.00

The details can be viewed directly from the Government of Chhattisgarh http://eproc.cgstate.gov.in from 27.07.2026 at 15:00 Hours. (IST) onwards.

Executive Engineer
Municipal Corporation Korba (C.G.)

कार्यालय संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स चिकित्सालय) बिलासपुर (छ.ग.)

FAX (O)-07752-224200, PHONE (O)- 07752-230030
Email- mscimsbsp@gmail.com

क्रमांक/2832 / औ.भं./सं.सं.अधि./ सिम्स चिकि./2026 बिलासपुर, दिनांक 22.07.26

ई-आमंत्रण सूचना निविदा वर्ष 2026-27

1. पेंशनर एवं लोकल परचेस हेतु सिस्टम टेंडर नंबर :- 196114
2. कन्ज्यूमेबल एवं सर्जिकल सामाग्री आपूर्ति सिस्टम टेंडर नंबर :- 196126
3. इम्प्लांट एवं इंन्स्ट्रूमेंट सेट आपूर्ति सिस्टम टेंडर नंबर :- 196135

छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान, सिम्स चिकित्सालय, बिलासपुर अंतर्गत वर्ष 2026-27 में 1. विभिन्न लोकल परचेस एवं पेंशनर दवाईयां, 2. कन्ज्यूमेंबल एवं सर्जिकल सामाग्री, 3. इम्प्लांट एवं इंन्स्ट्रूमेंट सेट आपूर्ति हेतु पृथक पृथक ई- निविदा शासकीय वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in के माध्यम से ऑनलाईन आमंत्रित किया जाता है।

निविदा प्रारंभ तिथी

वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in ई प्रोक्योरमेंट के माध्यम से 26.07.2026 समय प्रातः 10.00 बजे से निविदा जमा करने की अंतिम तिथी एवं समय (दवाई आपूति) 30.08.2026 समय रात्रि 11.59 बजे तक निविदा जमा करने की अंतिम तिथी एवं समय - (कन्ज्यूमेबल एवं सर्जिकल) 30.08.2026 समय रात्रि 11.59 बजे तक

निविदा जमा करने की अंतिम तिथी एवं समय (इम्प्लांट एवं इन्स्ट्रूमेंट सेट) 30.08.2026 समय रात्रि 11.59 बजे तक

निविदा खोलने की तिथी एवं समय 1. लोकल परचेस एवं पेंशनर दवाईयां, 2. कन्ज्युमेबल एवं सर्जिकल सामाग्री, 3. इम्प्लांट एवं इन्स्ट्रूमेंट सेट 31.08.2026 समय सायं 4:00 बजे ।

निविदा का विस्तृत विवरण शासकीय वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर देखा जा सकता है।

संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
सिम्स चिकित्सालय, बिलासपुर (छ.ग.)

जी. 262702443/1

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय मुख्य अभियंता गोदावरी कछार, जल संसाधन विभाग, जगदलपुर (छ.ग.)

ई- प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 196305/निविदा सूचना क्र. 04/व.ले.लि./ 2026-27, दि. 30.07.2026

निम्नलिखित कार्य के लिए दिनांक 20.08.2026 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है:-

कार्य का नाम:- दंतेवाड़ा जिले के विकासखंड गीदम में हारम स्टापडेम में तटरक्षण कार्य।

अनुमानित लागत:- रू. 249.88 लाख (जी.एस.टी. छोड़कर)

(एस.ओ.आर. दिनांक 01.05.2025 से प्रचलित (यथा संशोधित दिनांक 08.08.2025))

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 06.08.2026 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोटः निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है। इस निविदा में जल संसाधन विभाग द्वारा जारी निविदा पूर्व अर्हता प्रमाण पत्र जिसकी वैधता दिनांक 30.09.2026 तक है, वह लागू होगी।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, दंतेवाड़ा
कृते मुख्य अभियंता गोदावरी कछार
जल संसाधन विभाग, जगदलपुर (छ.ग.)

जी. 262702461/4

ग्रामोद्योग संचालनालय (हाथकरघा) चतुर्थ तल, ब्लॉक-ए, इन्द्रावती भवन, नवा रायपुर 492002 (छत्तीसगढ़)

डिप्लोमा इन हैण्डलूम एण्ड टेक्सटाईल टेक्नोलॉजी के त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु पहले आओ पहले पाओ के आधार पर प्रवेश हेतु सूचना

भारतीय हाथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान चाम्पा में दिनांक 01 अगस्त 2026 से प्रारंभ होने वाले डिप्लोमा इन हैण्डलूम एण्ड टेक्सटाईल टेक्नोलॉजी के त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम के प्रथम सेमेस्टर एवं Lateral Entry के आधार पर सीधे तृतीय सेमेस्टर में प्रवेश हेतु छत्तीसगढ़ राज्य के निवासियों से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।

प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश हेतु उपलब्ध सीटों की संख्या निम्नानुसार है :-

क्र.	संस्थान	उपलब्ध सीट						
		अजजा (ST)	अजा (SC)	अपिव (OBC)	बुन. समुदाय (WC)	अनारक्षित (UR)	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS)	कुल
01	भारतीय हाथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान, चाम्पा	08	03	00	04	03	00	18

सीधे तृतीय सेमेस्टर (Lateral Entry) में प्रवेश हेतु उपलब्ध सीटों की संख्या निम्नानुसार है :-

क्र.	संस्थान	उपलब्ध सीट						
		अजजा (ST)	अजा (SC)	अपिव (OBC)	बुन. समुदाय (WC)	अनारक्षित (UR)	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS)	कुल
01	भारतीय हाथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान, चाम्पा	09	03	03	04	04	00	23

1. शैक्षणिक आर्हता :- प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश हेतु 10वीं अथवा समकक्ष परीक्षा अंग्रेजी विषय सहित उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। सीधे तृतीय सेमेस्टर में प्रवेश हेतु आवेदक गणित, भौतिक विज्ञान एवं रसायन विज्ञान विषयों के साथ (10+2) परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए अथवा किसी भी वस्त्र विधा के व्यावसायिक विषय में (10+2) की परीक्षा के उत्तीर्ण होना चाहिए अथवा हाईस्कूल (10वीं) परीक्षा उत्तीर्ण के साथ 02 वर्ष का औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (ITI) से प्रशिक्षण प्राप्त होना चाहिए अथवा हायर सेकेण्डरी (10+2) परीक्षा के साथ 02 वर्ष का औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (ITI) से प्रषिक्षण प्राप्त होना चाहिए।

2. आयु सीमा:- प्रथम सेमेस्टर हेतु आवेदक की आयु 16 जुलाई 2026 को 15 से 23 वर्ष के बीच एवं अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के आवेदकों की आयु 15 से 25 वर्ष होगी। तृतीय सेमेस्टर में आवेदक की आयु 16 जुलाई 2026 को 17 से 25 वर्ष के बीच तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के आवेदकों की आयु 17 से 27 वर्ष होगी।

आवेदन कैसे करें :- प्रवेश के संबंध में विस्तृत जानकारी तथा आवेदन पत्र का निर्धारित प्रारूप रोजगार और नियोजन के आगामी अंक में प्रकाशित किया गया है तथा संस्थान के वेबसाईट https://iihtchampa.org.in/ से डाउनलोड किया जा सकता है। इच्छुक अभ्यर्थी भरे हुये आवेदन पत्र रजिस्टर्ड पोस्ट द्वारा अथवा स्वयं उपस्थित होकर दिनांक 10/08/2026 को सायं 5.00 बजे तक प्राचार्य, भारतीय हाथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान, मड़वा प्लांट रोड, लछनपुर चौक, चाम्पा, जिला जांजगीर-चाम्पा (छ.ग) 495669 मोबाईल नं. 70490-46588 में जमा कर सकते है। प्राप्त आवेदनों को पहले आओ पहले पाओ के आधार पर सीटे आबंटित की जावेगी।

उप संचालक
ग्रामोद्योग संचालनालय हाथकरघा छत्तीसगढ़ रायपुर

जी-262702445/1

OFFICE OF MUNICIPAL CORPORATION KORBA

e-Procurement Tender Notice Main

Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

NIT No: /2026 Korba Dated 27.07.2026

Sr. No.	System Tender No.	Name of Work/Description of Work	Probable Amount of Contract (In Lacs)
1	196096 (1st Call)	Construction of C.C. Road and Culvert in Shanti Mohalla Bhaisraj Sahu House to Goutam House, Narad Patel House to Santosh Yadav House and Manoj Patel House to Sekhar Sahu House at Ward No. 62 (15th Finance)	20.00
2	196101 (1st Call)	Construction of C.C. Road and Drain in Prem Nagar Mohall Narendra Sahu House to Mangal Bhawan Ward No. 64 Imlichaper (15th Finance)	10.00
3	196107 (1st Call)	Construction of Drain from Niche Basti Trasformer upto River at Kharmhria Basti Ward No. 61 (15th Finance)	12.50
4	196108 (1st Call)	Construction of CC Road from Near Mahua Tree and Taran House Ahiran River Ward No. 61 (15th Finance)	49.00

The details can be viewed directly from the Government of Chhattisgarh http://eproc.cgstate.gov.in from 27.07.2026 at 15:00 Hours. (IST) onwards.

Executive Engineer
Municipal Corporation
Korba (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य शासकीय दन्त चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

रजबंधा मैदान, रायपुर फोन 0771 2222990

www.govtdentalcollegeraipur.in/ Email-govdentalcollege@gmail.com (GST-22JBPS02579D1D2

क्र./3447/ क्रय / जीडीसी/ 2026 रायपुर, दिनांक 28/07/2026

// द्वितीय निविदा सूचना //

शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर के विभिन्न विभागों में लगने वाले डेन्टल मटेरियल, कंज्युमेबल, डिस्पोजेबल, सर्जिकल, इंप्लांट एवं अन्य आवश्यक सामग्रीयों के कय हेतु मोहरबंद निविदायें, निर्माताओं तथा उनके अधिकृत विक्रेताओं (Manufacturer, Dealers or sub-dealers) से आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र महाविद्यालय की वेबसाईट www.govtdentalcollegeraipur.in से डाउनलोड किये जा सकते है। इसके लिये निविदा अनुसार पृथक-पृथक राशि रूपये 500/- का बैंक ड्राफ्ट जो प्राचार्य शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर के नाम से देय हो संलग्न करना अनिवार्य है अथवा दिनांक 07/08/2026, सायं 5:30 बजे तक राशि रू. 500/- नगद अथवा बैंक ड्राफ्ट जमा कर महाविद्यालय से प्राप्त किये जा सकते है, जो वापसी योग्य नहीं होगी। विवरण निम्नानुसार है:-

कंजरवेटिव डेंटिस्ट्री, पिडोडोन्टिक्स एवं अन्य विभाग (निविदा क. 3443, दिनांक 28/07/2026)

क्रमांक	सामग्रीयो का संक्षिप्त विवरण	अनुमानित लागत (रु.)	धरोहर राशि (रु.)
1	डेन्टल मटेरियल, कंज्युमेबल, डिस्पोजेबल एवं अन्य आवश्यक सामग्री	20 लाख	20 हजार

पेरियोडोन्टिक्स, ओरल मेडिसीन एंड रेडियोलाजी एवं अन्य विभाग (निविदा क. 3444, दिनांक 28/07/2026)

क्रमांक	सामग्रीयो का संक्षिप्त विवरण	अनुमानित लागत (रु.)	धरोहर राशि (रु.)
1	डेन्टल मटेरियल, कंज्युमेबल, डिस्पोजेबल, इंप्लांट एवं अन्य आवश्यक सामग्री	20 लाख	20 हजार

प्रोस्थोडोन्टिक्स एवं अन्य विभाग (निविदा क. 3445, दिनांक 28/07/2026)

क्रमांक	सामग्रीयो का संक्षिप्त विवरण	अनुमानित लागत (रु.)	धरोहर राशि (रु.)
1	डेन्टल मटेरियल, कंज्युमेबल, डिस्पोजेबल एवं अन्य आवश्यक सामग्री	20 लाख	20 हजार

निविदा बिकी की अंतिम तिथि - 07/08/2026 समय 5.30 बजे सायंकाल तक, निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 10/08/2026 समय 5.30 बजे सायंकाल तक
निविदा खोलने की तिथि - निविदा जमा करने व खोलने का स्थान -11/08/2026 समय दोपहर 12.00 बजे शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर
टीप-उक्त प्रकाशित निविदाओं (क्रमांक 3443, 3444 एवं 3445 दिनांक 28/07/2026) हेतु पृथक-पृथक निविदा प्रपत्र शुल्क राशि रूपये 500/- के साथ निविदा प्रपत्र प्रस्तुत किये जायेंगे।

प्राचार्य
शासकीय दन्त चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

जी. 262702436/2

राशिफल

मेष — मन में नकारात्मक विचारों का प्रभाव हो सकता है। बातचीत में सन्तुलित रहें। भवन की साज-सज्जा पर खर्च बढ़ेंगे। अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

वृष — मीठे खानपान में रुचि बढ़ सकती है। मन परेशान हो सकता है। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन — परिश्रम भी अधिक रहेगा। सेहत का ध्यान रखें। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

कर्क — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

सिंह — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या — भागदौड़ अधिक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला — व्यर्थ के क्रोध से बचें। कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी।

वृश्चिक — कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी। आय भी बढ़ेगी। सेहत का ध्यान रखें। आत्मसंयत रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। कारोबार में फायदा होगा।

धनु — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। उच्च शिक्षा के लिए विदेश भी जा सकते हैं। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। खर्च बढ़ेंगे। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

मकर — लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान की प्राप्ति हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

कुंभ — क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। वाहन की प्राप्ति हो सकती है। यात्रा खर्च

मीन — परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

शब्द पहेली - 6303

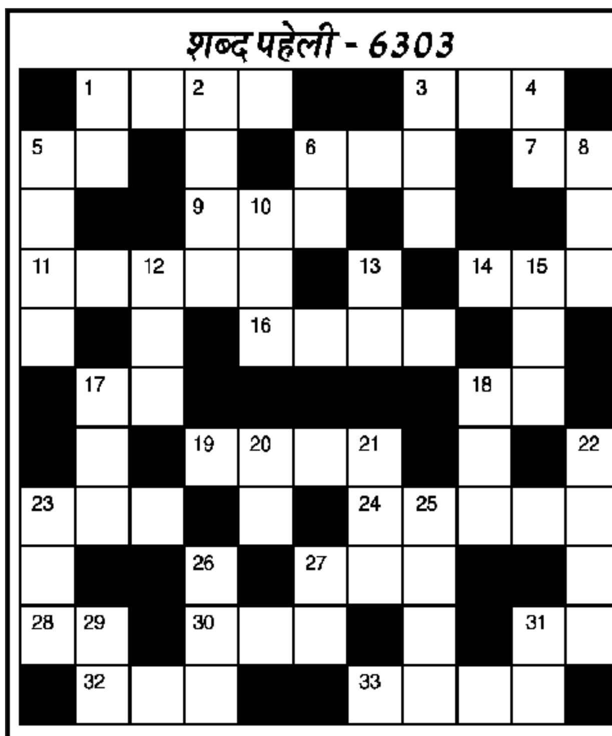

बाएँ से दाए
1. मूर्ख, बुद्धिहीन-4
3. रुई की फसल-3
5. वंश, खानदान-2
6. आह, पीड़ा भरी ध्वनि-3
7. जी, इच्छा, चित्त-2
9. पहनना-3
11. दास, नौकर, सेवक-5
14. अग्नि, आग-3
16. चयनित, स्वीकृत-4
17. जाति, संप्रदाय-2
18. उस समय-2
19. आदत, व्यवहार-4
23. माला का मोती-3
24. लालन-पालन-5
27. पूर्णिमा-3
28. वश, अधीन-2
30. खबर देने वाला-3
31. खदान, माइन-2
32. आश्रय, पनाह-3
33. संपत्ति-4

ऊपर से नीचे
1. घोड़े के पांव में लगने वाला लोहे का टुकड़ा-2
2. धारा के बीच में, अधर में-2,2
3. आफत, आपदा-3
4. एक समान-2
5. गृहपति, चांसलर-4
6. दाना-2
8. प्रतिकृति, प्रतिरूप-3
10. रोकर धनराशि-3
12. प्रेम, आसक्ति-3
13. नीर, जल-2
15. भाग्य, तकदीर-3
17. जंबुल, जांब-3
18. टेंशन, परेशानी-3
20. काया, बदन-2
21. उष्णता-3
22. नाश होने योग्य-4
23. साम्राज्ञी, रानी-3
25. रमण करने योग्य-4
26. अदा, चोंचला-3
27. पूड़ी, गोलगप्पा-2
29. पिता की बहन-2
31. उर्वरक, गाय के गोबर से बना पदार्थ जो खेत में डाला जाता है-2

शब्द पहेली- 6302 का हल

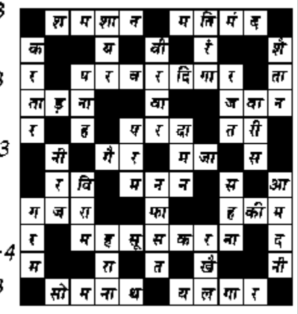

सूडोकु नवताल- 6313

★☆☆☆☆ सरल

सूडोकु नवताल- 6312 का हल

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

''मिनी रत्न कम्पनी''

(कोल इंडिया लिमिटेड का एक उपक्रम)

संदर्भः एसईसीएल/भट/उ.क्षे./जग./रोजगार/भू.रा./2026/1037, **सूचना** दिनांक 13.07.2026

जगन्नाथपुर खुली खदान परियोजना हेतु भू–अधिग्रहण के एवज में नियमानुसार रोजगार देने की प्रक्रिया चल रही है। इस प्रक्रिया में **ग्राम जगन्नाथपुर एवं ग्राम चउरा** की भूस्वामी एवं उनके आश्रित द्वारा रोजगार हेतु प्रस्तुत किये गये दस्तावेजों में उनके स्वयं/माता पिता/आश्रितों के नाम में अंतर है तथा दस्तावेजों जैसे– बी 1, पंचशाला, ऋण पुस्तिका, योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, जाति, निवास में विभिन्न नाम दर्ज है। तत्सम्बंध में भूस्वामी एवं प्रस्तावित व्यक्ति द्वारा सही नाम का शपथ पत्र कार्यालय में प्रस्तुत किया गया है। अतः जन साधारण के लिए निम्न तालिका में जानकारी प्रकाशित की जा रही है:–

ग्राम - चउरा

क्र.	9 (1) के समय भू-स्वामी का नाम एवं प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार सही नाम	भूमि संबंधी एवं अन्य दस्तावेजों में भू-स्वामी का नाम	खसरा नं.	रकबा (हे.)	उम्मीदवार का वास्तविक नाम प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार	रोजगार हेतु नामांकित उम्मीदवार व्यक्तिगत के दस्तावेजों में नाम
01	9 (1) के अनुसार भूमि स्वामी का नाम – **दशरथ आ. लेदवा, मु. हलकेनिया बेवा लेदवा जाति उरांव** दशरथ आ. लेदवा, मु. हलकेनिया बेवा लेदवा के फौत हो जाने के कारण उनके वारिशों का नाम निम्न है– (1) हितलाल आ. स्व. दशरथ लकड़ा (2) दिनेश्वर लकड़ा आ. स्व. दशरथ लकड़ा, पत्नि रामदेव तिर्की (3) प्रमिला तिर्की आ. स्व. दशरथ लकड़ा, पत्नि रामदेव तिर्की (4) शीला कुजूर आ. स्व. दशरथ लकड़ा, पत्नि राजेन्द्र कुजूर (5) सलमेन लकड़ा आ. स्व. दशरथ लकड़ा (6) कुन्दिया लकड़ा बेवा स्व. दशरथ लकड़ा	1. दशरथ आ. लेदवा, मु. हलकेनिया बेवा लेदवा के फौत हो जाने के कारण उनके वारिस के द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का विभिन्न दस्तावेज में नाम निम्न है:– राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2008-2009 में नाम – **दशरथ आ. लेदवा, मु. हलकेनिया बेवा लेदवा जाति उरांव** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2017-2018 में नाम – **हितलाल, दिनेश्वर, प्रेमिला, शीला, सलमेन आ. दशरथ, मु. कोंदिया बेवा दसरथ**	878/6 882/3 कुल 02	0.426 0.537 0.963 हे./ 2.380 एकड़	1. शीला कुजूर आ. स्व. दशरथ लकड़ा, पत्नि राजेन्द्र कुजूर (अनपढ़)	नामांकन में नाम – **शीला कुजूर आ. स्व. दशरथ** वंश वृक्ष में नाम – **शीला कुजूर आ. स्व. दशरथ लकड़ा** आधार कार्ड में नाम – **शीला कुजुर पत्नि राजेंद्र कुजूर (Shila Kujur W/o Rajendra Kujur)** वोटर कार्ड में नाम – **शीला कुजुर पत्नि राजेंद्र कुजूर (SHILA KUJUR W/O RAJENDRA KUJUR)** जाति प्रमाण पत्र में नाम – **शीला आ.दशरथ** निवास प्रमाण पत्र में नाम – **शीला कुजूर पत्नि राजेंद्र कुजूर** बैंक पास बुक में नाम – **SHILA KUJUR W/O RAJENDRA KUJUR**
	1. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **हितलाल आ. स्व. दशरथ लकड़ा**	1. वंशवृक्ष में नाम – **हितलाल आ. स्व. दशरथ लकड़ा** आधार कार्ड में नाम – **हितलाल आ. दशरथ** वोटर कार्ड में नाम – **हितलाल लकड़ा आ. दशरथ लकड़ा** बैंक पास बुक में नाम – **HITLAL LAKRA S/O DASHRATH LAKRA** ऋण पुस्तिका में नाम – **हितलाल आ. दशरथ** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2008-09 में नाम – **हितलाल आ. दशरथ** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2017-18 में नाम – **हितलाल आ. दशरथ**				
	2. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **दिनेश्वर लकड़ा आ. स्व. दशरथ लकड़ा, पत्नि रामदेव तिर्की**	2. वंशवृक्ष में नाम – **दिनेश्वर लकड़ा आ. स्व. दशरथ लकड़ा** आधार कार्ड में नाम – **दिनेश्वर लकड़ा आ. दशरथ** वोटर कार्ड में नाम – **दिनेश्वर लकड़ा आ. स्व. दशरथ लकड़ा** बैंक पास बुक में नाम – **DINESHWAR LAKRA** ऋण पुस्तिका में नाम – **दिनेश्वर आ. दसरथ** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2008-09 में नाम – **दिनेश्वर आ. दशरथ** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2017-18 में नाम – **दिनेश्वर आ. दशरथ**				
	3. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **प्रमिला तिर्की आ. स्व. दशरथ लकड़ा, पत्नि रामदेव तिर्की**	3. वंशवृक्ष में नाम – **प्रमिला तिर्की आ. स्व. दशरथ लकड़ा** आधार कार्ड में नाम – **प्रमिला तिर्की पत्नि रामदेव तिर्की** वोटर कार्ड में नाम – **प्रमिला तिर्की पत्नि रामदेव तिर्की** बैंक पास बुक में नाम – **PRAMILA TIRKEY W/O RAMDEV TIRKI** ऋण पुस्तिका में नाम – **प्रमिला आ. दसरथ** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2008-09 में नाम – **प्रमिला आ. दशरथ** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2017-18 में नाम – **प्रमिला आ. दशरथ**				
	4. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **(4) शीला कुजूर आ. स्व. दशरथ लकड़ा, पत्नि राजेन्द्र कुजूर**	4. वंशवृक्ष में नाम – **शीला कुजूर आ. स्व. दशरथ लकड़ा** आधार कार्ड में नाम – **शीला कुजुर पत्नी राजेंद्र कुजूर** वोटर कार्ड में नाम – **शीला कुजुर पत्नी राजेंद्र कुजूर** बैंक पास बुक में नाम – **SHILA KUJUR W/O RAJENDRA KUJUR** ऋण पुस्तिका में नाम – **शिला आ. दसरथ** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2008-09 में नाम – **शीला आ. दशरथ** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2017-18 में नाम – **शीला आ. दशरथ**				
	5. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **सलमेन लकड़ा आ. स्व. दशरथ लकड़ा**	5. वंशवृक्ष में नाम – **सलमेन लकड़ा आ. स्व. दशरथ लकड़ा** आधार कार्ड में नाम – **सलमेन लकड़ा आ. दशरथ लकड़ा** वोटर कार्ड में नाम – **सलमेन लकड़ा आ. दशरथ लकड़ा** बैंक पास बुक में नाम – **Salmen Lakda D/o Dashrath** ऋण पुस्तिका में नाम – **सलमेन आ. दसरथ** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2008-09 में नाम – **सलमेन पुत्री दशरथ** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2017-18 में नाम – **सलमेन पुत्री दशरथ**				
	6. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **कुन्दिया लकड़ा बेवा स्व. दशरथ लकड़ा**	6. वंशवृक्ष में नाम – **कुन्दिया बेवा बेवा स्व.दशरथ लकड़ा** आधार कार्ड में नाम – **कुन्दिया लकदा पत्नि दशरथ लकदा** वोटर कार्ड में नाम – **कुन्दिया लकड़ा पत्नि दशरथ लकड़ा** बैंक पास बुक में नाम – **KUNDIYA LAKDA W/O DASHRATH LAKDA** ऋण पुस्तिका में नाम – **कोंदिया बेवा दसरथ** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2008-09 में नाम – **कोंदिया बेवा दशरथ** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2017-18 में नाम – **कोंदिया बेवा दशरथ**				
2	9 (1) के अनुसार भूमि स्वामी का नाम – **संतोष कुमार आ. बेसाहू बरगाह**	**संतोष कुमार यादव आ. बिसाहू राम यादव** द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का विभिन्न दस्तावेज में नाम निम्न है:– आधार कार्ड में नाम – **संतोष कुमार यादव आ. बिसाहु राम यादव** मतदाता परिचय पत्र में नाम – **संतोष यादव आ. नेसाहू राम बरगाह** ऋण पुस्तिका में नाम – **संतोष कुमार आ. बिसाहु राम बरगाह, संतोष कुमार** बैंक पास बुक में नाम – **SANTOSH KUMAR YADAV S/O BISAHU RAM YADAV** राशन कार्ड में नाम – **संतोष यादव** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2008-2009 में नाम – **संतोष कुमार आ. बेसाहू बरगाह** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2015-2016 में नाम – **संतोष कुमार आ. बेसाहु**	702/64 693/3 699/1 693/7 699/2 702/33 706/2 कुल– 7	0.031 0.036 0.128 0.073 0.090 0.062 0.121 0.541 हे./ 1.337 एकड़	1. सबिया यादव आ. प्रभुराम, पत्नी संतोष कुमार यादव	नामांकन में नाम – **सबिया यादव आ. प्रभुराम, पत्नी संतोष कुमार यादव** वंश वृक्ष में नाम – **सबिया यादव पत्नी संतोष कुमार यादव** आधार कार्ड में नाम – **सबिया यादव पत्नी संतोष कुमार यादव (Sabiya Yadav W/o Santosh Kumar Yadav)** वोटर कार्ड में नाम – **सबिया यादव पत्नी संतोष यादव (SABIYA YADAV W/O SANTOSH YADAV)** जाति प्रमाण पत्र में नाम – **सबिया आ. प्रभु राम** निवास प्रमाण पत्र में नाम – **सबिया यादव पत्नी संतोष कुमार** कक्षा 8वीं अंकसूची में नाम – **सबिया आ. प्रभुराम, सबिया आ. परभू राम**
03	9 (1) के अनुसार भूमि स्वामी का नाम – **बाबुलाल आ. नधिया, मु. रेंगटी बेवा नधिया, भरत, रामसाय, बलीराम वो बालकुंवर आ. पुसउ उरांव** रेंगटी पत्नी स्व. नधिया के फौत के पश्चात् वर्तमान भूमि स्वामी (1) बाबुलाल आ. स्व. नधिया एक्का (2) भारत राम आ. स्व. पुसउ राम (3) राम साय एक्का आ. स्व. पुसउ राम (4) बली एक्का आ. स्व. पुसउ (5) बाल कुंवर आ. स्व. पुसउ राम	प्रस्तुत दस्तावेज के अनुसार भूमि स्वामी का विभिन्न दस्तावेज में नाम निम्न है :– राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2008-2009 में नाम – **बाबुलाल आ. नधिया, मु. रेंगटी बेवा नधिया, भरत, रामसाय, बलीराम वो बालकुंवर आ. पुसउ उरांव** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2018-2019 में नाम – **बाबुलाल आ. नधिया, मु. रेंगटी बेवा नधिया, भारत पिता पुसउ, रामसाय पिता पुसउ, बलीराम पिता पुसउ, बालकुंवर पिता पुसउ**	856 913 914 कुल– 3	0.101 0.259 0.206 0.566 हे./ 1.399 एकड़	1. उमेश कुमार आ. भारत राम	नामांकन में नाम – **उमेश कुमार आ. भारत राम** वंशवृक्ष में नाम – **उमेश कुमार आ. भारत राम** आधार कार्ड में नाम – **उमेश आ. भारत राम (Umesh S/o Bharat Ram)** वोटर कार्ड में नाम – **उमेश आ. भरत राम (UMESH S/O BHART RAM)** जाति प्रमाण पत्र में नाम – **उमेश कुमार आ. भारत राम** निवास प्रमाण पत्र में नाम – **उमेश कुमार आ. भारत राम** राशन कार्ड में नाम – **उमेश आ. भारत राम** 10 वीं अंकसूची में नाम – **UMESH KUMAR S/O BHARAT RAM** 12 वीं अंकसूची में नाम – **UMESH KUMAR S/O BHARAT RAM** रोजगार पंजीयन में नाम – **UMESH KUMAR S/O BHARAT RAM**
	1. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **बाबुलाल आ. स्व. नधिया एक्का**	1. वंशवृक्ष में नाम – **बाबूलाल एक्का आ. स्व. नधिया एक्का** आधार कार्ड में नाम – **बाबु लाल एक्का आ. नधिया एक्का** वोटर कार्ड में नाम – **बाबूलाल एक्का आ. नधिया एक्का** बैंक पास बुक में नाम – **BABULAL S/O NADHIYA** ऋण पुस्तिका में नाम – **बाबुलाल आ. नधिया** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2008-09 में नाम – **बाबूलाल आ. नधिया** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2018-19 में नाम – **बाबूलाल आ. नधिया**				
	2. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **भारत राम आ. स्व. पुसउ राम**	2. वंशवृक्ष में नाम – **भारत राम आ. स्व. पुसउ** आधार कार्ड में नाम – **भारत राम आ. पुसउ राम** वोटर कार्ड में नाम – **भारत राम आ. पुषऊ राम** बैंक पास बुक में नाम – **BHARAT** ऋण पुस्तिका में नाम – **भारत आ. पुसउ** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2008-09 में नाम – **भरत आ. पुसउ** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2018-19 में नाम – **भारत आ. पुसई, भारत आ. पुसउ**				
	3. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **राम साय एक्का आ. स्व. पुसउ राम**	3. वंशवृक्ष में नाम – **रामयसाय एक्का आ. स्व. पुसउ** आधार कार्ड में नाम – **रामसाय एक्का आ. पसुरम एक्का** वोटर कार्ड में नाम – **रामसाय एक्का आ. पुसउराम एक्का** बैंक पास बुक में नाम – **RAMSAI** ऋण पुस्तिका में नाम – **रामसाय आ. पुसऊ** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2008-09 में नाम – **रामसाय आ. पुसउ उरांव** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2018-19 में नाम – **रामसाय आ. पुसई, रामसाय आ. पुसउ**				
	4. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **बली एक्का आ. स्व. पुसउ**	4. वंशवृक्ष में नाम – **बली एक्का आ. स्व. पुसउ** आधार कार्ड में नाम – **बली एक्का आ. पुसउ राम एक्का** वोटर कार्ड में नाम – **बली एक्का आ. पुसउ राम एक्का** बैंक पास बुक में नाम – **BALI RAM** ऋण पुस्तिका में नाम – **बलीराम आ. पुसउ** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2008-09 में नाम – **बलीराम आ. पुसउ उरांव** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2018-19 में नाम – **बलीराम आ. पुसई, बलराम आ. पुसउ**				
	5. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **बाल कुंवर आ. स्व. पुसउ राम**	5. वंशवृक्ष में नाम – **बालकुंवर आ. स्व. पुसउ** आधार कार्ड में नाम – **बालकुंवर आ. पुसु उरांव** वोटर कार्ड में नाम – **बालकुंवर एक्का आ. पुसउ एक्का** बैंक पास बुक में नाम – **BAL KUNWAR** ऋण पुस्तिका में नाम – **बालकुंवर आ. पुसऊ** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2008-09 में नाम – **बालकुंवर आ. पुसउ उरांव** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2018-19 में नाम – **बालकुंवर आ. पुसई, बालकुंवर आ. पुसई**				
04	9 (1) के अनुसार भूमि स्वामी का नाम – **नारायण आ. महादेव बरगाह**	प्रस्तुत दस्तावेज के अनुसार भूमि स्वामी का विभिन्न दस्तावेज में नाम निम्न है :– नामांकन में नाम – **नारायण यादव आ. महादेव राम** वंशवृक्ष में नाम – **नारायण यादव आ. स्व. महादेव राम यादव** आधार कार्ड में नाम – **नारायण यादव आ. महादेव राम यादव** वोटर कार्ड में नाम – **नारायण यादव आ. महादेव यादव** बैंक पास बुक में नाम – **NARAYAN YADAV S/O MAHADEV RAM YADAV** ऋण पुस्तिका में नाम – **नारायण आ. महादेव बरगाह, नारायण आ. महादेव** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2008-2009 में नाम – **नारायण आ. महादेव** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2018-2019 में नाम – **नारायण आ. महादेव**	1053/27 1053/32 889/107 4/6 कुल– 3	0.262 0.050 0.223 0.535 हे./ 1.322 एकड़	1. ध्रुव यादव आ. नारायण यादव	नामांकन में नाम – **ध्रुव यादव आ. नारायण यादव** वंशवृक्ष में नाम – **ध्रुव यादव आ. नारायण यादव** आधार कार्ड में नाम – **ध्रुव यादव आ. नारायण यादव (Dhruv Yadav S/o Narayan Yadav)** जाति प्रमाण पत्र में नाम – **ध्रुव यादव आ. नारायण यादव** निवास प्रमाण पत्र में नाम – **ध्रुव यादव आ. नारायण यादव** राशन कार्ड में नाम – **ध्रुव यादव** 10 वीं अंकसूची में नाम – **DHRUV YADAV S/O NARAYAN YADAV** रोजगार पंजीयन में नाम – **DHRUV YADAV S/O NARAYAN YADAV**
		ग्राम - जगन्नाथपुर				
05	9 (1) के अनुसार भूमि स्वामी का नाम – **भूलन आ. मिठल उरांव** **भूलन आ. मिठल उरांव के फौत के पश्चात् वर्तमान भूमि स्वामी** (1) धनिया बेवा स्व. भूलन राम (2) संतोष प्रसाद तिर्की आ. स्व. भूलन राम (3) कृष्णा आ. स्व. भूलन राम (4) हरकलाल आ. स्व. भूलन राम (5) तुलेश्री आ. स्व. भूलन राम, पत्नी रामचंद्र (6) मिथीलाल तिर्की आ. स्व. भूलन राम (7) भारती आ. स्व. भूलन राम	**भूलन आ. मिठल उरांव** के फौत हो जाने के कारण उनके वारिस के द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का विभिन्न दस्तावेज में नाम निम्न है :– आधार कार्ड में नाम – **भूलन राम तिर्की** मतदाता परिचय पत्र में नाम – **भूलन राम तिर्की** ऋण पुस्तिका में नाम – **संतोष वगैरह आ. भूलन** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2007-2008 से 2010-11 में नाम – **भुलन/भूलन** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2016-2017 में नाम – **भुलन**	1257/1 1275/1 1287/1 1289/1 1408/1 1470/17 57/1 1526/1 1694/1 कुल– 8	0.42 0.66 0.07 0.26 0.07 0.02 1.76 0.33 3.59 हे./ 8.871 एकड़	1.मिथीलाल तिर्की आ. स्व. भूलन राम	नामांकन में नाम – **मिथीलाल तिर्की आ. स्व. भूलन राम** वंशवृक्ष में नाम – **मिथीलाल तिर्की आ. भूलन राम** आधार कार्ड में नाम – **मिथी लाल तिर्की आ. भूलन राम तिर्की (Mithee Lal Tirkey S/o Bhulan Ram Tirkey)** वोटर कार्ड में नाम – **मेथी लाल तिर्की आ. भूलन राम तिर्की (METHI LAL TIRKI S/O BHOOLN RAM TIRKI)** जाती प्रमाण पत्र में नाम – **मिथीलाल तिर्की आ. भूलन राम** निवास प्रमाण पत्र में नाम – **मिथी लाल तिर्की आ. भूलन राम** राशन कार्ड में नाम – **मिथीलाल** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2007-08 से 2010-11 में नाम – **मिथीलाल आ. भुलन** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2017-18 में नाम – **मिथीलाल आ. भुलन** 8वीं अंकसूची में नाम – **मिथी लाल तिर्की आ. भूलन राम** रोजगार पंजीयन में नाम – **MITHEE LAL TIRKEY S/O BHULAN** बैंक पासबुक में नाम – **MITHI**
	1. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **धनिया बेवा स्व. भूलन राम**	1. वंशवृक्ष में नाम – **धनिया बेवा स्व. भूलन राम** आधार कार्ड में नाम – **धनिया पत्नी भूलन** वोटर कार्ड में नाम – **धनिया तिर्की पत्नी भूलन तिर्की** बैंक पास बुक में नाम – **dhaniya** ऋण पुस्तिका में नाम – **धनियो बाई** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2007-08 से 2010-11 में नाम – **मु. धनियो बाई बेवा भुलन/भूलन** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2017-18 में नाम – **धनियो बाई बेवा भुलन**			2. करिश्मा तिर्की आ. संतोष प्रसाद तिर्की	नामांकन में नाम – **करिश्मा तिर्की आ. संतोष प्रसाद तिर्की** वंशवृक्ष में नाम – **करिश्मा तिर्की आ. संतोष प्रसाद तिर्की** आधार कार्ड में नाम – **करिश्मा तिर्की आ. संतोष प्रसाद तिर्की (Karishma Tirkey D/o Santosh Prasad Tirkey)** वोटर कार्ड में नाम – **करिश्मा तिर्की आ. संतोष प्रसाद तिर्की (KARISHMA TIRKI D/O SANTOSH PRASAD TIRKI)** जाती प्रमाण पत्र में नाम – **करिश्मा आ. संतोष प्रसाद** निवास प्रमाण पत्र में नाम – **करिश्मा तिर्की आ. संतोष प्रसाद तिर्की** 10वीं अंकसूची में नाम – KARISHMA TIRKEY D/O SANTOSH PRASAD TIRKEY 12वीं अंकसूची में नाम – KARISHMA TIRKEY D/O SANTOSH PRASAD TIRKEY रोजगार पंजीयन में नाम – KARISHMA TIRKEY D/O SANTOSH PRASAD TIRKEY
	2. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **संतोष प्रसाद तिर्की आ. स्व. भूलन राम**	2. वंशवृक्ष में नाम – **संतोष प्रसाद तिर्की आ. भूलन राम** आधार कार्ड में नाम – **संतोष प्रसाद आ. भूलन राम** वोटर कार्ड में नाम – **संतोषप्रसाद तिर्की आ. भूलन तिर्की** बैंक पास बुक में नाम – **Santosh** ऋण पुस्तिका में नाम – **संतोष** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2007-08 से 2010-11 में नाम – **संतोष आ. भुलन/भूलन** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2017-18 में नाम – **संतोष आ. भुलन**				
	3. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **कृष्णा आ. स्व. भूलन राम**	3. वंशवृक्ष में नाम – **कृष्णा आ. भूलन राम** आधार कार्ड में नाम – **कृष्णा आ. भूलन राम** वोटर कार्ड में नाम – **कृष्णा आ. भुलन राम** बैंक पास बुक में नाम – **Krishana** ऋण पुस्तिका में नाम – **कृष्णा राम** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2007-08 से 2010-11 में नाम – **कृष्णा राम आ. भुलन/भूलन** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2017-18 में नाम – **कृष्णा राम आ. भुलन**			3. बिनेश कुमार तिर्की आ. हरकलाल	नामांकन में नाम – **बिनेश कुमार तिर्की आ. हरकलाल** वंशवृक्ष में नाम – **बिनेश कुमार तिर्की आ. हरकलाल** आधार कार्ड में नाम – **बिनेश कुमार तिर्की आ. हरक लाल (Binesh Kumar Tirkey S/o Harak Lal)** वोटर कार्ड में नाम – **बिनेश कुमार तिर्की आ. हरक लाल (Binesh Kumar Tirkey S/o Harak Lal)** जाती प्रमाण पत्र में नाम – **बिनेश कुमार आ. हरक लाल** निवास प्रमाण पत्र में नाम – **बिनेश कुमार आ. हरक लाल** राशन कार्ड में नाम – **विनय आ. हरकलाल** 8वीं अंकसूची में नाम – **बिनेश कुमार तिर्की आ. हरक लाल** रोजगार पंजीयन में नाम – BINESH KUMAR TIRKEY S/O HARAK LAAL
	4. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **हरकलाल आ. स्व. भूलन राम**	4. वंशवृक्ष में नाम – **हरकलाल आ. भूलन राम** आधार कार्ड में नाम – **हरकलाल आ. भूलन राम** वोटर कार्ड में नाम – **हरकलाल आ. भूलन राम** बैंक पास बुक में नाम – **harak** ऋण पुस्तिका में नाम – **हरकलाल** राजस्व दस्तावेजों (बी–1) 2007-08 से 2010-11 में नाम – **हरक लाल आ. भुलन/भूलन** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2017-18 में नाम – **हरकलाल आ. भुलन**				
	5. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **तुलेश्री आ. स्व. भूलन राम, पत्नी रामचंद्र**	5. वंशवृक्ष में नाम – **तुलेश्री आ. स्व. भूलन राम** आधार कार्ड में नाम – **तुलेश्री पत्नी रामचंद्र** वोटर कार्ड में नाम – **तुलेसरी केरकेट्टा पत्नी रामचंद्र केरकेट्टा** पेन कार्ड में नाम – **TULESHRI D/O BHULAN**			4. रामदीप आ. कृष्णा	नामांकन में नाम – **रामदीप आ. कृष्णा** वंशवृक्ष में नाम – **रामदीप आ. कृष्णा तिर्की** आधार कार्ड में नाम – **रामदीप आ. कृष्णा तिर्की (Ramdeep S/o Krishna Tirkey)** वोटर कार्ड में नाम – **रामदीप तिर्की आ. कृष्णा तिर्की (RAMDIP TIRKI S/O KRISHNA TIRKI)** जाती प्रमाण पत्र में नाम – **रामदीप आ. कृष्णा** निवास प्रमाण पत्र में नाम – **रामदीप आ. कृष्णा** राशन कार्ड में नाम – **रामदीप आ. कृष्णा** 5वीं अंकसूची में नाम – **रामदीप आ. कृष्णा** रोजगार पंजीयन में नाम – RAMDEEP S/O KRISHNA TIRKEY
	6. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **मिथीलाल तिर्की आ. स्व. भूलन राम**	6. वंशवृक्ष में नाम – **मिथीलाल तिर्की आ. भूलन राम** आधार कार्ड में नाम – **मिथी लाल तिर्की आ. भूलन राम तिर्की** वोटर कार्ड में नाम – **मेथी लाल तिर्की आ. भूलन राम तिर्की** जाति प्रमाण पत्र में नाम – **मिथीलाल तिर्की आ. भूलन राम** निवास प्रमाण पत्र में नाम – **मिथी लाल तिर्की आ. भूलन राम** राशन कार्ड में नाम – **मिथीलाल** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2007-08 से 2010-11 में नाम – **मिथीलाल आ. भुलन** राजस्व दस्तावेजों (बी–1/पी–2) 2017-18 में नाम – **मिथीलाल आ. भुलन** 8वीं अंकसूची में नाम – **मिथी लाल तिर्की आ. भूलन राम** रोजगार पंजीयन में नाम – **MITHEE LAL TIRKEY S/O BHULAN** बैंक पासबुक में नाम – **MITHI**				
	7. शपथ पत्र के अनुसार भूमि स्वामी का सही नाम – **भारती आ. स्व. भूलन राम**	7. वंशवृक्ष में नाम – **भारती आ. भूलन राम** आधार कार्ड में नाम – **भारती पत्नी रामसाय एक्का** वोटर कार्ड मेंनाम – **भारती एक्का पत्नी राम साय एक्का** पेन कार्ड में नाम – **BHARTI D/O BHULAN RAM**				

उपरोक्त दर्शाये गये भूमि खसरा नम्बर के सामने दर्शाये गये व्यक्तियों को रोजगार दिया जाना है। जिसमें यदि किसी भी व्यक्ति विशेष को कोई आपत्ति है, तो समाचार पत्र में प्रकाशन के एक सप्ताह के भीतर निम्न पते पर लिखित शिकायत दर्ज कर सूचित करें:–

पता:- उपक्षेत्रीय प्रबंधक, जगन्नाथपुर उपक्षेत्र, कार्यालय–जगन्नाथपुर उपक्षेत्र, एसईसीएल भटगॉव क्षेत्र, धरमपुर, तहसील–प्रतापपुर, जिला–सुरजपुर (छ.ग.)।

उपक्षेत्रीय प्रबंधक, जगन्नाथपुर उपक्षेत्र

टीवी चाइल्ड आर्टिस्ट्स

जब दोस्त हैं साथ खुशियां हैं पास

हर बच्चे का कोई ना कोई दोस्त जरूर होता है। टीवी चाइल्ड आर्टिस्ट्स भी दोस्त बनाने में पीछे नहीं रहते। इनकी लाइफ में फ्रेंड्स और फ्रेंडशिप की क्या इंपॉर्टेंस है? इनका अपने फ्रेंड्स के साथ बिताया कोई मेमोरेबल मोमेंट कौन-सा है? इस बार ये फ्रेंडशिप-डे कैसे सेलिब्रेट करेंगे? फ्रेंडशिप-डे के मौके पर इन चाइल्ड आर्टिस्ट्स का अपने सभी फ्रेंड्स को क्या मैसेज है, बता रहे हैं **बालभूमि** को।

फ्रेंड्स खुलकर जीने का मौका देते हैं उर्वा सवालिया

सोनी सब के शो 'हस्तिनापुर के वीर' में बाल अर्जुन की भूमिका में उर्वा सवालिया दर्शकों की खूब तारीफ बटोर रहा है। अपनी लाइफ में फ्रेंड्स और फ्रेंडशिप की इंपॉर्टेंस के बारे में उर्वा बताता है, 'मेरे फ्रेंड्स मुझे बिना किसी फिल्टर के हंसने और खुलकर जीने का मौका देते हैं। मेरे लिए दोस्ती का मतलब है- बिना शर्त के एक-दूसरे का साथ देना और खूब मस्ती करना।' अपने फ्रेंड्स के साथ एक मेमोरेबल मोमेंट को याद करते हुए उर्वा बताता है, 'एक बार मेरा डांस परफॉर्मेंस था। मैं काफी नर्वस हो रहा था। मेरे पैरेंट्स के साथ मेरे फ्रेंड्स भी इस इवेंट में आए थे। उन्होंने चार्ट पेपर पर 'यू कैन डू इट!' लिखकर मेरा हौसला बढ़ाया। मैंने जमकर परफॉर्म किया। इससे मुझे फर्स्ट प्राइज मिला। उस दिन मुझे अहसास हुआ कि जब दोस्त साथ हों, तो बड़े से बड़ा डर दूर भाग जाता है।'

इस फ्रेंडशिप-डे पर अपनी खास प्लानिंग के बारे में उर्वा बताता है, 'इस बार मैंने अपने सभी क्लोज फ्रेंड्स के साथ 'नो मोबाइल, ओनली फन डे' प्लान किया है। हम सब मिलकर एक पार्क में जाएंगे, जहां कोई भी मोबाइल या आईपैड नहीं छुएगा। हम अपने पुराने खेल जैसे छुपन-छुपाई, खो-खो और पिट्ठू खेलेंगे। इसके अलावा, मैं अपने हाथों से सबके लिए कस्टमाइज्ड फ्रेंडशिप बैंड्स बना रहा हूं, जिसमें उनके पसंदीदा कार्टून कैरेक्टर्स होंगे।' फ्रेंडशिप-डे पर 'बालभूमि' के अपने दोस्तों के लिए उर्वा का प्यारा सा मैसेज है, 'ऐसे हर दोस्त को दिल से शुक्रिया कहो, जो बिना किसी स्वार्थ के हमेशा साथ रहता है। हैप्पी फ्रेंडशिप-डे!' *

सच्ची दोस्ती का मतलब है एक-दूसरे का साथ देना भूमि रामोला

सोनी सब के शो 'पुष्पा इंपॉसिबल' में तितली का रोल प्ले कर रही भूमि रामोला को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। भूमि की लाइफ में उसके फ्रेंड्स बहुत इंपॉर्टेंस रखते हैं। वह कहती है, 'मेरे लिए दोस्त भगवान का दिया सबसे प्यारा उपहार है। अपने फ्रेंड्स के साथ हंसना-खेलना और नई-नई बातें सीखना मुझे बहुत अच्छा लगता है। मेरे लिए सच्ची दोस्ती का मतलब सिर्फ साथ खेलना नहीं, एक-दूसरे का साथ देना, एक-दूसरे की खुशियों में खुश होना और हमेशा अच्छे दोस्त बने रहना है।' अपना मेमोरेबल फ्रेंडशिप मोमेंट शेयर करते हुए भूमि बताती है, 'मेरी स्कूल की दोस्त (नायरा) ने फ्रेंडशिप-डे पर अपने हाथों से मेरे लिए एक प्यारा-सा कार्ड बनाया था। वो मेरा पहला फ्रेंडशिप गिफ्ट था, इसलिए वो मोमेंट आज भी मेरे दिल के बहुत करीब है।'

इस बार फ्रेंडशिप-डे की प्लानिंग के बारे में भूमि बड़े उत्साह से बताती है, 'फ्रेंडशिप-डे पर मैं अपने दोस्तों को फ्रेंडशिप बैंड दूंगी, उनके साथ खूब बातें करूंगी, गेम्स खेलूंगी और बहुत सारी मस्ती करूंगी। साथ ही मैं अपने हर दोस्त को दिल से 'थैंक यू' बोलूंगी, क्योंकि अच्छे दोस्त हर दिन को और ज्यादा खास बना देते हैं।'

फ्रेंडशिप-डे पर 'बालभूमि' के अपने सभी फ्रेंड्स के लिए भूमि का मैसेज है, 'हमेशा सच्चे दोस्त बनो, एक-दूसरे की मदद करो, दोस्तों के साथ खूब हंसो, कुछ अच्छा सीखो और कभी किसी दोस्त का दिल मत दुखाओ। अपनी दोस्ती को हमेशा दिल से निभाओ। हैप्पी फ्रेंडशिप-डे!' *

अपने फ्रेंड्स के साथ हमेशा कनेक्टेड रहें अबान खान

स्टार प्लस के शो 'उड़ने की आशा' में अबान खान को लक्ष्य की भूमिका में खूब पसंद किया जा रहा है। अबान से पूछने पर कि तुम्हारी लाइफ में फ्रेंड्स और फ्रेंडशिप की क्या इंपॉर्टेंस है, वह मुस्कराते हुए जवाब देता है, 'जिंदगी में दोस्तों का होना बहुत जरूरी है। दोस्तों के साथ हम सिर्फ एंज्वॉय ही नहीं करते, अपने कामों में उनकी मदद भी लेते हैं। मेरे फ्रेंड्स तो नोट्स कंप्लीट कराने में मेरी हेल्प करते हैं। मेरे साथ क्रिकेट भी खेलते हैं। शो 'उड़ने की आशा' में मेरे साथ काम करने वाले पंखुरी और आर्या मेरे बहुत अच्छे दोस्त बन गए हैं। हम लोग सेट पर भी खूब मस्ती करते हैं।'

अबान का अब तक का मेमोरेबल फ्रेंडशिप मोमेंट कौन-सा था, वह याद करते हुए बताता है, 'एक बार ईद के दिन मैं मम्मी को बिना बताए अकेले अपने फ्रेंड्स के घर ईद मनाने चला गया था। मैंने दोस्तों के साथ खूब एंज्वॉय किया। उधर घर वाले मुझे ढूंढ़ रहे थे, परेशान हो रहे थे। जब मैं वापस घर गया तो मुझे डांट पड़ी कि त्योहार पर दोस्तों से मिलना अच्छी बात है, लेकिन घर वालों को पता होना चाहिए कि तुम कहां जा रहे हो?'

इस बार फ्रेंडशिप-डे सेलिब्रेट करने की क्या खास प्लानिंग है, पूछने बर अबान बताता है, 'मैं फ्रेंडशिप-डे पर अपने फ्रेंड्स के साथ टाइम स्पेंड जरूर करूंगा। उनके साथ क्रिकेट खेलूंगा और मूवी देखूंगा। फ्रेंडशिप-डे पर जब अपने शो की शूटिंग पर जाऊंगा तो मैं अपने सेट वाले दोस्तों के लिए भी चॉकलेट्स लेकर जाऊंगा।'

फ्रेंडशिप-डे के मौके पर 'बालभूमि' के अपने दोस्तों के लिए अबान का मैसेज है, 'अपने फ्रेंड्स की हमेशा हेल्प करें, उनके साथ एंज्वॉय करें और हमेशा उनसे कनेक्टेड रहें। हैप्पी फ्रेंडशिप-डे!' *

दोस्ती मेरी जिंदगी का बहुत खूबसूरत हिस्सा है हरिति जोशी

सन नियो के शो 'दिव्य प्रेम : प्यार और रहस्य की कहानी' में तारा की भूमिका निभा रही हरिति जोशी ने अपनी एक्टिंग से दर्शकों का मन मोह रखा है। वह अपनी लाइफ में फ्रेंड्स और फ्रेंडशिप को बहुत इंपॉर्टेंट मानती है। हरिति कहती है, 'दोस्ती मेरी जिंदगी का बहुत खूबसूरत हिस्सा है। फ्रेंड्स के साथ मैं खुलकर बोलती हूं, हंसती हूं, खेलती हूं, उनसे नई-नई बातें सीखती हूं। अच्छे दोस्त हर खुशी को और भी खास बना देते हैं। मुश्किल समय में भी हमेशा साथ खड़े रहते हैं।'

फ्रेंड्स के साथ मेमोरेबल मोमेंट्स के बारे में पूछने पर हरिति चहकते हुए बताती है, 'वैसे तो दोस्तों के साथ का अपनी लाइफ का कोई खास मेमोरेबल मोमेंट याद नहीं आ रहा है, लेकिन मेरे लिए सबसे यादगार पल तब हो जाता है, जब 'दिव्य प्रेमः प्यार और रहस्य की कहानी' की शूटिंग के बीच हमें थोड़ा ब्रेक मिलता है, हम सब फ्रेंड्स मिलकर गेम खेलते हैं, खूब मस्ती करते हैं।' अबकी फ्रेंडशिप-डे पर हरिति की क्या खास प्लानिंग है, वह बताती है, 'इस बार फ्रेंडशिप-डे पर मैं अपने दोस्तों के साथ टाइम स्पेंड करूंगी। अगर शूटिंग होगी तो वहीं सेट पर अपने दोस्तों के साथ फ्रेंडशिप-डे सेलिब्रेट करूंगी। अगर छुट्टी मिली तो बाहर घूमने या साथ में कोई मजेदार एक्टिविटी करने का प्लान बनाऊंगी।' 'बालभूमि' के अपने दोस्तों के लिए हरिति का फ्रेंडशिप-डे पर स्पेशल मैसेज है, 'हमेशा अपने दोस्तों का साथ दें। दोस्ती सबसे खूबसूरत रिश्ता है, इसलिए इसे हमेशा प्यार और भरोसे के साथ निभाएं। हैप्पी फ्रेंडशिप-डे!' *

प्रस्तुति : बालभूमि फीचर्स

तुम्हारे लिए नई किताब / सुरेंद्र विक्रम

मेहनत का महत्व बताती कहानियां

बच्चो, इस बार हम तुम्हें एक ऐसी पुस्तक के बारे में बता रहे हैं, जिसमें मेहनत के महत्व को समझाती चार कहानियां हैं। किशोर श्रीवास्तव द्वारा रचित इस पुस्तक का नाम है- मेहनत का फल। पुस्तक की पहली कहानी 'नाम नहीं काम बड़ा' में तुम पढ़ोगे कि बुद्धूमल के नाम को लेकर स्कूल में उसके दोस्त उसे चिढ़ाया करते थे। दोस्तों के चिढ़ाने से उसने अपनी क्लास में जाना ही छोड़ दिया। यह तो अच्छा हुआ कि उसे एक ऐसे साधु मिले, जिन्होंने नाम को लेकर उसकी आंखें खोल दी। जब बुद्धूमल अपना सारा ध्यान पढ़ाई पर लगाकर क्लास में अव्वल आया तो वह सभी का चहेता बन गया। यह कहानी हमें सिखाती है कि नाम से बड़ा और महत्वपूर्ण काम होता है।

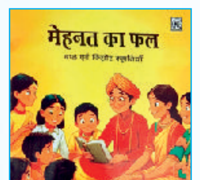

पुस्तक की शीर्षक कहानी 'मेहनत का फल' में एक घटना में अपने दोनों हाथ गंवाने वाले रोमू को बड़ी मुश्किल से स्कूल में प्रवेश मिला था, लेकिन उसने पैरों से लिखना सीखकर जब बोर्ड परीक्षा में पूरे जिले में पहला स्थान प्राप्त किया तो उसकी सफलता के आगे सब नतमस्तक हो गए। तीसरी कहानी 'अपना घर सबसे प्यारा' में सोमू से जब उसकी मां ने घर में इस्तेमाल किए गए कप धोने के लिए कहा तो यह बात उसे बहुत बुरी लगी। उसने गुस्से में घर छोड़ दिया। भूख लगने पर जब उसे होटल में जूठे बर्तन धोने के लिए मजबूर होना पड़ा तो उसे अपनी गलती का अहसास हुआ और वह वापस अपने घर की ओर चल पड़ा।

किताब की अंतिम कहानी 'बुराई की हार' यह सिखाती है कि कभी भी झूठ बोलकर दूसरों के साथ धूर्तता नहीं करनी चाहिए। अगन, मगन, छगन और ठगन चारों मिलकर लोहे की मूर्ति को चांदी की बताकर लोगों को ठगा करते थे, लेकिन भोलाशंकर की चतुराई से उन सभी की पोल खुल गई और उन्हें कारावास की सजा मिली। *

किताब: मेहनत का फल (बाल कहानी संग्रह), **लेखक:** किशोर श्रीवास्तव, **मूल्य:** 100 रुपए, **प्रकाशक:** के. बी. एस. प्रकाशन, दिल्ली

दोस्तों की सुलह

तन्मय और मोनू बहुत अच्छे दोस्त थे। एक दिन दोनों आपस में झगड़ पड़े। बातचीत बंद कर दी। अब एक दूसरे के साथ कोई खेलने वाला नहीं था। दोनों अकेले पड़ गए। तन्मय और मोनू को अपनी दोस्ती खूब याद आती। क्या दोनों में सुलह हो पाई? दोनों फिर से दोस्त बन पाए?

कहानी
सरस्वती रमेश

एआई इमेज

तन्मय और मोनू बहुत पक्के दोस्त थे। दोनों साथ-साथ खेलते, स्कूल जाते। एक दिन दोनों क्रिकेट खेल रहे थे। तन्मय ने बैटिंग करते समय बॉल इतनी जोर से मारी कि पता नहीं किधर चली गई। दोनों दोस्तों ने इधर-उधर चारों तरफ बॉल खोजी, लेकिन बॉल नहीं मिली। बॉल मोनू की थी। वह तन्मय से झगड़ने लगा, 'तुमने मेरी बॉल जानबूझकर जोर से मारकर खो दी। तुम मुझे मेरी बॉल कहीं से भी लाकर दो, चाहे बाजार से खरीद कर दो।'

'मेरे पास इतने पैसे नहीं हैं, जो मैं खरीद कर दूं।' तन्मय ने अपनी मजबूरी बताई।

'मुझे नहीं पता, कहीं से भी लाकर दो। नहीं तो मैं तुमसे कट्टी कर लूंगा।' मोनू तेज आवाज में बोला।

तन्मय भी चिढ़ गया, 'कट्टी करनी है तो कर ले।'

इस कहा-सुनी के बाद दोनों दोस्तों के बीच बोलचाल बंद हो गई। मोनू को देख तन्मय मुंह फेर लेता। मोनू का गुस्सा भी कोई कम नहीं था। वह भी तन्मय की अनदेखी करने लगा।

दोनों के बीच बातचीत बंद होने के बाद अब मोनू के साथ खेलने वाला कोई साथी ना था। शाम को पार्क में वह साइकिल अकेला ही चलाता। पहले तन्मय कभी-कभी उसकी साइकिल के पीछे-पीछे दौड़ लगाता था या फिर कभी-कभी मोनू की साइकिल के पीछे लगे कैरियर पर बैठ जाता। दोनों खूब मस्ती करते। अब अकेले साइकिल चलाने में मोनू को जरा भी मजा नहीं आता। उसे तन्मय की याद आती।

उधर तन्मय का भी मोनू के बिना मन नहीं लग रहा था। एक दिन उसने सोचा, आज जब पार्क में मोनू दिखेगा, उससे सॉरी बोलकर दोस्ती कर लेगा। तन्मय पार्क जाकर मोनू का इंतजार करने लगा। काफी देर बीत गई, लेकिन मोनू ना आया। उदास होकर तन्मय घर वापस आ गया।

असल में उस दिन मोनू के पापा रिमोट से चलने वाली नई कार लेकर लाए थे। मोनू कार पाकर बहुत खुश था, लेकिन वह कार किसके साथ चलाए, उसे समझ में नहीं आ रहा था। उसका पक्का दोस्त तन्मय तो नाराज चल रहा था। मोनू ने अपनी परेशानी पापा को बताई। पापा ने कहा, 'बेटा, हम सबका कभी-कभी आपस में झगड़ा हो जाता है, लेकिन छोटी-छोटी बातों को लेकर ज्यादा समय तक नाराज रहना अच्छा नहीं।'

'पापा गलती तो तन्मय ने की। उसने मेरी बॉल क्यों खो दी।' मोनू बोला।

'कोई बात नहीं बेटा। मैं नई बॉल लाकर तुम्हें दे दूंगा। तुम जाओ और तन्मय से सुलह कर लो।' पापा ने मोनू का समझाया।

मोनू को पापा की बात समझ में आ गई। वह अपनी रिमोट से चलने वाली कार लेकर तन्मय के घर चल दिया। रास्ते में उसने कप केक खरीद लिए। कप केक तन्मय को बहुत पसंद है। उसने सोचा, वह सॉरी बोलकर तन्मय को कप केक पकड़ा देगा। तन्मय खुश होकर उसे माफ कर देगा।

मोनू कप केक खरीद कर तन्मय के घर की ओर जा ही रहा था कि तभी दोनों दोस्त रास्ते में आमने-सामने टकरा गए। तन्मय को देखकर मोनू ने कहा, 'अरे तन्मय तुम यहां, मैं तो तुम्हारे घर जा रहा था।'

तन्मय ने खुश होकर कहा, 'मैं भी तुम्हारे घर जा रहा था, तुमसे माफी मांगने।'

'अच्छा! लेकिन अब माफी की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि अब मैं तुमसे बिल्कुल नाराज नहीं हूं।' यह कहते हुए मोनू ने झट से तन्मय को कप केक पकड़ा दिया। तन्मय कप केक पाकर बहुत खुश हुआ। उसने अपने दोस्त मोनू को थैंक्स कहा। मोनू ने तन्मय को अपनी रिमोट वाली कार दिखाई और बोला, 'चलो दोस्त, हम अब साथ में कार चलाते हैं। दोबारा कभी आपस में न लड़ने का वादा करते हैं।'

तन्मय ने भी सिर हिलाकर हामी भरी। दोनों दोस्त गले मिले और एक-दूसरे से प्रॉमिस किया- 'यह दोस्ती कभी नहीं तोड़ेंगे।' *

कविता
सूर्य कुमार पांडेय

सच्चे मित्र

जिनसे अपने मन मिलते हैं
भीतर नए फूल खिलते हैं
वे ही सच्चे मित्र हमारे।
जिनके साथ खुशी से रहते
अपने मन की बातें कहते
वे ही अच्छे मित्र हमारे।
जिनके साथ करें हम चैटिंग
जिनके साथ करें हम बैटिंग
वे ही सारे दोस्त हमारे।
जिनसे हों पढ़ने की बातें
काम मुसीबत में जो आते
वे ही प्यारे दोस्त हमारे।

जीके क्विज-216

1. हाल में किस केंद्रीय मंत्री को शिक्षा मंत्रालय का भी दायित्व सौंपा गया है?
2. पिछले दिनों वाराणसी में स्थित किस धार्मिक स्थल को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया?
3. स्पेन में हो रहे कॉमनवेल्थ गेम्स में किस महिला भारोत्तोलक ने स्वर्ण पदक जीता?
4. इंटरनेशनल टी-20 क्रिकेट में अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी कौन बन गए हैं?
5. ऋग्वेद किस भाषा में लिखा गया है?
6. प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय किस राज्य में स्थित है?
7. ऑक्सीजन का रासायनिक प्रतीक क्या होता है?
8. पृथ्वी का प्राकृतिक उपग्रह कौन-सा है?
9. देश के उपराष्ट्रपति संसद के किस सदन के सभापति होते हैं?
10. सर्वोच्च न्यायालय के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश कौन हैं?

बच्चों, जीके क्विज-216 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-215 का उत्तर : 1.स्पेन, 2.जेनिक सिनर, 3.विक्रम-1, 4.दिसपुर, 5.सी.पी. राधाकृष्णन, 6.विष्णुगुप्त/कौटिल्य, 7.मुंशी प्रेमचंद, 8.मध्य प्रदेश, 9.बाल गंगाधर तिलक, 10.26 जुलाई

जीके क्विज-215 का सही उत्तर देने वाले : जिया शिया-रायगढ़, ऊर्जस्वी-सारंगढ़-बिलाईगढ़, कबीर-हिसार, मिशा-रायपुर, कोमल-दुर्ग, राजन-बिलासपुर, हर्षिता-रोहतक, उत्तम-भोपाल, शिखा-महासमुंद, तनुजा-महेंद्रगढ़, सुमन-बालोद

रंग भरो-207

रंग भरो-207 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

मोक्षित, ब्यावर

आशना, जांजगीर

सार्थक, कोरबा

देवांश, महेंद्रगढ़

कुंजल, रायपुर

दिशा, बिलासपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

दिव्या-बिलासपुर, प्रियंका-रायपुर, सान्वी-बिलासपुर, केतन-रोहतक, लोकेश-जबलपुर, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, प्रिया-जांजगीर, रेणु-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, शौर्य-गुना, पूजा-करनाल, हंसिका-बालोद

रंग भरो 208

बच्चो, यहां बेस्ट-फ्रेंड्स टीना और मीना का एक ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। तुम इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक-फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

खबर संक्षेप

महिंद्रा एंड महिंद्रा के लाभ में 34 प्रतिशत की वृद्धि

मुंबई। वाहन विनिर्माता कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 34 प्रतिशत बढ़कर 5,455 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में कंपनी ने 4,083 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया था। एमएंडएम ने बृहस्पतिवार को जारी बयान में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में उसका राजस्व 28 प्रतिशत बढ़कर 58,188 करोड़ रुपये हो गया जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 45,529 करोड़ रुपये था। वाहन एवं कृषि कारोबार में वृद्धि तथा लाभप्रदता का मजबूत प्रदर्शन जारी रहा तथा इन दोनों खंडों का लाभ सालाना आधार पर 18 प्रतिशत बढ़ा।

वेदांता के शुद्ध लाभ में 72 फीसदी का उछाल

नई दिल्ली। धातु एवं खनन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेदांता लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 71.8 प्रतिशत बढ़कर 5,473 करोड़ रुपये रहा। रुपये की विनिमय दर में गिरावट और अधिक बिक्री के कारण कंपनी का लाभ बढ़ा है। कंपनी का 2025-26 की पहली (अप्रैल) तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 3,185 करोड़ रुपये था। कंपनी ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में परिचालन आय 53.6 प्रतिशत बढ़कर 24,205 करोड़ रुपये हो गई जो एक साल पहले 15,754 करोड़ रुपये थी।

रुपया नौ पैसे मजबूत होकर 95.67 प्रति डॉलर पर

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजारों में मजबूती और विदेशी पूंजी के प्रवाह के बीच रुपया बृहस्पतिवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में बढ़त के साथ नौ पैसे मजबूत होकर 95.67 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर रहा। डॉलर में नरमी से भी रुपये को समर्थन मिला। कारण कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से इसकी तेजी सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.59 पर खुला और कारोबार के दौरान 95.56 से 95.75 के दायरे में कारोबार करता रहा। कारोबार के अंत में यह 95.67 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव से नौ पैसे की बढ़त है।

एचसीएल टेक की रोशनी नाडर बनीं देश की सबसे अमीर महिला

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एचसीएलटेक की चेयरपर्सन रोशनी नाडर मल्होत्रा संपित्त सृजन के मामले में सबसे आगे हैं। वहीं, हिंदुस्तान यूनिलीवर की मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक प्रिया नायर ने 'पेशेवर सीईओ' श्रेणी में शीर्ष स्थान हासिल किया जो 5,06,600 करोड़ रुपये मूल्य वाली कंपनी का नेतृत्व कर रही हैं। 'कैंडेयर हुरुन इंडिया महिला नेतृत्व सूची' में यह कहा गया है। इस साल की सूची में 117 महिलाओं को शामिल किया गया है, जबकि 2025 में यह संख्या 97 थी। इस तरह सूची में शामिल महिलाओं की संख्या में सालाना आधार पर 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पिछले साल नौ श्रेणियों वाली इस सूची का दायरा बढ़ाकर 2026 में 12 श्रेणियों तक कर दिया गया है, ताकि महिला नेतृत्व के व्यापक स्वरूप को शामिल किया जा सके।

- एचयूएल की प्रिया नायर सीईओ श्रेणी में शीर्ष पर

कैंडेयर हुरुन इंडिया ने जारी की महिला नेतृत्व सूची

अनुभवी श्रेणी में प्रीता रेड्डी को शीर्ष स्थान

अपोलो हॉस्पिटल्स की प्रीता रेड्डी (68) और सुनीता रेड्डी (67) ने संयुक्त रूप से 'अनुभवी' श्रेणी में शीर्ष स्थान हासिल किया। उनकी कंपनियों का संयुक्त मूल्यांकन 1,21,000 करोड़ रुपये से अधिक है। रीन्यू पावर की सह-संस्थापक और चेयरपर्सन (सस्टेनेबिलिटी) वैशाली निगम सिन्हा (56) ने 'न्यू इकॉनमी' श्रेणी में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। उनकी कंपनी का मूल्यांकन 22,230 करोड़ रुपये है।

सूची में शामिल सभी महिलाओं की औसत आयु 48 वर्ष

सूची में शामिल सभी महिलाओं से जुड़ी कंपनियों का संयुक्त मूल्यांकन 39 लाख करोड़ रुपये है, जो फिनलैंड के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) से भी अधिक है। सूची में शामिल महिलाओं की औसत आयु 48 वर्ष है और उनकी आयु 19 से 86 वर्ष के बीच है। बायोकॉन की संस्थापक किरण मजूमदार-शॉ और नायका की संस्थापक फाल्गुनी नायर सूची में शामिल प्रमुख नामों में हैं।

शीतल देवी सूची में सबसे कम उम्र की महिला

महज 19 वर्ष की पैरा तीरंदाज शीतल देवी इस सूची में शामिल सबसे कम उम्र की महिला हैं, जबकि 86 वर्षीय उद्यमी रजनी बेक्टर सबसे वरिष्ठ सम्मानित महिला हैं। हुरुन इंडिया के संस्थापक और मुख्य शोधकर्ता अनस रहमान जुनैद ने कहा, जैसे-जैसे भारत की अर्थव्यवस्था और समाज अधिक विविध हो रहे हैं, हमारा लक्ष्य उन क्षेत्रों, उभरते क्षेत्रों और कम चर्चित उपलब्धियों तक पहुंचना है, जहां अगली पीढ़ी की महिलाएं नेतृत्व स्तर पर पहले से काम कर रही हैं और पहचान मिलने का इंतजार कर रही हैं।

नए मानक स्थापित करने वाली महिलाएं सम्मानित

कैंडेयर के प्रबंध निदेशक संजय रघुरामन ने कहा, इस सूची के दूसरे संस्करण में विभिन्न क्षेत्रों में नए मानक स्थापित करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया है। हुरुन इंडिया के साथ मिलकर हम उम्मीद करते हैं कि यह सम्मान आगे और प्रतिष्ठित होगा, प्रभावशाली कहानियों को सामने लाएगा और उन असाधारण महिलाओं का सम्मान करेगा, जिनकी उपलब्धियां आज के भारत को आकार दे रही हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए नेतृत्व की स्थायी विरासत छोड़ रही हैं।

विश्व स्वर्ण परिषद ने जारी की दूसरी तिमाही रिपोर्ट

मौसमी सुस्ती से भारत में सोने की मांग अप्रैल-जून तिमाही में छह प्रतिशत घटी

एजेंसी ▶▶| मुंबई

मौसमी सुस्ती, सीमा शुल्क में बढ़ोतरी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोने की खरीद कम करने की अपील के कारण भारत में अप्रैल-जून तिमाही के दौरान सोने की मांग सालाना आधार पर छह प्रतिशत घटकर 131.4 टन रह गई। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। डब्ल्यूजीसी की वर्ष की दूसरी तिमाही पर आधारित 'क्यू2 2026 गोल्ड डिमांड ट्रेंड्स' रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वर्ष की समान अवधि में कुल मांग 139.7 टन थी। डब्ल्यूजीसी के भारत क्षेत्र के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सचिन जैन ने कहा, हालांकि, मूल्य के लिहाज से मांग रिकॉर्ड स्तर पर रही।

- सीमा शुल्क में वृद्धि व पीएम की अपील का पड़ा असर
- सालाना आधार पर मांग घटकर 131.4 टन रही
- सोने की खपत का मूल्य 1,98,100 करोड़ रुपए रहा

सोने की मांग 650 से 750 टन के बीच रहेगी

सोने की खपत का मूल्य 1,98,100 करोड़ रुपये रहा, जबकि 2025 की समान अवधि में यह 1,32,500 करोड़ रुपये था। यह 2025 की दूसरी तिमाही की तुलना में 50 प्रतिशत अधिक है जो दर्शाता है कि ऊंची कीमतों के बावजूद उपभोक्ता सोने को प्राथमिकता दे रहे हैं। आगामी स्थिति पर जैन ने कहा कि डब्ल्यूजीसी का अनुमान है कि समूचे वर्ष के दौरान सोने की मांग 650 से 750 टन के बीच रहेगी।

सोने के बिस्कुट और सिक्कों की मांग बढ़ी

जैन ने कहा, '' हमारा मानना है कि तस्करी और अवैध सोने का बाजार में पहुंचना इस उद्योग के लिए सबसे बड़ा जोखिम है और हमें इसके संकेत मिलने लगे हैं। आने वाली तिमाहियों में हम इस पर नजर रखेंगे।'' इस बीच, निवेश मांग उत्साहजनक रही। सोने के बिस्कुट और सिक्कों की मांग सालाना आधार पर नौ प्रतिशत बढ़कर 50.3 टन हो गई जबकि वैश्विक स्तर पर निकासी के बावजूद भारत के गोल्ड ईटीएफ में 4.2 टन का शुद्ध निवेश आया।

भारत में आभूषणों की मांग 15 फीसदी गिरी

सीईओ ने कहा, '' हमें अब भी इस वर्ष मांग 650 से 750 टन के दायरे में रहने की उम्मीद है। हालांकि, मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों, ब्याज दरों और मुद्रास्फीति को देखते हुए हमारा मानना है कि मांग इस दायरे के मध्य के आसपास रहेगी। यदि सीमा शुल्क कम किया जाता है, तो मांग इस दायरे के ऊपरी स्तर तक पहुंच सकती है।'' समीक्षाधीन तिमाही में भारत में आभूषणों की कुल मांग 15 प्रतिशत घटा।

पुराना सोना देकर नया सोना लेने की मात्रा घटी

इस बीच, डब्ल्यूजीसी के आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-जून तिमाही में भारत में पुराना सोना देकर सोने का नया सामान लेने की मात्रा 17 प्रतिशत घटकर 19.2 टन रह गई, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 23.1 टन थी। वर्ष 2026 की दूसरी (अप्रैल-जून) तिमाही में भारत का कुल सोना आयात 98.1 टन रहा जो 2025 की समान अवधि के 127.4 टन की तुलना में 23 प्रतिशत कम है।

विदेशी मुद्रा बचाने पीएम ने किया था आग्रह

जैन ने कहा, मौसमी सुस्ती, प्रधानमंत्री की सोने की खरीद कम करने की अपील और सीमा शुल्क में वृद्धि सहित अन्य कारणों का मांग पर असर पड़ा। प्रधानमंत्री मोदी ने इस वर्ष मई में लोगों से अस्थिर कच्चे तेल की कीमतों के कारण बढ़ती आयात लागत के बीच विदेशी मुद्रा बचाने के लिए गैर-जरूरी सोना खरीद कम करने और बचत के अन्य विकल्प अपनाने का आग्रह किया था।

ब्रिटेन के केंद्रीय बैंक ने पांचवीं बार ब्याज दर स्थिर रखी

लंदन। ब्रिटेन के केंद्रीय बैंक ने बृहस्पतिवार को इस साल पांचवीं बार अपनी प्रमुख ब्याज दर को 3.75 प्रतिशत पर स्थिर रखने की घोषणा की। बैंक ऑफ इंग्लैंड की मौद्रिक नीति समिति ने 6-3 के बहुमत से नीतिगत दर को यथावत रखने का फैसला किया। हालांकि, तीन सदस्यों ने ऊर्जा कीमतों में हाल की तेजी को देखते हुए दर को 0.25 प्रतिशत बढ़ाकर चार प्रतिशत करने की बात कही थी। ब्रिटिश केंद्रीय बैंक ने कहा कि ऊर्जा कीमतों के झटके का असर अभी अनिश्चित है और आगे की नीति इसी पर निर्भर करेगी कि यह प्रभाव कितना व्यापक और लंबा रहता है। जून में ब्रिटेन की मुद्रास्फीति दर घटकर 2.6 प्रतिशत पर आ गई, जो मई में 2.8 प्रतिशत थी।

OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER (CIVIL), CSPGCL,
Shed No. 11, Dangania, Raipur-492013 Phone No. 0771-2574562,
website www.cspc.co.in E-mail:- civilprojectcmg@gmail.com

No.04-04/W/849 **Raipur, date 27.07.2026**

E-TENDER NOTICE

Online bids are invited through CSPCL e-bidding system (SAP SRM) from contractors registered in appropriate class in CSPGCL. The unregistered contractor having work experience in Govt./Public Sector Undertaking/ Local bodies/Power Generating Companies in India only may be considered on submission of experience certificate for following works as mentioned below:-

Tender Specifi. No.	Name of Work	NIT value
CEC/DSPM-KE/ W/ 2026/58	Miscellaneous railway track oriented works of CSEB Pvt. Railway siding at DSPM-TPS, CSPGCL, Korba East **E-Comp. No. 354117**	10.12 Lacs

Note:- (i) The detailed NIT, Eligibility Criteria, Tender document & other details can be viewed and downloaded online from our e-bidding portal https://ebidding.cspcl.co.in:50724/irj/portal.(ii) NIT value is inclusive of GST @ 18%.

SAVE ELECTRICITY

Chief Engineer (Civil)
CSPGCL, Raipur

कार्यालय नगर पालिक निगम, रिसाली (छ.ग.)
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

क्रमांक / लो.क.वि./2026/940 रिसाली दिनाँक 28/07/26

नगर पालिक निगम रिसाली की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है, जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	कार्य का विवरण	सिस्टम टेंडर क्रं.	अनुमानित लागत (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1.	वार्ड क्र. 22 मैत्री कुंज, वार्ड क्र. 23 एवं डुण्डेरा में जल आपूर्ति हेतु ओवर हैड टैंक का निर्माण कार्य।	196260	299.82	18.08.2026

(नोट :- ई टेण्डर में ऑफलाईन डी.डी, धरोहर राशि एवं शपथ पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा अन्यथा निविदाकार की निविदा अमान्य किया जावेगा तथा दर को नहीं खोला जावेगा।)

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते, विस्तृत निविदा विज्ञाप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी **http://eproc.cgstate.gov.in** से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम, रिसाली

स्विच मोबिलिटी को मिला 650 ईवी बस का ठेका

नई दिल्ली। हिंदुजा समूह की इलेक्ट्रिक बस विनिर्माता कंपनी स्विच मोबिलिटी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसे साई ग्रीन प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड से 650 इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति का ठेका मिला है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस ठेके से भारत सरकार की पीएम ई-ड्राइव द्वितीय चरण निविदा के तहत मुंबई और पुणे में सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। स्विच मोबिलिटी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गणेश मणि ने कहा, ''650 इलेक्ट्रिक बस की तैनाती भारत में उत्सर्जन में कमी लाने, परिचालन लागत को कम करने और सार्वजनिक परिवहन प्रणाली के आधुनिकीकरण के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।''

लोहिया कॉर्प का शेयर आठ प्रतिशत बढ़कर सूचीबद्ध

नई दिल्ली। औद्योगिक मशीनरी विनिर्माता लोहिया कॉर्प लिमिटेड का शेयर अपने 425 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले आठ प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ बृहस्पतिवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर कंपनी का शेयर 460 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ जो निर्गम मूल्य से 8.23 प्रतिशत अधिक है। एनएसई पर शेयर ने 8.47 प्रतिशत की बढ़त के साथ 461 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार पूंजीकरण 5,353.29 करोड़ रुपये रहा।

आर्सेलरमित्तल के लाभ में 62 प्रतिशत गिरावट

नई दिल्ली। वैश्विक इस्पात कंपनी आर्सेलरमित्तल ने बृहस्पतिवार को कहा कि अप्रैल-जून, 2026 तिमाही में उसका शुद्ध लाभ सालाना आधार पर करीब 62 प्रतिशत घटकर 68.3 करोड़ डॉलर रह गया।

भारत में भी खासी मौजूदगी रखने वाली कंपनी ने पिछले साल की समान तिमाही में 179.3 करोड़ डॉलर का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। हालांकि, तिमाही आधार पर आर्सेलरमित्तल का जून तिमाही में शुद्ध लाभ जनवरी-मार्च, 2026 की तिमाही के 57.5 करोड़ डॉलर की तुलना में 19 प्रतिशत बढ़ा है। जनवरी-दिसंबर वित्त वर्ष का अनुपालन करने वाली कंपनी ने कहा कि जून तिमाही में उसकी कुल बिक्री बढ़कर 16.8 अरब डॉलर हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 15.9 अरब डॉलर थी।

OFFICE OF THE NAGAR PANCHAYAT JANAKPUR, DIST. - M.C.B. (C.G.)

E-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

NIT No./422/P.W.D./N.P./2026-27/ Janakpur, Dated: 29/07/2026

System Tender No.	Name of Work	Probable Amount Of Contract	Bid Submission Due Date	Tender Status
196406	Construction Of Aspirational Toilet 10 Seater Under SBM 2.0 At Ward No. 13.	26.67 Lacs	Dated 18/08/2026 Time 17.30 Hour	1st Call

The Details Can Be Viewed And Downloaded Online Directly From The Government Of Chhattisgarh E-Procurement And Urban Administration And Development Department Portal http://eproc.cgstate.gov.in On 29/07/2026, 19:30 Hours (IST) On Wards. For More Details On The Tender And Bidding Process You May Please Visit The Above-Mentioned Portal.

CHIEF MUNICIPAL OFFICER
NAGAR PANCHAYAT JANAKPUR
DIST. M.C.B. (C.G.)

भारत सरकार,
जनजातीय कार्य मंत्रालय
ओडिशा और झारखंड राज्यों में जनजातीय युवाओं के लिए
रोज़गार से जुड़े कौशल विकास के पायलट परियोजना को लागू करने के लिए प्रस्तावों का अनुरोध

RFP नं.: 11/02/2026-आजीविका भाग-(1) (34478) जारी होने की तिथि : 31 जुलाई, 2026

भारत सरकार का जनजातीय कार्य मंत्रालय उन अनुभवी संगठनों से आवेदन आमंत्रित करता है जिन्होंने प्लेसमेंट-लिंक्ड कौशल विकास कार्यक्रम लागू किए हैं और देश के ग्रामीण इलाकों के कम से कम 1000 प्रशिक्षित उम्मीदवारों को प्रमाणित प्लेसमेंट (रोज़गार) दिलाया है। जनजातीय कार्य मंत्रालय ओडिशा और झारखंड राज्यों में पायलट परियोजना लागू करना चाहता है। हर राज्य के लिए लक्ष्य 1000 अनुसूचित जनजाति (एसटी) युवाओं का है (पायलट परियोजना के तहत झारखंड और ओडिशा में से हर राज्य के लिए 500 उम्मीदवार)।

ट्रेनिंग का प्रकार:- आदिवासी युवाओं के लिए आवासीय प्रशिक्षण ।

पसंदीदा ट्रेड/सेक्टर और पाठ्यक्रम : ऑटोमोटिव, एयरोस्पेस और एविएशन, अपैरल, कैपिटल गुड्स, टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमी-कंडक्टर, हेल्थकेयर, माइनिंग एवं मात्र एनसीवीईटी से स्वीकृत पाठ्यक्रम।

ट्रेनिंग की पसंदीदा अवधि (ऑन-जॉब ट्रेनिंग सहित):- तीन महीने से छह महीने।

स्किल्ड उम्मीदवारों का परिणाम/उपलब्धि : यानी 70 प्रतिशत स्किल्ड उम्मीदवारों का प्लेसमेंट ज़रूरी है; यदि प्लेसमेंट 70 प्रतिशत से कम रहता है, तो परियोजना की लागत में उसी अनुपात में कटौती की जाएगी।

मुख्य तिथियाँ एवं प्रस्तुति

प्रस्ताव प्रस्तुत करने का पता	कमरा नंबर 13074, तीसरी मंज़िल, कर्तव्य भवन -1, नई दिल्ली-110001
प्रस्ताव प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	21 अगस्त 2026, शाम 5:00 बजे (भा.स.) तक
प्रस्ताव पूर्व बैठक	11 अगस्त 2026, कर्तव्य भवन -I, नई दिल्ली में (हाइब्रिड मोड)
विस्तृत आरएफपी दस्तावेज	https://tribal.gov.in | राज्य TRI, झारखंड और ओडिशा की वेबसाइटें
परियोजना आवेदन शुल्क	₹25,000 + जीएसटी
गुणवत्ता मूल्यांकन शुल्क	₹1,25,000 + जीएसटी
मूल्यांकन एजेंसी	नाबार्ड कंसल्टेंसी सर्विसेज़ प्राइवेट लिमिटेड (NABCONS)
खाता धारक का नाम खाता नंबर बैंक का नाम आईएफएससी कोड ब्रांच कोड एमआईसीआर ब्रांच का पता	नाबार्ड कंसल्टेंसी सर्विसेज़ प्राइवेट लिमिटेड 055505003119 आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड ICIC0000555 0555 400229029 बीकेसी आईसीआईसीआई आईसीआईसीआई टावर्स शाखा, आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, आईसीआईसीआई बैंक टावर्स, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व) मुंबई-400051

सभी परियोजना आवेदन की प्रारंभिक स्तर पर जांच की जाएगी और यदि वे सही पाए जाते हैं, तो https://tribal.gov.in पर बताए गए नियमों के अनुसार उनका विस्तृत मूल्यांकन किया जाएगा। परियोजना लागू करने वाली एजेंसियों (PIAs) द्वारा परियोजना आवेदन और मूल्यांकन के लिए दी गई फीस वापस नहीं की जाएगी। मंत्रालय के पास बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी प्रस्तावों को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है।

सवाल पूछने के लिए : shambhu.pal@gov.in | फ़ोन : 011-24013725
अवर सचिव (आजीविका), जनजातीय कार्य मंत्रालय, कर्तव्य भवन-1, नई दिल्ली

CBC 43101/11/0008/2627

अमेरिकी अर्थव्यवस्था की रफ्तार सुस्त पड़ी

- जून तिमाही में 1.5 प्रतिशत की दर से बढ़ी

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

अमेरिकी अर्थव्यवस्था अप्रैल-जून तिमाही में आयात में तेज वृद्धि के दबाव के बीच धीमी होकर 1.5 प्रतिशत की दर से बढ़ी। बृहस्पतिवार को आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

वाणिज्य विभाग की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में यह वृद्धि जनवरी-मार्च तिमाही की 2.1 प्रतिशत दर और अनुमान से भी नीचे रही। अमेरिकी अर्थव्यवस्था में करीब 70 प्रतिशत हिस्सा रखने वाला उपभोक्ता व्यय जून तिमाही में मजबूत बना रहा और 3.2 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ा। यह जनवरी-मार्च की 0.5 प्रतिशत वृद्धि से काफी अधिक है। जून तिमाही के दौरान व्यापार निवेश में भी मजबूती दिखी और यह 8.4 प्रतिशत की दर से बढ़ा, जिसमें कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़े निवेश का प्रमुख योगदान रहा। दूसरी तरफ, एआई गतिविधियों से जुड़े उत्पादों की मांग बढ़ने से आयात 11.5 प्रतिशत बढ़ा जिससे जीडीपी वृद्धि में करीब 1.5 प्रतिशत अंक की गिरावट आई।

बेरोजगारी भत्ते के लिए आवेदन बढ़े

अमेरिका में बेरोजगारी भत्ते के लिए आवेदन करने वालों की संख्या पिछले सप्ताह बढ़ी है। हालांकि, छंटनी अब भी ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर बनी हुई है। श्रम विभाग ने बृहस्पतिवार को बताया कि 25 जुलाई को समाप्त सप्ताह में बेरोजगारी सहायता के लिए नए आवेदन 9,000 बढ़कर 1.97 लाख हो गए।

कार्यालय नगर पंचायत राजपुर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0)

क्र.796/लो.नि.वि./न.पं/2026 राजपुर दिनांक 28/07/2026

-::: मैन्यूअल पद्धति प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना :::-

एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार से निम्नलिखित कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है :-

1. निविदा प्रपत्र वेब साईट से डाउनलोड किया जायेगा। www.uad.gov.in
2. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय 19/08/2026 सायं 03:30 बजे तक
3. निविदा खोलने की तिथि 20/08/2026 सायं 02:00 बजे से

क्र	कार्य का नाम	प्राक्कलन राशि (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समयावधि (वर्षा ऋतु सहित)
1	वार्ड क्रमांक 01 में मोहित घर से ठीभू घर तक सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य।	क्र	7200.00	750.00	03 माह।
2	वार्ड क्रमांक 04 में पूरन जायसवाल घर से गीता पाण्डेय घर एवं खुर्शीद घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	9.50	4300.00	750.00	03 माह।
3	वार्ड क्रमांक 08 में शम्भू घर से कृष्णा जायसवाल घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	6.18	4700.00	750.00	03 माह।
4	वार्ड क्रमांक 04 में शिशु मंदिर से रानू सोन घर तक पाईप लाईन विस्तार कार्य।	3.72	3000.00	750.00	03 माह।
5	वार्ड क्रमांक 07 में आलोक घर से उत्तम घर तक पाईप लाईन विस्तार कार्य।	2.65	2000.00	750.00	03 माह।
6	वार्ड क्रमांक 11 में कस्तुरबा गांधी स्कूल से प्रिती अमन घर तक पाईप लाईन विस्तार कार्य।	9.98	7500.00	750.00	03 माह।
7	वार्ड क्रमांक 12 में सियाबली घर से बड़का मिस्त्री घर तक तक पाईप लाईन विस्तार कार्य।	2.12	2000.00	750.00	03 माह।
8	वार्ड क्रमांक 12 में प्रजापति घर से अनिल कश्यप घर तक पाईप लाईन विस्तार कार्य।	9.31	7000.00	750.00	03 माह।
9	वार्ड क्रमांक 04 में महामाया मंदिर जीर्णोद्धार कार्य। (पांचवा निविदा)	5.00	4000.00	750.00	03 माह।
10	वार्ड क्रमांक 13 में ओकरा कोठी पत्थर मंदिर जीर्णोद्धार कार्य। (पांचवा निविदा)	5.00	4000.00	750.00	03 माह।

उपरोक्त कार्य की निविदा सामान्य शर्ते, विस्तृत विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में लोक निर्माण शाखा में देखी जा सकती है, यह जानकारी विभागीय वेबसाइट http://www.uad.cg.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

शर्ते :- 1. निविदा प्रपत्र अ फार्म वेबसाईड से डाउन लोड़ किया जाकर निर्धारित प्रपत्र शुल्क डी.डी. के माध्यम से जमा किया जावें। एवं निविदा प्रत्र में निविदाकार का नाम, लाईसेन्स का क्लास रजिस्ट्रेशन नम्बर दिनांक कार्य का नाम, अमानत, लागत राशि, निविदा प्रपत्र मूल्य समयावधि, खुलने का दिनांक निकाय का नाम अंकित अनिवार्य है।
2. निविदा प्रपत्र त्रि-लिफाफा पद्धति अनुसार ली जावेगी। लिफाफा 01 में डी.डी. समस्त आवश्यक दस्तावेज एवं अमानत राशि लिफाफा 02 में निविदा फार्म दर सहित व दोनो लिफाफा को 01 बड़े लिफाफा में भरकर भेजी जाये लिफाफा 01 में आवश्यक प्रतिपूर्ण हो जाने पर ही लिफाफा 02 खोली जावेगी। किस लिफाफा में रखा गया है, लिफाफा के उपर लिखना आवश्यक है।
3. निविदा लिफाफा पर जारी निविदा क्रमांक, दिनांक, एवं कार्य क्रमांक के साथ कार्य का उल्लेख करना अनिवार्य होगा।

अध्यक्ष
नगर पंचायत राजपुर
जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0)

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत राजपुर
जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0)

प्रथम पृष्ठ का शेष

राष्ट्रपति बोलीं- बस्तर...

अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी परंपराओं, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के साथ-साथ पर्यटन और रोजगार को भी बढ़ावा देते हैं। उन्होंने सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण में परगना मांझी और चालकी की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि वे समाज और प्रशासन के बीच एक प्रभावी सेतु हैं। उनके नेतृत्व से समाज में शांति, समृद्धि और खुशहाली को नई मजबूती मिलेगी। राष्ट्रपति ने कहा कि आज बस्तर के दूरदराज गांवों तक सड़क, बिजली और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुंच रही हैं। लंबे समय से बंद पड़े स्कूलों में फिर से बच्चों की चहल-पहल लौट आई है और शिक्षा की रोशनी हर घर तक पहुंच रही है। बस्तर में विश्वास, उम्मीद और विकास का नया वातावरण बन रहा है। आदिवासी युवा शिक्षा, विज्ञान, कला और खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। आदिवासी समाज में खेल और कला की स्वाभाविक प्रतिभा है। उन्होंने हाल ही में छत्तीसगढ़ में आयोजित बस्तर ओलंपिक का उल्लेख करते हुए इसे प्रतिभाओं को मंच देने वाली महत्वपूर्ण पहल बताया।

राष्ट्रपति भवन में...

परोस कर खिलाया। उनसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बस्तर दशहरा और बस्तर पंडुम में शामिल होने की इच्छा भी जताई। इस दौरान मुख्यमंत्री साय ने बस्तर की 300 साल पुरानी 'झिटकू-मिटकी' प्रसिद्ध जनजाति कलाकृति भेंट की, जिसे देखकर राष्ट्रपति अभिभूत नजर आईं।

मुख्यमंत्री के साथ प्रतिनिधिमंडल में गृहमंत्री विजय शर्मा, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल सहित बस्तर पंडुम-2026 के विजेता प्रतिभागी, परंपरागत जनजातीय नेतृत्व व्यवस्था के प्रतिनिधि, पद्मश्री सम्मानित विभूतियाँ, जनप्रतिनिधि तथा वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बस्तर पंडुम-2026 के विजेता प्रतिभागियों, परगना मांझी, मांझी, चालकी तथा पद्मश्री सम्मानित विभूतियों के सम्मान में विशेष भोज का आयोजन किया। इस दौरान राष्ट्रपति ने स्वयं सभी अतिथियों को भोजन परोसकर आत्मीयता का परिचय दिया।राष्ट्रपति ने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से आत्मीय एवं अनौपचारिक चर्चा करते हुए बस्तर की जनजातीय संस्कृति, लोककलाओं, परंपरागत सामाजिक व्यवस्था तथा बस्तर पंडुम के आयोजन से जुड़े अनुभवों की जानकारी ली। उन्होंने कलाकारों और पारंपरिक जनजातीय प्रतिनिधियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी सांस्कृतिक विरासत की सराहना की। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के आग्रह पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बस्तर दशहरा और बस्तर पंडुम में शामिल होने की इच्छा व्यक्त करते हुए कहा कि वे भविष्य में इन आयोजनों में अवश्य आएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि मांझी उनके परिवार का हिस्सा हैं और उनके पिता भी मांझी थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अपने संबोधन में कहा कि बस्तर पंडुम छत्तीसगढ़ की समृद्ध जनजातीय परंपराओं, लोककलाओं और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत उत्सव है, जिसने बस्तर की वास्तविक पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों ने युवाओं को अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत से पुनः जोड़ने के साथ पर्यटन और स्थानीय रोजगार को भी नई गति दी है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, सचिव श्री राहुल भगत, विशेष सचिव व जनसम्पर्क आयुक्त रजत बंसल, संस्कृति विभाग के सचिव डॉ एस भारतीदासन, बस्तर संभाग के आयुक्त डोमन सिंह, संस्कृति एवं राजभाषा के संचालक संजय कन्नौजे सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी साथ थे। **शाह ने कहा-प्रसन्नता हो रही-** इस अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि वे कई बार राष्ट्रपति भवन आए हैं, लेकिन पहली बार राष्ट्रपति भवन में बस्तर की पारंपरिक आदिवासी वेशभूषा में इतने बड़े प्रतिनिधिमंडल को देखकर उन्हें विशेष प्रसन्नता हुई।

बस्तर आने का...

पुनर्जागरण की नई पहचान के साथ आगे बढ़ रहा है। बस्तर पंडुम जैसे आयोजनों ने हमारी जनजातीय संस्कृति को राष्ट्रीय स्तर पर नई प्रतिष्ठा दिलाई है। उन्होंने कहा राष्ट्रपति का जनजातीय समाज और संस्कृति से विशेष आत्मीय जुड़ाव रहा है। उनके अनुभव, स्नेह और मार्गदर्शन से बस्तर की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रयासों को नई दिशा मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने राष्ट्रपति से बस्तर पधारने का आग्रह भी किया है।

गरियाबंद सीमा पर...

का पानी नवापार में घुसने से करीब ढाई सौ लोगों को घर छोड़ना पड़ा है। यहां के चार वार्ड बारिश से प्रभावित हैं। बीजापुर जिले में लगातार हो रही बारिश के चलते इंद्रावती नदी उफान पर है। गुरुवार शाम 5 बजे तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार नदी का जलस्तर 15.600 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान से 3.10 मीटर ऊपर है। जलस्तर में लगातार वृद्धि को देखते हुए प्रशासन ने नदी तटीय क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी है। संभावित जोखिम वाले इलाकों में सतर्कता बरती जा रही है तथा संबंधित विभागों को आवश्यक एहतियाती इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। नगरसेना के जवान बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जोखिम उठाकर ग्रामीणों और मरीजों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। इसी क्रम में ग्राम रेड्डी की एक महिला एवं उसकी बीमार बच्ची को उफनते जलमार्ग से सुरक्षित निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, जिससे उन्हें समय पर उपचार मिल सका।

बारिश का कहर:...

अचानक ढह गया हालंकि घटना की तकनीकी कारणों की अधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है। पुल गिरने से अमली गांव सहित आसपास के ग्रामीणो की परेशानी बढ़ गई है। यह पुल छत्तीसगढ़ और ओड़िशा के बीच आवागमन का महत्वपूर्ण माध्यम बनने वाला था। अब निर्माण कार्य पर भी बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। घटना के बाद स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभाग की नजर पूरे मामले पर है। पुल गिरने के कारणों की जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि हादसा केवल प्राकृतिक आपदा का परिणाम है या निर्माण गुणवत्ता मे भी कोई कमी रही। प्रत्यक्षदर्शियों ने पुल गिरने का वीडियो अपने मोबाइल में कैद किया, जिसमें तेज बहाव के बीच पुल का हिस्सा अचानक ढहता हुआ दिखाई दे रहा है। घटना के बाद आसपास के ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई। प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है।

मद्देड़ की बालक...

कमरे में खड़े होने लायक जगह नहीं बची है। इस स्कूल में कुल 14 छात्र-छात्राएं दर्ज हैं। सहायक विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी वेंकटेश्वर दुद्दी ने मौके का निरीक्षण किया। उन्होंने शाला के संचालन को अस्थायी रूप से ग्राम पंचायत भवन में स्थानांतरित करने के निर्देश दिए।

लगातार बारिश से...

803 क्यूसेक पानी शिवनाथ नदी में आ रहा है। इसके अलावा पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश की वजह से पानी शिवनाथ नदी में लगातार आ रहा है। जलसंसाधन विभाग के हिसाब से मोंगरा जलाशय से 7860 क्यूसेक, घूमरिया जलाशय से 1650 क्यूसेक,सूखा नाला जलाशय से 2200 क्यूसेक और खातूटोला जलाशय से 2093 क्यूसेक पानी शिवनाथ नदी में छोड़ा गया है। ये जलाशय राजनांदगांव और मोहला-मानपुर जिले में हैं। यहां भारी बारिश की वजह से ये जलाशय क्षमता से ज्यादा भर गए हैं। जिसकी वजह से शिवनाथ नदी में पानी छोड़ा जा रहा है। यही हालात और आगे रहा तो शिवनाथ नदी के आसपास गांवों में पानी भर सकता है।

सिहावा महानदी पुल...

सकता है। स्थानीय लोगों के अनुसार सुबह से ही पुल पर पानी का स्तर तेजी से बढ़ रहा था। दबाव के कारण एक तरफ की रैलिंग टूटकर नदी में बह गई। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पुल के दोनों ओर तुरंत बैरिकेडिंग कर आवागमन रोका जाए ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। राहत और बचाव दल को मौके पर भेजकर स्थिति का जायजा लिया जाए। पानी कम होने के बाद पुल की मरम्मत युद्ध स्तर पर कराई जाए। उल्लेखनीय है कि यह मार्ग छत्तीसगढ़ को ओडिशा से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मार्ग है। इस पर रोजाना हजारों लोग और माल वाहन निर्भर हैं। बरसात के मौसम में हर साल इस पुल पर जलभराव की समस्या आती है।

नदी किनारे स्थित...

फिलहाल बंद हो गए हैं। कई स्थानों पर पानी भर जाने और पुल-पुलियों के ऊपर से पानी बहने के कारण वाहनों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई है। इससे आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति और लोगों के आवागमन पर भी असर पड़ा है। बारेगुड़ा और वरदल्ली मार्ग पर बनी पुलिया के ऊपर बाढ़ का पानी बहने के कारण कई गांवों का संपर्क ब्लॉक मुख्यालय भोपालपट्नम से टूट गया है। कुछ स्थानों पर लोगों को वैकल्पिक मार्गों का सहारा लेना पड़ रहा है, जबकि कई क्षेत्रों में आवागमन पूरी तरह बंद है।

आरोपी की पत्नी...

निर्माणाधीन मकान वैध है, उस मकान के दस्तावेज जमा करने के लिए 29 जुलाई तक का समय दिया गया था, लेकिन बृहस्पतिवार को उन्होंने और मोहलत मांगी। सचिव ने बताया कि सुप्रिया मिश्रा को और एक सप्ताह का समय दिया गया है। एडीए ने सुप्रिया के नाम पर एक मकान के कथित अनाधिकृत निर्माण को लेकर दो जुलाई को उन्हें नोटिस जारी किया था। एडीए सूत्रों के मुताबिक, निर्माणाधीन मकान सोहावल तहसील के बनवीरपुर गांव में स्थित है। वह जमीन लवकुश मिश्रा की पत्नी सुप्रिया मिश्रा के नाम पर खरीदी गई थी और विकास प्राधिकरण से आवश्यक मंजूर लिए बगैर निर्माण कार्य शुरू कराया गया।

भूपेश को हाईकोर्ट...

पहुंचाया जा सकें। जांच सीबीआई को सौंपे जाने के बाद एजेंसी ने भूपेश बघेल सहित अन्य लोगों के खिलाफ आपराधिक साजिश, जालसाजी और कथित आपत्तिजनक इलेक्ट्रानिक सामग्री के प्रसारण जैसी धाराओं में आरोप पत्र दाखिल किया। मार्च 2025 में विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट ने यह कहते हुए भूपेश बघेल को आरोपमुक्त कर दिया था कि उनके खिलाफ प्रथम दृष्टया पर्याप्त साक्ष्य नहीं है। लेकिन जनवरी 2026 में सीबीआई की विशेष अदालत ने उस आदेश को पलटते हुए उनके खिलाफ आरोप तय करने का निर्देश दिया। इसी आदेश को भूपेश बघेल ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने प्रारंभिक सुनवाई के बाद सीबीआई की विशेष अदालत में चल रही आगे की कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगा दी है। मामले की अगली सुनवाई में हाईकोर्ट यह तय करेगा कि विशेष अदालत का आदेश कानूनी रूप से टिकाऊ है या नहीं।

कोर्ट में दी...

ठहरना आपराधिक साजिश का प्रमाण नहीं माना जा सकता। इसके साथ ही उनके खिलाफ जालसाजी या कथित सीडी के प्रसार में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष भूमिका का भी कोई स्पष्ट साक्ष्य नहीं है। भूपेश के अधिवक्ताओं ने कोर्ट में कहा कि गवाहों के बयान सिर्फ यह बताते हैं कि उन्होंने सह-आरोपी विनोद वर्मा की गिरफ्तारी के विरोध में एक प्रेस कांफ्रेंस आयोजित की थी। याचिका में दावा किया गया कि ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है जिससे यह साबित हो कि उन्होंने स्वयं उस प्रेस कांफ्रेंस में कथित आपत्तिजनक सीडी का वितरण किया था।

छग में एनालॉग...

रहे नकली पनीर निर्माण और इससे जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। शादी-ब्याह सहित बड़े आयोजनों में थोक में इसका इस्तेमाल होता है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग नियमित रूप से तय मापदंडों के आधार पर एनालॉग पनीर ना बनाने वालों पर कार्रवाई कर रहा था, लेकिन स्थिति में कोई सुधार ना होता देख अब अंततः इसे पूर्ण रूप से बैन कर दिया गया है।

एक वर्ष में 5 हजार...

सामने आते रहे हैं। बीते एक वर्ष में केवल रायपुर में ही पांच हजार से अधिक का एनालॉग पनीर जब्त कर नष्ट किया जा चुका है, इनमें से अधिकतर गंदगी के बीच खतरनाक पदार्थों के निर्माण से बन रहे थे।

'गौमूत्र ' टिप्पणी पर...

पैदा करता है। प्रोफेसर कामकोटि भारत के प्रमुख वैज्ञानिक और तकनीकी संस्थानों में से एक के प्रमुख हैं। पत्र में कहा गया, हर शिक्षाविद की तरह उन्हें भी परिकल्पनाएं पेश करने, पारंपरिक ज्ञान पर चर्चा करने और वैज्ञानिक संवाद में भाग लेने का अधिकार है। पत्र में कहा गया, किसी विद्वान के विचारों के सार पर चर्चा करने के बजाय केवल एक ठप्पा लगाकर उसे खारिज करना उस वैज्ञानिक दृष्टिकोण को कमजोर करने का खतरा पैदा करता है, जिसे विकसित करना संविधान प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य बताता है। पत्र में कहा गया, ''वैज्ञानिक दृष्टिकोण का मतलब केवल असामान्य विचारों के प्रति संदेह रखना नहीं है, बल्कि किसी दावे को स्वीकार करने या खारिज करने से पहले उसका निष्पक्ष रूप से परीक्षण करने की इच्छाशक्ति भी है।

देश के शीर्ष तकनीकी...

इंजीनियरिंग में एम.एस. और पीएच.डी. की डिग्री ली है। उनके नाम 150 से अधिक शोध पत्र और 50 से अधिक आर एंड डी प्रोजेक्ट्स हैं। उन्हें डीआरडीओ अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार और इंडियन इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन टेक्नो विजनरी अवार्ड सहित कई सम्मान प्राप्त हैं। वे भारत के पहले उद्योग-स्तरीय माइक्रोप्रोसेसर के पीछे मार्गदर्शक शक्ति रहे हैं। पत्र में कहा गया कि 'निःसंदेह वे देश के शीर्ष तकनीकी मस्तिष्कों में से एक हैं।'

भावुक होकर कहा-...

वाले 38 वर्ष के रहाणे ने 85 टेस्ट, 90 वनडे और 20 टी20 खेले हैं। वह 2023 में वेस्टइंडीज में टेस्ट श्रृंखला के बाद भारत के लिये नहीं खेले हैं । उन्होंने इस साल आईपीएल के दौरान भी हालांकि कहा था कि उन्होंने वापसी की उम्मीद छोड़ी नहीं है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर वीडियो संदेश में कहा, जीवन का सत्य यही है कि हर शुरूआत का एक अंक होता है। जब समय आ जाये तो आपको उसका सम्मान करके आगे बढ़ जाना चाहिये। मैंने बल्लेबाजी में हमेशा टाइमिंग पर भरोसा किया है और मुझे इसका महत्व पता है। उन्होंने कहा, मुझे आज लग रहा है कि आगे बढ़ने का सही समय है, इसलिए मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और सभी प्रारूपों से विदा ले रहा हूं। रहाणे ने टेस्ट क्रिकेट में 12 शतक और 26 अर्धशतक के साथ 38.46 की औसत से 5077 रन बनाए। इसके अलावा 90 वनडे में 35.26 की औसत से तीन शतक और 24 अर्धशतक के साथ 2962 रन जोड़े। टी20 में उन्होंने 375 रन बनाये हैं। रहाणे ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस, राजस्थान रॉयल्स, राइजिंग पुणे सुपरजाइंट, दिल्ली कैपिटल्स, चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के लिये खेला है। केकेआर ने उन्हें कप्तानी से फारिग कर दिया है।

भारत को तीसरा...

ने 10.83 सेकेंड के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि इंग्लैंड के केविन सैंटोस ने 10.85 सेकेंड के साथ ब्रॉन्ज अपने नाम किया। भारत के लिए इस इवेंट में 7वें दिन पैरा एथलीट दिलीप गावित ने गोल्ड मेडल जीता जबकि दूसरे पैरा एथलीट मोहम्मद बासिल ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। वहीं मुरली श्रीशंकर ने पुरुषों की लांग जंप प्रतियोगिया में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। भविष्य के लक्ष्यों की ओरः इस उपलब्धि के बाद भी दिलीप महादु की नजर अगले बड़े लक्ष्य पर है। उन्होंने कहा कि फिलहाल उनका पूरा ध्यान जापान में होने वाले पैरा एशियाई खेलों और उसके बाद लॉस एंजिलिस 2028 पैरालंपिक पर है।

अब मंदिर, ट्रस्ट...

पंजीयन से छूट प्राप्त थी, उन्हें अब निर्धारित प्रारूप में आवेदन भरकर पंजीयन कराना होगा। यह प्रारूप संबंधित तहसीलदार कार्यालय, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति अथवा जिला खाद्य शाखा से प्राप्त किया जा सकता है। आवश्यक जानकारी जमा करने के बाद ही ऐसी संस्थाएं समर्थन मूल्य पर धान विक्रय के लिए पात्र होंगी। **वन पट्टाधारी और डूबान क्षेत्र के किसान भी दायरे में**-सरकार ने स्पष्ट किया है कि वन पट्टाधारी, डूबान क्षेत्र के किसान, शासकीय पट्टेदार, कोटवार तथा संस्थागत कृषकों का भी एग्री-स्टैक में पंजीयन अनिवार्य होगा। इससे पहले इन श्रेणियों के किसानों के लिए अलग-अलग व्यवस्थाएं लागू थीं, लेकिन अब सभी को एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाया जा रहा है। अधिया, रेगहा, बटाई और लीज के माध्यम से खेती करने वाले किसानों के लिए भी महत्वपूर्ण प्रावधान किया गया है। ऐसे किसानों को एग्री-स्टैक पोर्टल के ऑथराइजेशन मॉड्यूल के माध्यम से अधिकृत किया जाएगा, जिसके बाद वे भी समर्थन मूल्य पर धान बेच सकेंगे।

संसद में बिल पर मुहर...

कानून की जरूरत थी। इसी उद्देश्य से सरकार संसद में यह विधेयक लेकर आई। उन्होंने आगे कहा कि जैसा उन्होंने देश से वादा किया था, वैसे ही पिछले दो दिनों में संसद के दोनों सदनों में बड़ी संख्या में सांसदों ने इस विधेयक पर विस्तार से चर्चा की और आज दोनों सदनों ने सख्त प्रावधानों वाले इस विधेयक को पारित कर दिया।

संसद में क्या हुआ और आगे सरकार का लक्ष्य क्या?
प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले दो दिनों तक संसद के दोनों सदनों में इस विधेयक पर विस्तार से चर्चा हुई और अधिकांश सांसदों ने इसमें भाग लिया। इसके बाद दोनों सदनों ने इसे पारित कर दिया। उन्होंने कहा कि इससे देश में भरोसेमंद परीक्षा प्रणाली की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम पूरा हुआ है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार का काम यहीं खत्म नहीं होगा और परीक्षा प्रणाली को लगातार बेहतर बनाने का प्रयास जारी रहेगा।

कटघोरा से डोंगरगढ़...

उपक्रम के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए दोनों संस्थाओं की साझेदारी में एक स्पेशल परपज व्हीकल का गठन किया जाएगा। यह रेल लाइन कटघोरा से करतला, मुंगेली, कवर्धा और खैरागढ़ होते हुए डोंगरगढ़ तक पहुंचेगी तथा ऐसे अनेक क्षेत्रों को पहली बार रेलवे नेटवर्क से जोड़ेगी, जहां अब तक रेल सुविधा उपलब्ध नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा, इस परियोजना से क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी, उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा तथा लाखों नागरिकों को बेहतर आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव के साथ केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू तथा राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के सांसद संतोष पांडे भी इस अवसर पर उपस्थित थे। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा, छत्तीसगढ़ देश के औद्योगिक, खनिज एवं कृषि दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण राज्यों में से एक है। प्रदेश में रेलवे नेटवर्क का विस्तार केवल यातायात सुविधा का विषय नहीं, बल्कि औद्योगिक विकास, व्यापार, पर्यटन, कृषि विपणन, जनजातीय अंचलों के विकास तथा क्षेत्रीय संतुलित प्रगति से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में रेल अधोसंरचना के अभूतपूर्व विस्तार का लाभ छत्तीसगढ़ को भी मिल रहा है और राज्य सरकार इस दिशा में केंद्र सरकार के साथ पूर्ण समन्वय के साथ कार्य कर रही है। **रावघाट परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण कार्रवाई पूरी**- बैठक में रावघाट-जगदलपुर रेलवे लाइन परियोजना की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 140 किलोमीटर लंबी इस महत्वपूर्ण रेल लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण की आवश्यक कार्यवाही पूरी की जा चुकी है तथा रेलवे द्वारा निविदा प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ होने से बस्तर अंचल की कनेक्टिविटी मजबूत होगी और क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को नई दिशा मिलेगी। **इन रेल मार्गों का सर्वे**- बैठक के दौरान किरंदुल-कोत्तागुडेम (180 किलोमीटर) तथा गढ़चिरौली-बीजापुर-किरंदुल (बचेली) (490 किलोमीटर) नई रेल लाइन परियोजनाओं के सर्वे कार्य की प्रगति पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने सर्वे कार्य शीघ्र पूर्ण कर आगामी कार्यवाही प्रारंभ करने का अनुरोध किया, जिससे बस्तर क्षेत्र की कनेक्टिविटी और अधिक मजबूत हो सके तथा विकास एवं सुरक्षा से जुड़े प्रयासों को गति मिले। **रेलवे विकास के नए अध्याय लिखे जा रहे**- मुख्यमंत्री ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त करते हुए कहा, केंद्र सरकार के सहयोग से छत्तीसगढ़ में रेलवे विकास के नए अध्याय लिखे जा रहे हैं। उन्होंने कहा, नई रेल परियोजनाएं प्रदेश के औद्योगिक विकास, खनिज परिवहन, कृषि उत्पादों की सुगम आवाजाही, पर्यटन संवर्धन और जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से छत्तीसगढ़ का रेल नेटवर्क आने वाले वर्षों में और अधिक मजबूत होगा तथा विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण को नई गति मिलेगी।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़)

B.Tech. (Agrilculture Engineering) / B.Tech. (Food Technology)

शैक्षणिक सत्र 2026-27

प्रथम वर्ष में रिक्त सीटों पर प्रवेश हेतु द्वितीय चरण काउंसिलिंग का विज्ञापन

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के अंतर्गत संचालित B.Tech. (Agricultural Engineering) एवं B.Tech. (Food Technology) चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रमों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के प्रथम वर्ष में रिक्त सीटों पर प्रवेश हेतु छत्तीसगढ़ के मूल निवासी अभ्यर्थियों से PET-2026, JEE Mains-2026 तथा 12वीं (गणित समूह Mathematics, Physics, Chemistry एवं English) के आधार पर ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। ऑनलाइन काउंसिलिंग में भाग लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों को दिनांक 01 अगस्त, 2026 से 10 अगस्त, 2026 (रात्रि 11:00 बजे तक) विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन पंजीयन (Registration) करना अनिवार्य होगा। अन्य राज्यों के पात्र अभ्यर्थी भी उक्त अवधि में ऑनलाइन पंजीयन कर प्रवेश प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। ऐसे अभ्यर्थियों को छत्तीसगढ़ के मूल निवासी अभ्यर्थियों की प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत, रिक्त सीटों पर विश्वविद्यालय के प्रवेश नियम-2026 के अनुसार प्रवेश प्रदान किया जाएगा। केवल निर्धारित अवधि में सफलतापूर्वक ऑनलाइन पंजीयन (Registration) करने वाले अभ्यर्थियों को ही प्रावीण्य सूची के आधार पर प्रवेश हेतु पात्र माना जाएगा। ऑनलाइन पंजीयन, काउंसिलिंग की विस्तृत समय-सारणी, प्रवेश नियम, दिशा-निर्देश, रिक्त सीटों का विवरण, शासकीय एवं निजी महाविद्यालयों की जानकारी तथा अन्य आवश्यक सूचनाएँ विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.igkv.ac.in पर 01 अगस्त, 2026 से उपलब्ध रहेंगी।

कुलसचिव
इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
रायपुर (छत्तीसगढ़)

स. 48598

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग
» बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड
» बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें

हर्बल लेप
शिव मस्सानाशक
शिव मस्सानाशक को 12-15 घंटों तक लगाकर रखेंगे तो यह मस्से को शीघ्र हटा देगा। जब तक मस्सा न हट जाए, रोज 1-2 बार लगाना है। यदि लगाने के बाद किसी कारणवश लेप छूट जाए तो पुनः लगा दें।
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- होम फर्निशिंग शोरूम में बिजी सॉफ्टवेयर में बिलिंग हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं अनुभवी स्टॉक मैनेजर चाहिए वेतन 10000 सम्पर्क करें- श्रीराम क्लाथ स्टोर श्रीराम क्लाथ मार्केट, अग्रसेन चौक, बिलासपुर 9827198028 (41528)

आवश्यकता है- शिक्षिकाओं चाहिए (प्री-नर्सरी से 8वीं) स्पोकन इंग्लिश, बीएड, कम्प्यूटर अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन योग्यतानुसार। फोटो सहित बायोडाटा व्हाट्सएप्प करें- BBVM इंग्लिश मीडियम स्कूल कस्तूरबा नगर, सिन्धी कॉलोनी, बिलासपुर 9300654801, 7489885833 (41525)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीकल दुकान में माल निकालने एवं कार्य करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- भारती इलेक्ट्रीकल तेलीपारा मेन रोड बिलासपुर (41531)

आवश्यकता है- घरेलू सभी काम कर सके, झाड़ू पोछा, साफ सफाई, बर्तन धोने हेतु लड़की / महिला चाहिए जरूरतमंद को प्राथमिकता। पता- पुराना बस स्टैण्ड करबला रोड, रामकुमार पेन्टर गली, बिलासपुर 9098752111 (41530)

आवश्यकता है- बिलासपुर में प्राइवेट लिमिटेड फर्म में एकाउंटेंट चाहिए। योग्यता Tally Prime GST रिटर्न TDS, TCS, Audit का अनुभवी। वेतन 25000 से 40000, Full time अनुभवी उम्मीदवार Resume Whatsapp करें- 9575042811 (41527)

आवश्यकता है- घर के काम हेतु महिलाओं/ लड़कियों की आवश्यकता है फुल टाइम रहना खाना फ्री एवं वेतन 9000 महीना, 6घंटे- 5000 महीना। केवल जरूरतमंद ही सम्पर्क करें- 8600012354, केरा रोड, जांजगीर (41532)

आवश्यकता है- UTN Shop में सर्वे हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए। सैलरी 10000 से 15000 एवं रिसेप्शनिस्ट- 1पद सैलरी 6000, सम्पर्क करें- शॉप नं.-16 प्रथम तल सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 7999594790 7806007192 (41529)

आवश्यकता है- टूव्हीलर एजेन्सी में सेल्स मैनेजर, सेल्समैन, सर्विस मैनेजर, सर्विस एडवाइजर, डिजीटल कॉलिंग एग्जीक्यूटिव, फील्ड सेल्स एग्जीक्यूटिव, सेलरी योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- चन्द्र टीवीएस महाराणा प्रताप चौक के पास बिलासपुर 9039167202 (41518)

आवश्यकता है-Ocean Company में ऑफिस हेतु 10वीं-ग्रेजुएट लड़के, लड़कियां चाहिए उम्र 18-28, आय 10500 से 18000 एवं रहना खाना, सम्पर्क करें- न्यू बस स्टैण्ड, तिफरा, बिलासपुर 8818877406, 9644433021, 07752-337082 (41510)

आवश्यकता है- साड़ियों की दुकान में कार्य हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए। सेल्समैन पेमेंट 16000+1%, हेल्पर पेमेंट 9500, सेल्सगर्ल वेतन 13000+1%, गर्ल हेल्पर वेतन- 7500 (उम्र 18 से 30वर्ष तक) सम्पर्क करें- 9691342085 (41523)

आवश्यकता है- सेल्समैन, एकाउंट्स, ऑफिस एग्जीक्यूटिव (स्नातक, MS Excel, Busy, Tally जानकार), मैकेनिकल टेक्नीशियन (5वर्ष अनुभवी), इलेक्ट्रीकल टेक्नीशियन (5वर्ष अनुभवी), पिकअप/ माजदा अनुभवी ड्राइवर (लाइसेंसी), हेल्पर चाहिए। सम्पर्क करें- तिफरा, बिलासपुर 8305541155 (41516)

आवश्यकता है- स्टोर कीपर हेतु लड़के एवं ऑफिस, फील्ड में कार्य करने हेतु लड़के की आवश्यकता है। (समय- 10am से 8pm) वेतन- योग्यता अनुसार। बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- 93019 22223 राजीव प्लाजा बिलासपुर (41517)

आवश्यकता है- साड़ी एवं रेडीमेड दुकान में काम करने हेतु अनुभवी लड़कियों एवं लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- आकांक्षा स्टोर बिलासा चौक शनिचरी बाजार बिलासपुर 98279 16580, 9827887934 (41506)

आवश्यकता है- सुपरवाइजर- 3 पोस्ट, सीनियर सेल्स ऑफिसर- 1 पोस्ट, सेल्समैन- 2 पोस्ट की तत्काल आवश्यकता है। सम्पर्क करें- कैलाश इंडस्ट्रीज, सेक्टर-C, इंडस्ट्रीयल एरिया सिरगिट्टी बिलासपुर 7000157773 (3187)

आवश्यकता है- बिलासा फाइनेंशियल सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स मैनेजर की आवश्यकता है अनुभव एक वर्ष पता- श्रीराम टॉवर के पास, व्यापार विहार, बिलासपुर वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 7879923905, 99770 89866 (41515)

आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड 17000 सुपरवाइजर 20000 फील्ड अधिकारी 16000 कंप्यूटर ऑपरेटर वेतन योग्यतानुसार मेस सुविधा ,आवास फ्री संपर्कः- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालयः- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7746000016, 7747000016, 7747 000019 (891)

आवश्यकता है-आर्य समाज द्वारा संचालित दयानन्द पूर्व माध्यमिक विद्यालय में गणित पढ़ाने हेतु शिक्षिकाओं की आवश्यकता है समय सुबह 8बजे से 11बजे तक पता- दयानन्द विद्यालय नदी किनारे गोड़ पारा बिलासपुर 89821 12133 (41513)

आवश्यकता है- एम्बुलेंस चलाने के लिए अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है सैलरी- 8000 से 10000+ भत्ता, आयु 18 वर्ष से 25 वर्ष तक। बायोडाटा, आधार कार्ड एवं लाइसेन्स सहित सम्पर्क करें- 07869 954646 (41521)

आवश्यकता है- फेब्रिकेशन कार्य हेतु 4 वेल्डर, 8 हेल्पर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सुबह 10बजे से शाम 6बजे तक पता- उमेश इंजीनियरिंग धुरीपारा, मंगला बिलासपुर 9098220011, 80858 88288 (41514)

आवश्यकता है-होलसेल मेडिकल दुकान में अनुभवी सेल्समैन, माल निकालने हेतु लड़के/ लड़की (अनुभवी) लोकल में माल छोड़ने एवं पैकिंग हेतु लड़को की। बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- जगत एजेन्सी/ ट्रेडर्स तेलीपारा बिलासपुर (41511)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है-पार्ट टाइम स्कूल में पढ़ाने हेतु अनुभवी/ फ्रेशर शिक्षक, शिक्षिका एवं विद्यालय की सफाई हेतु आया की। सम्पर्क- संस्कार स्कूल, स्वास्थ्य केन्द्र के सामने, बाजार के पास, उसलापुर 7440549466, 9098546135 (41509)

आवश्यकता है-दुकान आकर सिलाई करने हेतु महिला लड़की एवं घरेलू कार्य करने हेतु महिला की आवश्यकता है सम्पर्क करें- राजीव गांधी चौक के पास, कुम्हारपारा रोड, बिलासपुर 9098973726 (41512)

आवश्यकता है- टेली कॉलिंग हेतु लड़की एवं महिलाओं की आवश्यकता है सैलरी 5000-6000 कमीशन +बोनस, अनुभवी को प्राथमिकता बिलासपुर मो. 9232795464, 79874 84831 (116)

आवश्यकता है- ड्राइवर की आवश्यकता है Ammaji Traders बिलासपुर में कार्य करने के लिए अच्छे एवं जिम्मेदार ड्राइवर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 6266732985, 9685138652 (41522)

बेचना है

बेचना है- आसमां सिटी फेस 2 में गार्डन फेसिंग 1714 वर्गफुट आवासीय प्लॉट एवं धुरीपारा मंगला में 2000 वर्गफुट कमर्शियल प्लॉट तत्काल बेचना है। सम्पर्क करें- 6265418733, 7647087929 (41533)

बेचना है- हाईकोर्ट छतौना प्लॉट 25×50 50×50 आसमा सिटी उस्लापुर 25×60 सकरी परसदा हाउसिंग 25×50, 50×50 व्यापार विहार मेन रोड दुकान 470 वर्गफुट 365 वर्गफुट प्लॉट 22×75 रायपुर मेन रोड परसदा 55×135 रतनपुर रोड मदनपुर 1.29 एकड़ चंदेला नगर रिंग रोड-2 मकान 3BHK गुलाब नगर राजकिशोर नगर 25×50, 32×30 सम्पर्क- 98278 96182, 9827955199 (41526)

बेचना है- ग्राम निपनिया थाना सीपत तहसील बेलतरा जिला बिलासपुर से 22KM दूर 10एकड़ जमीन बेचना है। चारों ओर फेंसिंग, दो ट्यूबवेल की सुविधा केवल इच्छुक व्यक्ति ही सम्पर्क करें- 9827972720, 8435344962 (41524)

फायनेंस

फायनेंस - राज्य ग्रामीण बैंकों द्वारा विभिन्न प्रकार के लोन उपलब्ध। बिजनेस, कृषि, होम एवं प्रॉपर्टी लोन। 1% वार्षिक ब्याज एवं 40% सब्सिडी के साथ प्राप्त करें। डाउन सिबिल स्कोर वालों के लिए भी सुविधा। संपर्कः- 7988465321, 79884 65321 (049)

Advertisement Booking Time 10.30 AM To 4.00 PM

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी,धातु का पतलापन,शुगर,बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किसी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586
- हिबिस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजमेंट:- मो. 8109229025

राष्ट्रमंडल खेल : नीरज, रोहित और यशवीर पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा के फाइनल में

एजेंसी ▶▶| ग्लास्गो

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा के साथ दो अन्य भारतीय बृहस्पतिवार को यहां राष्ट्रमंडल खेलों में क्वालीफिकेशन राउंड में शीर्ष 12 में जगह बनाकर पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा के फाइनल में पहुंच गए। चोपड़ा ने 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में पदार्पण करते हुए भाला फेंक स्पर्धा का खिताब जीता था। वह बृहस्पतिवार को क्वालीफिकेशन राउंड में 79.61 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ पांचवें स्थान पर रहे। रोहित यादव (78.37 मीटर) और यशवीर सिंह (78.36 मीटर) क्रमशः नौवें और 10वें स्थान पर रहे। इससे इस स्पर्धा में हिस्सा लेने वाला पूरा भारतीय दल पदक दौर में पहुंचा। प्रत्येक राउंड में आखिरी थ्रोअर रहने वाले चोपड़ा ने अपना तीसरा और आखिरी प्रयास नहीं किया क्योंकि तब तक वह पदक दौर में जगह बना चुके थे।

नीरज ने अपनाई संयमित रणनीति

हालांकि कठिन परिस्थितियों को देखते हुए उन्होंने संयमित रणनीति अपनाई। पूर्व विश्व चैंपियन चोपड़ा ने अपने पहले प्रयास में 76.28 मीटर का थ्रो किया जिससे वह पहले दौर के बाद छठे स्थान पर रहे। दूसरे प्रयास में उन्होंने 79.61 मीटर का थ्रो कर पांचवें स्थान पर जगह बना ली। इसके बाद उन्होंने अपना तीसरा और अंतिम प्रयास नहीं किया।

श्रीलंका के रूमेश प्रथम व ग्रेनाडा के पीटर्स द्वितीय

इस सत्र में दोहा और रोम डायमंड लीग जीतने वाले शानदार फॉर्म में चल रहे श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिरागे ने पहले ही प्रयास में 82.84 मीटर का थ्रो कर क्वालीफिकेशन राउंड में पहला स्थान हासिल किया।

84 मीटर के मानक को कोई नहीं कर सका पार

बता दें कि 18 प्रतिभागियों में से कोई भी 84 मीटर के स्वतः क्वालीफिकेशन मानक को पार नहीं कर सका। इसके चलते शीर्ष 12 खिलाड़ियों ने शुक्रवार को होने वाले फाइनल दौर के लिए क्वालीफाई किया। केवल चार प्रतिभागी ही 80 मीटर दूर भाला फेंक पाए। क्वालीफिकेशन राउंड के दौरान परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण रहीं जिसमें लगातार सामने से तेज हवा चल रही थी और तापमान 18 डिग्री सेल्सियस बना हुआ था।

यशवीर-रोहित का शानदार रहा प्रदर्शन

यशवीर का इस सत्र और करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 83.72 मीटर है और उन्होंने भी प्रतियोगिता के दौरान लगातार सुधार किया। 24 वर्षीय खिलाड़ी ने पहले प्रयास में 73.89 मीटर, दूसरे में 74.45 मीटर और अंतिम प्रयास में 78.36 मीटर का थ्रो कर फाइनल के लिए क्वालीफिकेशन सुनिश्चित किया। रोहित का इस सत्र और करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 87.05 मीटर है। उन्होंने पहले प्रयास में 77.04 मीटर और दूसरे प्रयास में 78.37 मीटर का थ्रो किया।

पैरा साइकिलिस्ट लिशा परसूट क्वालीफाइंग में ही हुईं बाहर

ग्लास्गो। भारतीय पैरा साइकिलिस्ट लिशा दास बृहस्पतिवार को यहां राष्ट्रमंडल खेलों में महिलाओं की सी4-सी5 4,000 मीटर व्यक्तिगत परसूट क्वालीफाइंग स्पर्धा में छठे और अंतिम स्थान पर रहने के बाद प्रतियोगिता से बाहर हो गईं।

ऑस्ट्रेलिया व इंग्लैंड की खिलाड़ी रहीं अव्वल : ऑस्ट्रेलिया की तारा नेलैंड ने 4:45.796 के समय के साथ क्वालीफाइंग में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि इंग्लैंड की मॉर्गन न्यूबेरी ने 5:06.470 के समय के साथ दूसरा स्थान हासिल करके स्वर्ण पदक की दौड़ में अपनी जगह पक्की कर ली।

डूरंड कप : एफसी रेंगदाई ने इंडियन नेवी को 1-0 से हराया

इंफाल। एफसी रेंगदाई ने बृहस्पतिवार को अपने पहले ही डूरंड कप मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए पिछले चरण के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली इंडियन नेवी फुटबॉल टीम को ग्रुप डी मुकाबले में 1-0 से हरा दिया।

चोट से उबरे मुरली ने लगातार दूसरे राष्ट्रमंडल में जीता रजत

मुरली श्रीशंकर ने भारतीय एथलेटिक्स के इतिहास में एक और अध्याय जोड़ दिया जब वह राष्ट्रमंडल खेलों में लंबी कूद स्पर्धा में रजत पदक के साथ लगातार दो पदक जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए और घुटने की चोट से दो साल जूझने के बावजूद उन्होंने शानदार वापसी की। बर्मिंघम 2022 में रजत पदक जीतने वाले 27 वर्षीय श्रीशंकर ने इस बार 8.09 मीटर की सर्वश्रेष्ठ कूद लगाकर एक और रजत पदक अपने नाम किया। यह उपलब्धि उनके लिए इसलिए भी खास रही क्योंकि पिछले साल गंभीर घुटने की चोट के बाद उनके करियर पर संकट के बादल मंडरा रहे थे। श्रीशंकर से पहले इस स्पर्धा में भारत के लिए केवल सुरेश बाबू (पुरुष कांस्य, 1978), अंजू बॉबी जॉर्ज (महिला कांस्य, 2002) और एम प्रजुषा (महिला रजत, 2010) ही पदक जीत पाए थे।

गेले ने स्वर्ण व मैकेंजी ने कांस्य पदक जीता

जमैका के पूर्व विश्व चैंपियन ताजे गेले ने 8.15 मीटर की कूद के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि मेजबान स्कॉटलैंड के स्टीफन मैकेंजी ने 8.08 मीटर की छलांग लगाकर कांस्य पदक हासिल किया।

भारत के लिए खेलकर काफी खुशी हुई : मुरली

श्रीशंकर ने कहा ,'' मैं बहुत खुश हूं कि इन खेलों में भाग ले रहा हूं। विश्व स्तर पर फिर भारत के लिये खेलकर काफी खुशी महसूस कर रहा हूं। दो साल पहले मुझे लगा नहीं था कि ग्लास्गो में खेल पाऊंगा।'' स्वर्ण पदक नहीं जीत पाने की निराशा हालांकि उनकी बातों में नजर आई। उन्होंने कहा ,'' मैं बर्मिंघम के रजत को स्वर्ण में बदलना चाहता था। अपने प्रदर्शन से खुश नहीं हूं और लगातार बेहतर करने का प्रयास करता रहूंगा। उन्होंने कहा मुझे अपनी तकनीक पर काम करना होगा लेकिन इस पदक से एशियाई खेलों के लिये मेरा आत्मविश्वास बढेगा। गेले ने श्रीशंकर को छोड़ दिया पीछे : अपने दूसरे राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा ले रहे श्रीशंकर ने पहले प्रयास में 8.03 मीटर की कूद लगाई। दूसरे प्रयास में उन्होंने 8.09 मीटर का प्रदर्शन कर बढ़त बना ली। हालांकि यह बढ़त ज्यादा देर नहीं रही। जमैका के ताजे गेले ने 8.15 मीटर की कूद लगाकर पहला स्थान हासिल कर लिया। इसके बाद श्रीशंकर के तीसरे और चौथे प्रयास फाउल रहे। पांचवें प्रयास में उन्होंने 7.94 मीटर की कूद लगाई।

खबर संक्षेप

पुरूष टीम सेमीफाइनल में, महिला टीम बाहर

ओंटारियो। पांचवीं वरीयता प्राप्त भारतीय पुरूष टीम इंग्लैंड को हराकर विश्व स्क्वाश जूनियर टीम चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंच गई जबकि महिला टीम अमेरिका से हारकर बाहर हो गई। भारतीय पुरूष टीम ने तीसरी वरीयता प्राप्त इंग्लैंड को हराया और मुकाबला अमेरिका से होगा। पिछले साल भारत ने इस स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। आर्यवीर दीवान ने रॉनी हिकलिंग को हराकर भारत को बढत दिलाई लेकिन इस्माइल खलील ने युशा नफीस को हराकर इंग्लैंड को बराबरी दिलाई। भारत के गुरवीर सिंह ने निर्णायक मुकाबला जीता। महिला वर्ग में हाल ही में विश्व जूनियर चैम्पियन बनी अनाहत सिंह ने दिया यादव को हराकर भारत को बढत दिलाई। लेकिन चार्लोट जे ने भारत की रूद्रा सिंह को हराया और अनिका दुबे को लिली बूरेल के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा।

रूट फिर बने इंग्लैंड की टेस्ट टीम के कप्तान

नई दिल्ली। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने दिग्गज बल्लेबाज जो रूट को फिर से टेस्ट टीम का कप्तान नियुक्त किया है। बेन स्टोक्स के संन्यास लेने के बाद बोर्ड ने रूट को ये जिम्मेदारी सौंपी है। इसके साथ-साथ ईसीबी ने स्टीफन फ्लेमिंग को अपनी टेस्ट टीम का नया कोच बनाया है। वह ब्रेंडन मैकुलम की जगह लेने के लिए तैयार हैं। ईसीबी ने गुरुवार 30 जुलाई को आधिकारिक तौर पर ये ऐलान किया है। ईसीबी ने कहा कि फ्लेमिंग का कोचिंग अनुभव टीम के काम आएगा। बोर्ड ने अपने बयान में कहा, फ्लेमिंग दुनिया के सबसे सम्मानित क्रिकेट कोच में से एक हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के साथ उनका 18 साल का जुड़ाव रहा है। एक खिलाड़ी के तौर पर 111 मैचों के करियर में वे न्यूजीलैंड के सबसे सफल टेस्ट कप्तान रहे। बतौर खिलाड़ी फ्लेमिंग न्यूजीलैंड के सबसे लंबे समय तक (80 टेस्ट) और सबसे सफल (28 जीत) टेस्ट कप्तान रहे।

अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में कभी टेस्ट नहीं हारी भारतीय टीम, शानदार रहा उनका नेतृत्व

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आखिरकार अजिंक्य रहाणे ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले ही लिया। लगभग डेढ़ दशक तक देश का प्रतिनिधित्व करने वाले रहाणे ने 2023 में अपना आखिरी मैच खेला।

अपने शानदार टेस्ट करियर में उन्होंने 38.46 की औसत के साथ 5,077 रन बनाए थे। उन्होंने भारतीय टीम की कप्तानी भी की। दिलचस्प रूप से रहाणे के नेतृत्व में भारतीय टीम कभी मैच नहीं हारी। उनकी कप्तानी में टीम के प्रदर्शन पर एक नजर डालते हैं।

रहाणे की कप्तानी में भारत ने जीते 4 टेस्ट

रहाणे ने पहली बार 2017 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ धर्मशाला टेस्ट में कप्तानी की थी, जो भारत ने 8 विकेट से जीता था। कोहली की गैरमौजूदगी में रहाणे को कप्तानी का मौका मिला था। 2018 में अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में भारतीय टीम पारी और 262 रन से जीती थी। 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर मेलबर्न और ब्रिसबेन टेस्ट में टीम जीती, जबकि सिडनी टेस्ट ड्रॉ रहा। इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ (कानपुर) टेस्ट में भी भारतीय टीम जीती थी।

बतौर कप्तान बल्लेबाजी

रहाणे ने कप्तानी करते हुए 11 पारियों में 39.88 की औसत के साथ 359 रन बनाए थे। उन्होंने एक शतक भी लगाया था। भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए रहाणे ने अपना इकलौता शतक ऑस्ट्रेलिया दौरे पर मेलबर्न टेस्ट में लगाया था और टीम को जीत दिलाई थी।

इन कप्तानों की सूची में शामिल हुए रहाणे

भारत के 38 टेस्ट कप्तानों में से सिर्फ 4 ही ऐसे हैं जो कभी हारे नहीं। इनमें क्रिस श्रीकांत शामिल हैं, जिन्होंने भारत की कप्तानी 4 टेस्ट मैचों में की और एक भी मैच नहीं हारे। साथ ही हेमू अधिकारी और रवि शास्त्री भी हैं, जिन्होंने एक-एक बार टीम की कप्तानी की और कोई मैच नहीं हारे। रहाणे इनमें इकलौते ऐसे कप्तान हैं जिनकी कप्तानी में भारत ने विदेश में ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज जीती है।

शानदार रहा था रहाणे का अंतरराष्ट्रीय करियर

रहाणे ने भारत की ओर से जुलाई 2023 में अपना आखिरी टेस्ट वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के खिलाफ खेला था। उन्होंने भारत के लिए 85 टेस्ट की 144 पारियों में 38.46 की औसत से 5,077 रन बनाए। इसमें 12 शतक और 26 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने 90 वनडे में 35.26 की औसत के साथ 2,962 रन बनाए थे। टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 20 पारियों में 20.83 की औसत के साथ 375 रन बनाए थे।

वेस्टइंडीज की जीत के बाद वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पाकिस्तान क्रिकेट टीम को वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के खिलाफ सीरीज के पहले टेस्ट में 90 रन से शिकस्त मिली। जीत के लिए मिले 211 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की दूसरी पारी सिर्फ 120 रन पर ही सिमट गई। ब्रायन लारा स्टेडियम में हुए मैच का परिणाम चौथे दिन पर निकल गया। वेस्टइंडीज को जीत के बाद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में फायदा पहुंचा है।

पाकिस्तान तालिका में आखिरी स्थान पर पहुंची : वेस्टइंडीज ने डब्ल्यूटीसी 2025-27 में अपनी सिर्फ दूसरी जीत दर्ज की है। कैरेबियाई टीम ने इस चक्र में अब तक 7 मैचों में हार (ड्रॉ-2) झेली है।

नीले से केसरिया रंग पर हॉकी इंडिया ने दिया जवाब

नीली जर्सी, नीला पिच, होती थी परेशानी, इसलिए केसरिया रंग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने हॉकी विश्व कप 2026 के लिए हाल ही में भारतीय हॉकी टीम की नई जर्सी जारी की, जो कि केसरिया रंग की है। अब तक नीले रंग की जर्सी भारतीय टीम की पहचान रही है और नई केसरिया जर्सी की प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर खूब आलोचना की।

पूर्व भारतीय कप्तान विरेन रास्किन्हा ने भी जर्सी के रंग बदलने को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की थी। अब हॉकी इंडिया से इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

एक जैसा रंग होने से खिलाड़ियों को दिक्कत

आलोचना का जवाब देते हुए हॉकी इंडिया ने कहा कि यह फैसला खिलाड़ियों, कोचों और सपोर्ट स्टाफ के साथ बातचीत करने के बाद लिया गया था। हॉकी इंडिया ने बयान में कहा, मुख्य वजह तकनीकी थी। नीले रंग की प्लेइंग यूनिफॉर्म, नीली सिंथेटिक प्लेइंग सतह के साथ घुल-मिल जाती थी। नीली रंग की सतह अब इंटरनेशनल हॉकी पिचों का आदर्श रंग है। इस तरह एक जैसा रंग होने से खिलाड़ियों को मैदान पर देखने में दिक्कत होती थी।

केसरिया रंग का है देश के लिए महत्व- हॉकी इंडिया

हॉकी इंडिया ने आगे कहा, इन बातों को ध्यान में रखते हुए, कोच और खिलाड़ियों ने पीले या केसरिया जैसे वैकल्पिक रंगों का सुझाव दिया। अच्छी तरह से विचार करने के बाद केसरिया रंग को चुना गया। तकनीकी जरूरतों को पूरा करने के अलावा केसरिया रंग का गहरा महत्व भी है क्योंकि यह हमारे राष्ट्रीय ध्वज के रंगों में से एक है और साहस, त्याग और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है।

पीली जर्सी भी पहन चुकी है टीम इंडिया : टिर्की

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने इस फैसले का बचाव करते हुए कहा कि 2014 विश्व कप में

टीम ने पीली जर्सी पहनी थी। जर्सी को लेकर यह बहस ऐसे समय में हो रही है जब भारत 2026 एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप की तैयारियों के अहम पड़ाव पर है।कप्तान हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई में एफआईएच प्रो लीग के आखिरी दौर में अच्छे प्रदर्शन के बाद भारत अपनी पूरी मजबूत टीम के साथ विश्व कप में उतरेगा।

बचपन में गावित का काटना पड़ा था हाथ

टी-47 100 मीटर में जीता स्वर्ण, बेसिल को रजत

ग्लासगो में खेले जा रहे राष्ट्रमंडल खेल 2026 में बुधवार को भारत के लिए ट्रैक एंड फील्ड में यादगार दिन रहा। दरअसल, पुरुषों की टी-47 100 मीटर दौड़ में दिलीप गावित ने 10.71 सेकंड के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनके साथी धावक मोहम्मद बेसिल ने 10.83 सेकंड के साथ जीता रजत। यह ग्लासगो खेलों में भारत का सिर्फ तीसरा ही स्वर्ण पदक रहा। इससे पहले मीराबाई चानू और शर्मिला धनखड़ ने अपने-अपने खेलों में स्वर्ण जीते थे।

बचपन में पेड़ से गिर गए थे

गावित का जन्म 21 अप्रैल, 2003 को महाराष्ट्र के नासिक जिले के छोटे से गांव तोरण डोंगरी में हुआ। वह एक साधारण किसान परिवार से आते हैं। उन्होंने इस पदक को जीतने के लिए कई आर्थिक चुनौतियों का सामना किया। वह बचपन में पेड़ से गिर गए थे, जिससे उनके हाथ में चोट लग गई थी। अस्पताल में नहीं ले जाने के कारण संक्रमण बढ़ गया और आखिर में उनका हाथ काटना पड़ा था। राष्ट्रमंडल खेल 2026 पदक तालिका : भारत ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में अब तक कुल 15 पदक जीते हैं, जिनमें 3 स्वर्ण शामिल हैं। ग्लासगो खेलों में भारत ने 9 रजत और 3 कांस्य पदक जीते हैं। पदक तालिका में भारत फिलहाल 8वें स्थान पर है।

स्पेन और फ्रांस में कुदरत का तांडव, आखिर क्यों जंगलों की आग में जल रहा है यूरोप?

वैज्ञानिक वजहें जान रह जाएंगे हैरान!

पेरिस। यूरोप का दिल कहे जाने वाले स्पेन और फ्रांस इस वक्त आग की भयंकर लपटों में झुलस रहे हैं। हरे-भरे जंगल, लहलहाते खेत और खूबसूरत गांव पल भर में राख के ढेर में तब्दील हो रहे हैं। अब तक 15 लोगों की जान जा चुकी है और करीब 3 लाख लोगों को अपना घर-बार छोड़कर भागना पड़ा है। आसमान में धुएं का गुबार है और जमीन पर सिर्फ तबाही का मंजर। आखिर क्यों बेकाबू हुई यह आग? क्या यह प्रकृति का कोई नया इशारा है? आइए समझते हैं इस महाविनाश के पीछे की पूरी कहानी।

स्पेन और फ्रांस में तबाही का मंजर

स्पेन और फ्रांस के जंगलों में लगी भीषण आग ने इस वक्त पूरे यूरोप में हाहाकार मचा रखा है। इतिहास के सबसे बड़े रेस्क्यू ऑपरेशन्स में से एक चलाया जा रहा है। अब तक 13 नागरिकों और फ्रांस के 2 दमकलकर्मियों समेत 15 लोगों की दर्दनाक मौत हो चुकी है। आग की भयावहता को देखते हुए 3,00,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है।

क्यों हार मान रहे हैं फायरफाइटर्स?

हजारों फायरफाइटर्स, सेना के जवान, हेलीकॉप्टर और वाटर-बॉम्बिंग विमान दिन-रात आग बुझाने में लगे हैं। इसके बावजूद सफलता नहीं मिल पा रही है। घना धुआं पायलटों की दृश्यता को प्रभावित कर रहा है, वहीं तेज हवाएं पानी के छिड़काव के सटीक निशाने को बिगाड़ रही हैं। दुर्गम रास्तों के कारण जमीनी टीमें मौके पर नहीं पहुंच पा रही हैं।

तेज हवाओं ने बढ़ाई मुश्किल

आग को बेकाबू करने में तेज और बदलती हवाओं का सबसे बड़ा हाथ है। हवाएं आग की लपटों को तेजी से आगे बढ़ाती हैं और जलते हुए अंगारों को दूर-दूर तक फेंक देती हैं। इससे नए-नए इलाकों में आग सुलग उठती है। ऊबड़-खाबड़ पहाड़ियों की वजह से दमकलकर्मियों के लिए आग की सही दिशा का अनुमान लगाना बेहद मुश्किल हो रहा है।

आगे और बढ़ सकती है आफत

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि पश्चिमी यूरोप में तापमान और बढ़ सकता है। ऐसे में मौजूदा आग और विकराल रूप ले सकती है। प्रशासन का मानना है कि आने वाले दिन बेहद चुनौतीपूर्ण रहने वाले हैं, क्योंकि प्रकृति के इस रूप के आगे इंसानी कोशिशें कमजोर साबित हो रही हैं।

नकली सूरज बनाने के करीब पहुंचा चीन दुनिया का सबसे बड़ा चुंबक किया तैयार

बीजिंग। चीन ने धरती पर आर्टिफिशियल सूरज बनाने के और करीब पहुंच गया है। इसने न्यूक्लियर फ्यूजन के जरिए साफ और असीमित ऊर्जा पैदा करने के लिए दुनिया के सबसे बड़े सुपरकंडक्टिंग फ्यूजन मैग्नेट को बनाकर उसका सफल टेस्ट किया है। यह उपलब्धि साल 2030 तक फ्यूजन पावर से बिजली पैदा करने की चीन की महत्वाकांक्षी योजना में एक अहम पड़ाव है। इसके साथ ही चीन कार्बन-मुक्त ऊर्जा का सबसे बड़ा स्त्रोत हासिल करने की कोशिश करने वाले अग्रणी देशों में शामिल हो गया है। इस सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट को चाइनीज एकेमडी ऑफ साइंसेज के तहत इंस्टीट्यूट ऑफ प्लाज्मा फिजिक्स ने विकसित किया है। यह डी अक्षर के आकार का एक विशाल ढांचा है, जो 21 मीटर लंबा, 12 मीटर चौड़ा है। इस विशालकाय ढांचे का वजन 582 टन है।

मैग्नेट कैसे करता है काम?

यह मैग्नेट एक बहुत शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र बनाता है, जो प्लाज्मा को रिएक्टर के अंदर ही रोककर रखता है और उसे दीवारों को छूने से रोकता है। यह प्लाज्मा 10 करोड़ डिग्री सेल्सियस तक गर्म गैस होती है। चीन का कहना है कि इस टेक्नोलॉजी को पूरी तरह घरेलू मैटेरियल और उत्पादन क्षमता का इस्तेमाल करके बनाया गया है। इस तरह फ्यूजन के लिए बीजिंग की विदेशी सप्लायर्स पर निर्भरता खत्म हो गई है।

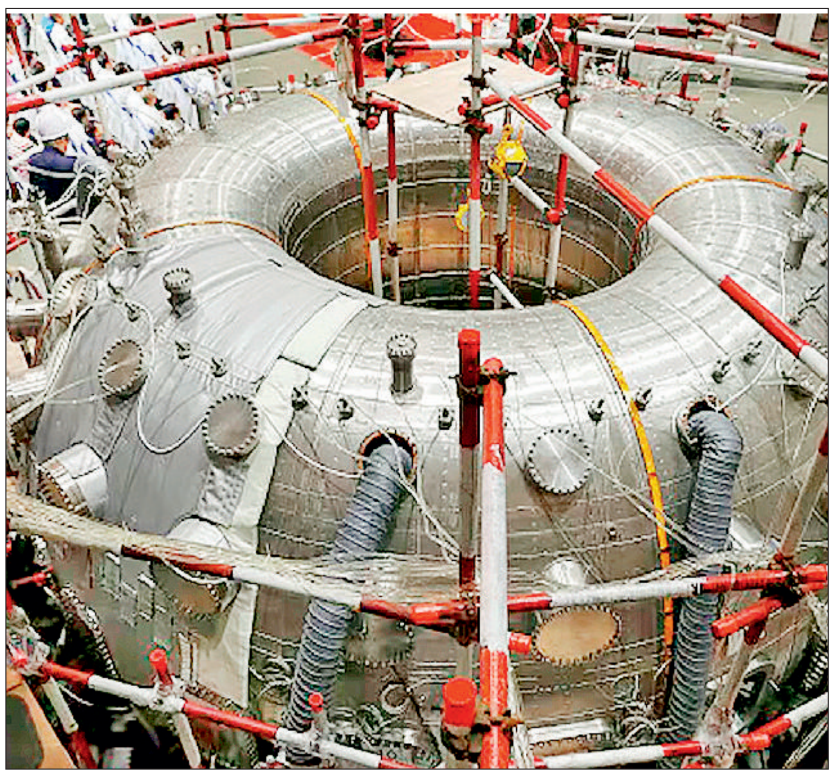

दुनिया का सबसे बड़ा सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट

शोधकर्ताओं का कहना है कि यह दुनिया का अब तक का सबसे बड़ा सुपरकंडक्टिंग फ्यूजन रिएक्टर मैग्नेट है। इसका वॉल्यूम इंटरनेशनल थर्मोन्यूक्लियर एक्सपेरिमेंटर रिएक्टर के लिए बनाए गए इसी तरह के मैग्नेट से 1.3 गुना बड़ा है। इसमें स्टोर होने वाली ऊर्जा भी तीन गुना ज्यादा है। आईटीईआर को अब तक दुनिया का सबसे बड़ा फ्यूजन प्रोजेक्ट कहा जाता है।

क्या है नकली सूरज?

नकली या कृत्रिय सूर्य एक न्यूक्लियर फ्यूजन रिएक्टर है, जो उसी प्रक्रिया को दोहराता है जिससे सूर्य में विशाल ऊर्जा उत्पन्न होती है। यह 10 करोड़ डिग्री सेल्सियस से ज्यादा तापमान पर हाइड्रोजन परमाणुओं को जोड़ता है। इस प्रक्रिया में कॉर्बन डाइऑक्साइड पैदा हुए बिना भारी मात्रा में ऊर्जा निकलती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि भविष्य में यह तकनीक असीमित ऊर्जा का स्रोत साबित होगी। विशाल मैग्नेट के साथ ही चीनी शोधकर्ताओं ने हाई-टेम्परेचर सुपरकंडक्टिंग सेंट्रल सोलेनॉइ कॉइन का भी सफल टेस्ट किया है। इसे फ्यूजन रिएक्टर का दिल कहा जाता है। यह गाड़ियों के इंजन में स्पार्क प्लग की तरह काम करता है। फ्यूजन रिएक्टर में यह हिस्सा रिएक्शन के लिए जरूरी प्लाज्मा को शुरू करने और बनाए रखने में मदद करता है।

अब नहीं पड़ेगा सूखा?

वैज्ञानिकों ने बताया समुद्री नमक और सफेद बादलों से अल नीनो रोकने का फॉर्मूला!

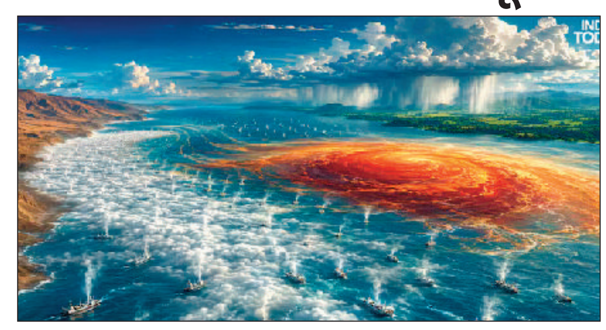

वॉशिंगटन। इस साल आने वाले अल नीनो को लेकर वैज्ञानिकों ने पहले ही लोगों को सावधान कर दिया है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि सितंबर तक प्रशांत महासागर में बनने वाला अल नीनो अपना प्रभाव दिखा सकता है। लेकिन जरा सोचिए, अगर हम अपनी मर्जी से अल नीनो को रोक सकें और बिना किसी डर के फसलों को सूखने से बचा सकें, तो क्या होगा? सुनने में भले यह चौंकाने वाला हो, लेकिन वैज्ञानिकों ने कुछ ऐसा ही दावा किया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि सिर्फ समुद्र का खारा पानी और थोड़े से बादलों को सफेद करने की कला से हम दुनिया के मौसम का पूरा चक्र बदल सकते हैं और अल नीनो के खतरे को दूर कर सकते हैं।

दुनिया भर के मौसम का गणित बिगाड़ देता अल नीनो

प्रशांत महासागर में उठने वाला अल नीनो दुनिया भर के मौसम का गणित बिगाड़ देता है। खासकर भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए, जहां मजबूत अल नीनो का सीधा मतलब कमजोर मानसून और सूखा होता है। साइंस एडवांसेज में पब्लिश एक नई रिसर्च के मुताबिक, वैज्ञानिकों का मानना है कि समुद्र के ऊपर जहाजों से समुद्री नमक का छिड़काव करके अल नीनो जैसी भीषण प्राकृतिक घटना को होने से पहले ही कमजोर किया जा सकता है।

भारत पर इसका क्या असर पड़ेगा?

भारत में आधे से ज्यादा कृषि भूमि मानसून के पानी पर निर्भर है। लेकिन, जब-जब सुपर अल नीनो आया है 1997, 2009 और 2015 तो भारत को सूखे और भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा है। कंप्यूटर मॉडल के मुताबिक, अगर अल नीनो को बनने से पहले ही रोक दिया जाए, तो दक्षिण एशिया और भारत में सूखा और अत्यधिक गर्मी का खतरा काफी कम हो सकता है।

तुर्की में पानी के नीचे अजूबा, दिखा 2400 साल पहले डूबा प्राचीन शहर

अंकारा। पानी की गहराई हमेशा से ही अपने भीतर अनगिनत रहस्य छुपाए रखती है। इस बार तुर्कीये के दक्षिण-पूर्व में स्थित डिकले बांध के जलाशय के नीचे से एक ऐसा चमत्कार सामने आया है, जिसने पूरी वैज्ञानिक बिरादरी को हैरत में डाल दिया है। जलाशय का पानी कम होने पर पानी के नीचे से कोई एक-आध खंडहर नहीं, बल्कि 2400 साल पुराना एक पूरा का पूरा शहर बाहर निकल आया है। ताज्जुब की बात यह है कि सदियों तक पानी में डूबे रहने के बावजूद यहाँ की इमारतें आज भी सही-सलामत खड़ी हैं। तुर्कीये के एगिल जिले में 1990 के दशक के उत्तरार्ध में डिकले बांध का निर्माण किया गया था, जिसके बाद यह पूरा इलाका पानी में डूब गया था। हाल ही में भारी बारिश के बाद बांध के एक गेट में आई तकनीकी खराबी के कारण अचानक पानी का स्तर नीचे गिर गया। जैसे ही पानी घटा, वैज्ञानिकों और स्थानीय लोगों के सामने 2400 साल पुरानी एक ऐसी सभ्यता आ गई, जो दशकों से पानी के नीचे शांत छिपी हुई थी।

घर, मस्जिदें और स्कूल आज भी खड़े हैं वैसे के वैसे

कई सभ्यताओं का संगम रहा है यह क्षेत्र

बांध बनने से पहले एगिल का यह इलाका इतिहास में कई महान साम्राज्यों और संस्कृतियों का चौराहे की तरह केंद्र रहा है। सदियों से अलग-अलग सभ्यताओं ने यहाँ अपनी छाप छोड़ी है। पानी के नीचे से मिले ये अवशेष वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद कर रहे हैं कि ईसा पूर्व 5वीं शताब्दी से लेकर बाद के दौर तक इस क्षेत्र में मानव बस्ती का विकास किस तरह हुआ था।

78 मकानों के साथ मिला समृद्ध इतिहास

पुरातत्वविदों ने अब तक यहाँ 78 मकानों के अवशेषों की पहचान की है, जो यह दर्शाते हैं कि उस दौर में यहां एक बड़ी आबादी निवास करती थी। टाइगरिस (दजला) नदी के किनारे उपजाऊ कृषि क्षेत्र होने के कारण यहाँ का मुख्य आधार खेती-बारी था। आवासीय मकानों के अलावा पानी के नीचे मस्जिद, मदरसा और कई कब्रिस्तान भी मिले हैं, जो उस समय के सामाजिक और धार्मिक जीवन की झलक दिखाते हैं।

इन ऐतिहासिक संरचनाओं को कोई नुकसान नहीं पहुंचा

डिकले यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने जब इस इलाके का निरीक्षण किया, तो वे हैरान रह गए। अध्ययन में सामने आया कि पानी के नीचे पूरा का पूरा मोहल्ला बसा हुआ है। शोधकर्ता इरफान यिल्डिज के अनुसार, पानी के शांत रहने और मानवीय हस्तक्षेप न होने की वजह से इन ऐतिहासिक संरचनाओं को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। 5वीं शताब्दी ईसा पूर्व से जुड़ी ये इमारतें आज भी अपनी जगह पर मजबूती से खड़ी हैं।

पुरातत्वविदों के सामने नई और बड़ी चुनौती

पानी के ऊपर आने के बाद अब इन ऐतिहासिक अवशेषों को बचाना शोधकर्ताओं के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। पानी का बदलता स्तर, मिट्टी का बहाव और कटाव इन दुर्लभ खंडहरों को हमेशा के लिए नष्ट कर सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अब इस साइट की मैपिंग करने और भविष्य के लिए इसे सुरक्षित रखने के लिए तुरंत विशेष अंडरवाटर आर्कियोलॉजिकल (जलमग्न पुरातत्व) अध्ययन शुरू करने की आवश्यकता है।

धरती पर आया परमाणु खतरा तो पड़ेगी जरूरत

समुद्र में 1945 के पहले डूबे जहाजों का लोहा क्यों चुरा रहे वैज्ञानिक

वॉशिंगटन। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद से बने लगभग हर संवेदनशील रेडिएशन डिटेक्टर के लिए ऐसे स्टील का इस्तेमाल किया जाता है, जो पहले परमाणु परीक्षण से पहले डूबे जहाजों से निकाला गया हो। ऐसा इसलिए है, क्योंकि वैज्ञानिकों का मानना है 1945 के बाद पिघलाई गई हर चीज की बनावट में परमाणु युग के हल्के निशान रह जाते हैं और युद्ध से पहले के मलबे की सप्लाई सीमित है। दरअसल, यह पूरा मामला 'लो-बैकग्राउंड स्टील' से जुड़ा हुआ है। ये ज्ञान-विज्ञान की दुनिया में यह एक बेहद दिलचस्प और ऐतिहासिक विषय है।

दरअसल, जब पहला परमाणु बम का परीक्षण हुआ और फिर उसका इस्तेमाल किया गया तो उसने सिर्फ न्यूक्लियर युग की ही शुरुआत नहीं की, बल्कि वैज्ञानिकों का कहना है कि इसने वातावरण में एक स्थायी रेडियोएक्टिव निशान छोड़ दिया जो उसके बाद बने स्टील के हर बैच में शामिल हो गया।

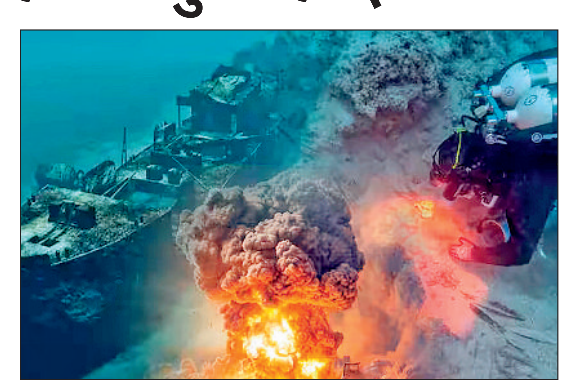

समंदर में स्टील खोजते वैज्ञानिक

16 जुलाई 1945 को दुनिया का पहला परमाणु परीक्षण हुआ था, जिसे ट्रिनिटी टेस्ट कहा जाता है। उसके बाद हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिराए गए। 1940 और 1950 के दशकों में अमेरिका, सोवियत संघ और अन्य देशों ने सैकड़ों परमाणु परीक्षण खुले आसमान में किए। वैज्ञानिकों का कहना है कि इन धमाकों की वजह से वातावरण में कोबाल्ट-60 और सीज़ियम-137 जैसे रेडियोधर्मी तत्व पूरी दुनिया की हवा में फैल गए। पैसिफिक नॉर्थवेस्ट नेशनल लैबोरेटरी की लो-बैकग्राउंड स्टील के बारे में एक रिपोर्ट बताती है कि यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एनर्जी की कई सुविधाओं ने दूसरे विश्व युद्ध से पहले के मेटल से काउंटिंग-रूम शील्ड बनाई थीं। इन कमरों का इस्तेमाल ऐसी माप के लिए किया जाता था।

इस देश में 54 प्रतिशत हो गई है महिलाओं की जनसंख्या

रीगा। दुनिया के अलग-अलग देशों में जनसंख्या से जुड़े आंकड़े समय-समय पर नई तस्वीर पेश करते हैं। कहीं बढ़ती आबादी चिंता का कारण बनती है तो कहीं घटती जनसंख्या सरकारों के लिए चुनौती बन जाती है। उपलब्ध जनसांख्यिकीय आंकड़ों के अनुसार, लातविया उन देशों में शामिल है जहां महिलाओं की आबादी पुरुषों की तुलना में अधिक है। विभिन्न रिपोर्टों में बताया गया है कि देश की कुल आबादी में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 54 प्रतिशत के आसपास है, जबकि पुरुषों की संख्या अपेक्षाकृत कम है। यह अंतर अचानक पैदा नहीं हुआ, बल्कि कई वर्षों में विकसित हुआ है। जनसंख्या विशेषज्ञों का कहना है कि इसके पीछे कई सामाजिक, स्वास्थ्य और जनसांख्यिकीय कारण जिम्मेदार हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, इस असंतुलन का सबसे प्रमुख कारण पुरुषों की महिलाओं की तुलना में कम जीवन प्रत्याशा है। औसतन महिलाएं पुरुषों से अधिक समय तक जीवित रहती हैं। इसके अलावा हृदय रोग, दुर्घटनाएं, धूम्रपान, शराब का अधिक सेवन और अन्य स्वास्थ्य संबंधी जोखिम भी पुरुषों की औसत आयु को प्रभावित करते हैं।

शख्स ने बॉडी में गुदवाया 3 करोड़ 40 लाख का टैटू

ओटावा। दुनिया में ऐसे कई लोग हैं जो अपने शौक और जुनून के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार रहते हैं। कोई दुर्लभ चीजों का संग्रह करता है, कोई महंगी कारों का शौकीन होता है, तो कोई अपने शरीर को अनोखा रूप देने के लिए लाखों-करोड़ों रुपएखर्च कर देता है। इन दिनों कनाडा के एक ऐसे ही शख्स की कहानी सोशल मीडिया और विदेशी मीडिया में चर्चा का विषय बनी हुई है, जिसने अपने शरीर पर टैटू बनवाने के जुनून में अब तक करीब 5 लाख कनाडाई डॉलर (लगभग 3 करोड़ 40 लाख रुपए) खर्च कर दिए हैं।

साल 2001 से शुरू हुआ बदलाव

रेमी स्कोफील्ड ने बताया कि उनके शरीर में बदलाव की शुरुआत साल 2001 में हुई थी। उस समय उन्होंने सबसे पहले अपने चेहरे पर पियर्सिंग करवाई थी। इसके बाद धीरे-धीरे उन्हें बॉडी मॉडिफिकेशन में दिलचस्पी बढ़ने लगी। हालांकि, टैटू बनवाने का सफर साल 2009 में शुरू हुआ, जब उन्होंने अपने बेटे के नाम का पहला टैटू अपने शरीर पर बनवाया था। यही वह पल था जिसने उनके जीवन की दिशा बदल दी. इसके बाद उन्होंने लगातार नए-नए टैटू बनवाने शुरू कर दिए।

अब तक खर्च कर चुके हैं करोड़ों रुपए : रेमी स्कोफील्ड ने बताया कि उन्होंने अब तक अपने टैटू सफर पर लगभग 5 लाख कनाडाई डॉलर खर्च किए हैं, जो भारतीय मुद्रा में लगभग 3 करोड़ 40 लाख रुपए के बराबर है।

आइब्रो, मूंछ दाड़ी के बालों का प्रत्यारोपण
कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर
आर.के.सी. के सामने, जी.ई. रोड, चौबे कालोनी एवं गंगा डायग्नोस्टिक्स के उपर, कलर्स माल के पास, पचपेढ़ी नाका, रायपुर (छ.ग.)
9827143060
Ajay Advt.

(NABH से मान्यता प्राप्त) सुयश हॉस्पिटल
गुर्दे की पथरी का दर्द
सबसे भयानक दर्दो में से एक है। जिसे कोई भी व्यक्ति अनुभव कर सकता है।
इसके लक्षण कारण और उपाय जानने के लिए संपर्क करें
24 Hours Helpline
9926386660
कोटा-गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

SHREE NARAYANA HOSPITAL
Quality Health Care for All..
NABH
प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग
- नॉर्मल/सिजेरियन डिलीवरी एवं हाई-रिस्क प्रेग्नेंसी केयर
- मेनोपॉज (रजोनिवृत्ति) क्लीनिक (Pap Smear, Sonography, Colposcopy एवं BSE)
- Adolescent Clinic (माहवारी में तकलीफ/बंद होना)
- बच्चेदानी में गांठ या रसौली, बच्चेदानी के मुंह के कैंसर, बच्चेदानी का कैंसर, स्तन कैंसर आदि की सर्जरी
परामर्श हेतु - सोमवार से शनिवार, समय : 10.00 से 5.00 बजे तक
सभी कार्पोरेट, शासकीय योजनाओं एवं इंश्योरेंस से मान्यता प्राप्त
देवेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.)
www.snh.org.in
9300373737

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com